Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Jharkhand Foundation Day
Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 15 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 296 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	64,933.87
निफ्टी	:	19,443.55

SARAFA

सोना	:	5,705
चांदी	:	76.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

विस में सेक्स वाले बयान के बाद नीतीश ने मीडिया से बनाई दूरी

PATNA : विधानसभा में सेक्स वाले बयान पर विवाद के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मीडिया से बात नहीं कर रहे हैं। अपने कार्यक्रम में पत्रकारों की एंट्री बैन कर रखी है। इस पर मंगलवार सुबह पत्रकारों ने उनसे सवाल किया, 'नाराज हैं क्या मुख्यमंत्री जी।' इस पर नीतीश कमर तक झुके और दोनों हाथ जोड़कर पत्रकारों को प्रणाम करते हुए निकल गए, लेकिन कोई बात नहीं की। बेली रोड़ पर हुए इस कार्यक्रम में मीडिया की एंट्री बैन कर दी गई थी। पार्क के बाहर पत्रकारों को रोक दिया गया था। इसके पहले सीएम नीतीश कुमार ने मीडिया से दूरी बनाने का ऐलान किया था। जेपी की जयंती पर नीतीश कुमार ने कहा था, 'आज के बाद मीडिया से बात नहीं करूंगा।'

म्यांमार के 39 सैनिकों को मिजोरम पुलिस ने हिरासत में लिया

AIZAWL : म्यांमार में तनावपूर्ण स्थिति के बीच मिजोरम पुलिस ने म्यांमार के 39 सैनिकों को हिरासत में लिया है। पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा पीछा किए जाने के बाद म्यांमार सीमा को अवैध रूप से पार करने के आरोप में हिरासत में लिए गए इन सैनिकों को मिजोरम के जोखावथार पुलिस स्टेशन भेज दिया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि म्यांमार के दोनों सैन्य शिविरों में करीब 60-60 सैन्यकर्मी थे। यह भी सूचना है कि पीडीएफ ने म्यांमार सेना के अधिकांश कर्मियों को दो शिविरों में मार दिया है। म्यांमार सेना द्वारा जेट लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने के बावजूद, पीडीएफ सेनानियों ने मिजोरम सीमा पर म्यांमार के दो शिविरों पर कब्जा कर लिया है। यंग मिजो एसोसिएशन (वाईएमए) कल से शरणार्थियों और गोलीबारी में घायल हुए लोगों की सक्रिय रूप से देखभाल कर रहा है।

मणिपुर में इंटरनेट बैन 18 नवंबर तक बढ़ा

IMPHAL : मणिपुर सरकार ने राज्य में एक बार इंटरनेट बैन 18 नवंबर तक बढ़ा दिया है। इससे पहले 13 नवंबर तक बढ़ाया गया था। 3 मई से भड़की जातीय हिंसा के बाद 195 दिन पहले इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाया गया था। तब से हर पांच दिन बाद प्रतिबंध बढ़ाया जा रहा है। मणिपुर कमिश्नर (होम) ने कहा कि असामाजिक तत्व जनता की भावनाएं भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे भाषण और नफरत भरे वीडियो न शेयर करें। इसके अलावा अफवाहें न फैलाई जाएं। इसी वजह से इंटरनेट पर रोक लगाई गई है। राज्य में 3 मई से जारी हिंसा में अब तक 187 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

रांची पहुंचे पीएम मोदी : एयरपोर्ट से राजभवन तक किया रोड शो

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रांची वासियों ने जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक लाखों लोगों की भीड़ पीएम मोदी को देखने के लिए जुटी थी। लोग पीएम मोदी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। जहां से भी पीएम मोदी गुजरे नरेंद्र मोदी जिंदाबाद और जय श्री राम के गगनभेदी नारे लगे।

पेज 3 भी देखें।

रांची में कई चौक चौराहों पर हुआ भव्य स्वागत

रांची में जिस -जिस रास्ते से पीएम का काफिला गुजरा वहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पारंपरिक वेश-भूषा में क्षेत्रीय कलाकारों ने मंच से नृत्य प्रस्तुत कर पीएम का अभिनंदन किया। हरमू बायपास रोड स्थित हरमू चौक पर बीजेपी के राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी का स्वागत किया। जैसे ही पीएम मोदी का काफिला हरमू चौक पहुंचा वहां मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ गया। मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ता और आम लोगों के द्वारा भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और मोदी मोदी का नारा लगाना शुरू कर दिया। साथ साथ ही कार्यकताओं के द्वारा पीएम के काफिले पर पुष्प वर्षा भी की गई। हरमू चौक पर इस भव्य स्वागत को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लोगों का हाथ हिला कर अभिवादन किया जिसके बाद उनका काफिला सहजानंद चौक की तरफ बढ़ चला। इस दौरान भाजपा विधायक दल के सचेतक विधायक जय प्रकाश भाई पटेल, सांसद बीड़ी राम समेत कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। करीब एक मिनट पीएम हरमू चौक पर रुके। गाड़ी के अंदर से ही लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

पीएम का राज्यपाल व सीएम हेमंत सोरेन ने किया स्वागत

PHOTON NEWS RANCHI : जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची पहुंचे। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पीएम नरेंद्र मोदी का राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सीएम हेमंत सोरेन ने स्वागत किया। इसके बाद वे राजभवन के लिए प्रस्थान किए। पीएम का काफिला हिनू, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, हरमू चौक, किशोरगंज चौक होकर राजभवन पहुंचा। इस दौरान जगह-जगह पर उनका भव्य स्वागत किय गया। वहीं शहर के अरगोड़ा चौक पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने दीप प्रज्वलित व पुष्प वर्षा कर पीएम मोदी का अभिवादन किया। यहां बने मंच पर लोकगायक पद्मश्री मधु मंसूरी ने नागपुरी गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने नागपुर कर कोरा के गीत पर उपस्थित लोगों को खूब झुमाया। वही एक्स रिकॉर्डिंग गीत जोहार मोदी जी के धुन पर कार्यकर्ता थिरक रहे थे। पीएम मोदी अरगोड़ा चौक पर गाड़ी से बाहर निकलकर कार्यकताओं का अभिवादन किया।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पीएम का स्वागत करते राज्यपाल और सीएम।

मोदीमय हुई राजधानी, बरसे फुल, थाल लेकर सड़क किनारे खड़ी रहीं महिलाएं

पीएम मोदी पर रांची में पुष्पवर्षा की गयी। लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। आरती की थाल लेकर सड़क किनारे उनके स्वागत में महिलाएं खड़ी रहीं। जब मोदी का काफिला सहजानंद चौक के पास पहुंचा तो लोगों का उत्साह काफी बढ़ गया। सहजानंद चौक पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ता और आम लोगों के द्वारा भारत माता की जय, बीजेपी पार्टी जिंदाबाद और मोदी मोदी का नारा लगाना शुरू कर दिया। साथ साथ ही कार्यकताओं के द्वारा पुष्प वर्षा भी किया गया। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी लोगों का हाथ हिला कर अभिवादन किया।

स्थापना दिवस पर आज राज्य सरकार के पिटारे से निकलेंगी 906 योजनाएं

7042.74 करोड़ की विकास योजनाओं का होगा उद्घाटन-शिलान्यास

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य स्थापना दिवस के मौके पर 15 नवंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूर्ण हो चुकी है। इस समारोह में राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्री की उपस्थिति में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार के तीसरे चरण का शुभारंभ होगा। स्थापना दिवस के अवसर पर 1714.44 करोड़ रुपये की कुल 229 योजनाओं का उद्घाटन एवं 5328.30 करोड़ रुपये की कुल 677 योजनाओं का शिलान्यास होगा। समारोह अपराह्न दो बजे शुरू होकर अपराह्न 03:30 बजे समाप्त होगा।

मोरहाबादी में आयोजित समारोह की तैयारियों का जायजा लेते सीएम।

पॉलिसी होंगी लांच : राज्य स्थापना दिवस पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री योजनाओं और पॉलिसी का शुभारंभ करेंगे। लांच होने वाली पॉलिसी में झारखंड स्टार्ट-अप पॉलिसी, झारखंड एमएसएमई प्रमोशन पॉलिसी, झारखंड निर्यात पॉलिसी और झारखंड आईटी, डाटा सेंटर तथा बीपीओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी शामिल हैं। साथ ही अबुआ आवास योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना शुरू की जाएगी।

इनको भी सौगात

राज्य स्थापना दिवस पर सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए 5,55,652 किशोरियों को 261 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण किया जाएगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 70 खिलाड़ियों के बीच लगभग 02 करोड़ पुरस्कार राशि का वितरण होगा। कार्यक्रम स्थल में श्रम विभाग द्वारा आयोजित रोजगार मेला में 18,034 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्री सौंपेंगे।

इजराइल का दावा गाजा पर हमास का कंट्रोल खत्म

TEL AVIV : इजराइल ने दावा किया है कि हमास ने गाजा में कंट्रोल खो दिया है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा कि आतंकवादी साउथ गाजा की ओर भाग रहे हैं। इस बीच, गाजा के ज्यादातर हॉस्पिटल्स और क्लीनिक में हालात बदतर होते जा रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि 7 अक्टूबर से अब तक 36 हेल्थ फेसिलिटीज, जिसमें 22 हॉस्पिटल शामिल हैं, को जंग में भारी नुकसान पहुंचा है। बड़े हॉस्पिटल अल शिफा, अल-नासेर हॉस्पिटल, रनतीसी हॉस्पिटल, अल-कुद्स हॉस्पिटल, अल-अहली हॉस्पिटल में पावर सप्लाई नहीं होने से मरीजों के इलाज में दिक्कत हो रही है। इजराइली सेना इन हॉस्पिटल के नीचे बने हमास के कमांड सेंटर्स को निशाना बना रही। सेना का दावा है कि हमास ने बच्चों के रनतीसी अस्पताल के नीचे अपने कमांड सेंटर में ही इजराइली बंधकों को कैद कर रखा था।

4 साल पुराने 'जख्म' को भरने उतरेगा भारत, सेफा में आज कीवियों से टक्कर

विश्व कप 2023 इंडिया ने लीग में अबतक सभी 9 मुकाबला जीता

AGENCY NEW DELHI : भारत और न्यूजीलैंड की टीम आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में भिड़ने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने लीग स्टेज में अपने सभी 9 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कुल 117 वनडे खेले गए हैं। इसमें से भारत ने 59 और न्यूजीलैंड ने 50 मैच जीते हैं। एक मैच टाई रहा और सात मुकाबले बेनतीजा रहे। भारत का अपने घर में वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड है। भारतीय सरजमीं पर दोनों के बीच 39 वनडे खेले गए हैं। इसमें से भारतीय टीम ने 30 मैच और न्यूजीलैंड ने आठ मैच जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा। 2003 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट में सात मैच खेल चुकी है। इसमें से पांच मैच कीवी टीम ने जीते जबकि भारत को सिर्फ एक मैच में जीत मिली है। यह वही न्यूजीलैंड है जिसने 2019 के विश्व कप सेमीफाइनल में भारत को हराकर उसके चैंपियन बनने का सपना तोड़ा था। टीम इंडिया उस हार का भी बदला लेना चाहेगी।

तीन बार हो चुकी है टक्कर

भारतीय सरजमीं पर वनडे विश्व कप में दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने हो चुकी हैं। दो मुकाबले 1987 विश्व कप में खेले गए थे। भारत ने यह दोनों मैच जीते थे। इसके बाद मौजूदा विश्व कप में भी भारत ने जीत हासिल की। भारत में आईसीसी टूर्नामेंट्स में दोनों टीमें चार बार आमने-सामने आ चुकी हैं। 1987 और 2023 के तीनों वनडे विश्व कप के मुकाबले भारत ने और 2016 टी-20 विश्व कप का मुकाबला न्यूजीलैंड ने जीता था।

धनबाद : दुकान में आग लगने से तीन की मौत

ऊपरी मंजिल में रहता था पूरा परिवार

PHOTON NEWS DHANBAD : जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ मार्केट स्थित सुमित गुप्ता के दुकान में सोमवार देर रात आग लग गई। इस घटना में दुकान के ऊपरी मंजिल में रह रहे परिवार के लोग फंस गए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि चार अन्य लोग घायल हुए हैं। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। बताया जाता है कि बाजार में जनरल स्टोर की दुकान में आग लग गई, जिससे ऊपरी तल पर रह रहा दुकान मालिक का परिवार आग और धुएं में फंस गए। आग तेजी से पूरे घर के अंदर और पास के ठाकुर बीड़ी प्रतिष्ठान में फैल गई। इसमें दुकान मालिक सुभाष गुप्ता की मां उमा देवी (70), बहन प्रियंका गुप्ता (32) और पुत्री सौम्या गुप्ता उर्फ मौली (6) की मौत हो गई। सुमन, सुमित और शिवांश को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सहायक आचार्य नियुक्ति के विज्ञापन पर रोक लगाने से हाईकोर्ट ने किया इन्कार

जेएसएससी ने 26001 पदों के लिए निकाला है विज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI : सहायक आचार्य नियुक्ति के विज्ञापन को चुनौती देने वाली मनी लांग एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की कोर्ट ने प्रार्थी की हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर सुनवाई करते हुए सहायक आचार्य के विज्ञापन 13 /2023 पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। दरअसल झारखंड स्टाफ सेलेक्शन

कमीशन (जेएसएससी) ने प्राथमिक स्कूलों में सहायक आचार्य के 26001 पदों के लिए विज्ञापन निकाला है। मामले में कोर्ट ने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के सचिव को प्रतिवादी बनाते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे सप्ताह में होगी। सहायक आचार्य के विज्ञापन संख्या 13/ 2023 को चुनौती देते हुए प्रार्थी ने सहायक आचार्य के पे स्केल एवं अन्य बातों को उठाया है। दाखिल याचिका में प्रार्थी का कहना है कि राज्य सरकार ने जो टेट परीक्षा ली थी वह सहायक शिक्षक पद के लिए ली थी।

हरियाणा में जहरीली शराब से 22 लोगों की गई जान

अवैध फैक्ट्री चलाने वाला मास्टरमाइंड धराया

AGENCY AMBALA : हरियाणा में जहरीली शराब पीने से अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है। अंबाला के मुलाना थाना के अंतर्गत आने वाले गांव सुहाना में एक और मौत हुई है। जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शराब के ठेके पर ताला जड़ दिया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। गांव सुहाना में इससे पहले भी 6 लोगों की संदिग्ध मौत हो चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक, 7वीं मौत भी शराब पीने से हुई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि गांव सुहाना में जहरीली शराब पीने से मौत नहीं हुई है। उधर, सीआईए शहजादपुर ने अंबाला के बिंजलपुर में अवैध शराब की फैक्ट्री चलाने वाले मास्टरमाइंड अंकित उर्फ मोगली को कालाअंब से गिरफ्तार कर लिया है।

ग्रामीणों ने नहीं मनाई दिवाली

यमुनानगर में सोमवार को भी 2 और लोगों की मौत हुई थी। अब तक यमुनानगर में 20 मौत हो चुकी हैं। अंबाला में 2 लोग जान गंवा चुके हैं। हालांकि, मुलाना थाना के अंतर्गत कई लोगों की संदिग्ध मौत हो चुकी है। किसकी को हार्ट अटैक बता रहे हैं तो किसी को चिकनगुनिया। मौतों के बाद यमुनानगर के मंडेबरी, सारन और पंजेटो का माजरा गांवों में किसी ने दिवाली नहीं मनाई। उधर,कांग्रेस ने इसी मामले में गिरफ्तार किए जा चुके प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य मांगेराम मारूपुर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है।

एडल्ट्री को फिर से बनाया जाए अपराध पैनल ने सौंपी रिपोर्ट

NEW DELHI : शादीशुदा महिला/पुरुष के किसी दूसरे से संबंध बनाने (एडल्ट्री या व्यभिचार) को फिर से अपराध बनाया जाना चाहिए, क्योंकि विवाह पवित्र परंपरा है, इसे बचाना चाहिए। एक संसदीय पैनल ने मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी) विधेयक पर अपनी रिपोर्ट में सरकार से यह सिफारिश की है। रिपोर्ट में यह भी तर्क दिया गया है कि संशोधित व्यभिचार कानून को इसे जेंडर न्यूट्रल अपराध माना जाना चाहिए। इसके लिए पुरुष और महिला को समान रूप से उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। पैनल की रिपोर्ट को अगर सरकार मंजूर कर लेती है तो यह सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच के 2018 में दिए उस ऐतिहासिक फैसले के विपरीत होगी, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार अपराध नहीं हो सकता और न ही होना चाहिए।

उत्तरकाशी टनल हादसा : 200 से ज्यादा लोगों की टीम सुरंग में फंसे 40 मजदूरों को निकालने की कर रही कोशिश

68 घंटे से फंसे हैं मजदूर, रेस्क्यू के दौरान धंस रही टनल

AGENCY UTTARKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 12 नवंबर की सुबह 4 बजे एक निमार्णाधीन टनल धंस गई थी। पिछले 68 घंटे से 40 मजदूर अंदर फंसे हुए हैं। चारधाम प्रोजेक्ट के तहत यह टनल ब्रह्मखाल और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिल्क्यारा और डंडलगांव के बीच बनाई जा रही है। फंसे हुए मजदूर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के हैं। एनएचआईडीसीएल, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, बीआरओ और नेशनल हाईवे की 200 से ज्यादा लोगों की टीम काम कर रहे हैं।

अब 35 इंच चौड़े स्टील पाइप से निकालने की तैयारी

नेशनल हाईवे एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के डायरेक्टर टेक्निकल अतुल कुमार ने सोमवार को बताया कि टनल से मलबा हटाने के दौरान ऊपर से लगातार मिट्टी धंस रही है। इससे रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। हमने अब स्टील पाइप के जरिए मजदूरों को निकालने का प्लान किया है। कुमार ने बताया- मजदूरों तक पहुंचने के लिए हाइड्रोलिक जैक और ऑगर ड्रिलिंग मशीन की मदद से 900 एमएम यानी 35 इंच के डायमीटर का स्टील पाइप टनल के अंदर डाला जा रहा है। सभी मजदूर सुरक्षित हैं। उन्हें पाइप के जरिए ऑक्सीजन, खाना-पानी और मेडिसिन पहुंचाया जा रहा है।

झारखंड से गई टीम ने टनल में फंसे श्रमिकों की ली सुध

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश के बाद राज्य की तीन सदस्यीय टीम ने मंगलवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में ब्रह्मकमल और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिल्क्यारा और डंडलगांव के बीच निमार्णाधीन टनल में फंसे झारखंड के श्रमिकों से बातचीत की। टीम ने उत्तराखंड आपदा प्रबंधन से भी मामले की जानकारी ली है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन ने 40 श्रमिकों की सूची प्रतिनिधिमंडल और कंट्रोल रूम से साझा किया है, जिसमें झारखंड के कुल 15 श्रमिक शामिल हैं। इनमें से गिरिडीह के दो, खूंटी के तीन, रांची के तीन एवं पश्चिमी सिंहभूम के एक श्रमिक की पुष्टि उनके परिजनों से बातचीत कर हुई है। झारखंड के प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, निमार्णाधीन सुरंग में फंसे झारखंड के सभी 15 श्रमिक सुरक्षित हैं।अधिकारियों एवं परिजनों ने श्रमिकों से पाइप के जरिए बात भी किया है और श्रमिकों ने अपने सुरक्षित होने की बात बताई है। प्रतिनिधियों ने गिरिडीह जिला के बिरनी प्रखंड गिरीडीह के विश्वजीत कुमार वर्मा एवं सुबोध कुमार वर्मा से बातचीत किया। सुरंग में फंसे श्रमिकों को पाइप के माध्यम से खाना और ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है।

BRIEF NEWS

सरना धर्म सोतोः समिति की बैठक आयोजित

KHUNTI : सरना धर्म सोतोः समिति के केंद्र डौगड़ा में केंद्र तथा शाखाओं के धर्मगुरु सह शाखा अध्यक्षों की मंगलवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री के उलिहातु आगमन पर चर्चा की गई। बैठक में खुशी जाहिर की गई कि देश के प्रधानमंत्री खूंटी आ रहे हैं। सभी आशान्वित हैं कि इस अवसर प्रकृति पूजक सरना धर्मावलंबियों की चिरपरिचित मांग सरना धर्म कोड की सौगात देकर जाएंगे। बैठक में धर्मगुरु बगरय मुंडा, धर्मगुरु सोमा कंडीर, धर्मगुरु भैयाराम ओड़ेया, जीतू पाहन, जीतनाथ पाहन, धीरजू मुंडा, सूरज मुंडा, मधु बारला, बिरसा तोपनो, गोपाल बारला, अविनाश हेंबरोम, मंगलसिंह मुंडा, टेपई कच्छप आदि लोग शामिल हुए।

बुढ़मू में 25 को होगा ऐतिहासिक बरौदी मेला का आयोजन

RANCHI : बुढ़मू प्रखंड के ऐतिहासिक बरौदी मेला में सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहेगी। मेला में विधि व्यवस्था की तैयारी को लेकर मंगलवार को मेला समिति तथा प्रशासन की संयुक्त बैठक थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मेला के दिन 25 नवंबर को ठाकुरगांव-पिठोरिया मुख्य मार्ग से वाहनों का परिचालन बंद रखने का निर्णय हुआ। साथ ही निर्णय लिया गया कि मेला क्षेत्र में शराब तथा जुआ खेल कराने वालों पर प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। मौके पर समिति के अध्यक्ष रामजतन पाहन, बिहारीलाल महतो, जैनुल अंसारी, पनेनाथ महतो, जहरुद्दीन अंसारी, सीटू मुंडा, छुन्नूलाल महतो समेत अन्य मौजूद थे।

छठ महापर्व में शर्क टैंक इंडिया फेम के प्रथमेश सिन्हा आएंगे पलामू

PALAMU : सोनी टीवी चैनल पर प्रसारित होने वाले लोकप्रिय शो शर्क टैंक इंडिया से प्रसिद्धि पाने वाले और करोड़ों लोगों को अपने मनमोहक अंदाज से दिलों पर राज करने वाले मोटिवेशनल स्पीकर प्रथमेश सिन्हा (12) इस बार छठ पूजा समिति शाहपुर द्वारा आयोजित छठ महापर्व में शामिल होने पलामू के मेदिनीनगर आ रहे हैं। इस बात की जानकारी छठ पूजा समिति शाहपुर के अध्यक्ष शशांक सुमन ने मंगलवार को दी। प्रथमेश सिन्हा दिव्यांग बच्चों की ब्रेल पद्धति से पढ़ाई के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बनाने वाली कंपनी थिंकर बेल लैब के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सोनी चैनल पर प्रसारित हुए कार्यक्रम सुपरस्टार सिंगर में अतिथि के रूप में इन्हें बुलाया गया था। उद्योग भवन नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्टार्टअप 2022 में अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

श्री श्री महाकालेश्वर छठ घाट समिति कर रही है घाट व रास्ता का निर्माण

JAMSHEDPUR : श्री श्री महाकालेश्वर छठ घाट समिति जुगसलाई द्वारा भव्य छठ घाट एवं श्रद्धालुओं के लिए घाट तक जाने का रास्ता का निर्माण किया जा रहा है। समिति के संरक्षक विजय सिंह ने बताया की इस कार्य के लिए समाजसेवी राजेश मेंगोटिया ने पोकलन उपलब्ध कराया है। वहीं जुगसलाई नगर परिषद का सहयोग भी मिल रहा है। दिन रात बीस मजदूर कार्य कर रहे है एवं समिति के सभी सदस्य जोर शोर से लगे हुए है। नगरपालिका द्वारा चलन्त शौचालय एवं पानी का टैंकर की व्यवस्था की जाएगी। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा चाय बिस्कुट की व्यवस्था एवं सामाजिक संस्था बासुकीनाथ कंवड़िया मण्डली और राजस्थान क्लोथ के सास्वत द्वारा वर्तियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की जायेगी।

सास की हत्या मामले में दामाद सहित तीन ने किया आत्मसमर्पण

समर्पण करने वालों में दामाद, चाचा ससुर और दूसरी पत्नी शामिल

PHOTON NEWS DUMKA : सास की हत्या मामले में दामाद सहित तीन लोगों ने मंगलवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में दामाद नईम अंसारी, चाचा ससुर करामत मियां और दूसरी पत्नी चुनकी खातून शामिल हैं। अदालत ने नईम अंसारी और चाचा ससुर करामत मियां को जेल भेज दिया। जबकि आधार कार्ड और प्राथमिकी में नाम में अंतर होने की वजह से महिला को पुलिस के सौंप दिया।

आत्मसमर्पण करने वाला दामाद और चाचा ससुर। ● फोटोन न्यूज

बताया जाता है कि जिले के शिकारीपाड़ा के शिवतल्ला गांव में पिछले मंगलवार को दूसरी शादी करने के बाद दामाद को ससुराल समझाने गई मोमिन बीबी की दामाद और सौतन के घरवालों ने पिटाई करने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्याकांड में दामाद नईम अंसारी,करामत मियां, जियाउल अंसारी, चुनकी खातून, सोनाभन बीबी,पुसिया अंसारी व रिजाउल अंसारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई थी। पुलिस अन्य फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है।

मृतका के बेटे नौशाद ने बताया कि उसकी बहन की शादी शिवतल्ला गांव के नईम अंसारी के साथ हुई थी। चार बच्चे होने के बाद भी जीजा ने गांव की एक दूसरी महिला चुनकी से निकाह कर लिया। निकाह करने के बाद बहन को अनाज के लिए तरसाने लगा। सात नवंबर को बहन ने मां को फोन कर बताया कि घर में अनाज नहीं है। मां जीजा को समझाने के लिए गई, जहां सभी ने मारपीट कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने भाई की हत्या के आरोपी को भेजा जेल

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका जिले के काठीकुंड थाना क्षेत्र अंतर्गत आमतला गांव में सोमवार रात ओमप्रकाश सिंह ने छोटे भाई राजन सिंह (25) की हत्या कर दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया जबकि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की रात ओमप्रकाश सिंह और राजन सिंह के बीच झगड़े के दौरान ओमप्रकाश ने छोटे भाई 25 वर्षीय राजन सिंह के सिर के पीछे कुल्हाड़ी से घातक वार किया, जिससे मौके पर ही राजन की मौत हो गयी। ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि छोटु मुर्म को घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने आरोपित को पकड़कर रखा और पुलिस के हवाले किया।

थाना प्रभारी नित्यानंद भोक्ता ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपित को मंगलवार को जेल भेजा दिया गया। इससे पहले 2019 में पिता की कुदाल से मारकर हत्या करने के आरोप में ओमप्रकाश जेल में रहा था।

नाबालिग की खुदकुशी मामले में डीजीपी से सीआईडी जांच कराने का किया अनुरोध

PHOTON NEWS BOKARO : जिले में पदस्थापित इंस्पेक्टर नूतन मोदी के घर काम करने वाली नाबालिग लड़की ने बीते दिनों फंदे पर लटक कर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने डीजीपी को पत्र लिखकर पूरे मामले की सीआईडी जांच कराने का अनुरोध किया है।

बैजनाथ कुमार ने डीजीपी को लिखे पत्र में कहा है कि कोडरमा जिले के सतगांवा थाना में बीते आठ अक्टूबर, 2020 को नाबालिग लड़की के भाई गौरव कुमार, सौरव कुमार और नूतन मोदी के पिता सुरेश प्रसाद मोदी के बीच इस बात का समझौता हुआ कि गौरव और सौरव की नाबालिग बहन स्वेच्छा से चाची नूतन मोदी के पास पढ़ाई करने के लिए रहेगी। इस समझौते के तहत ही दोनों भाई सहमत हुए कि इनकी सगी चाची नूतन मोदी के पास रहने के दौरान किसी भी प्रकार से नाबालिग को परेशान नहीं किया जाएगा।

इसके बाद नाबालिग लड़की चाची नूतन मोदी के पास रहने लगी लेकिन नाबालिग को पढ़ाने की बजाए उससे घर का काम कराया जाने लगा। इस बात का जिक्र पत्र में किया गया है। बीते दस नवंबर की सुबह 08.30 बजे यातायात थाना प्रभारी बोकारो नूतन मोदी ने नाबालिग के भाई को फोन पर सूचना दी कि उनकी बहन ने फांसी लगा ली है।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने किया जतरा मेला का उद्घाटन

PALAMU : राज्य के श्रम नियोजन एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता एक दिवसीय दौरे पर पलामू जिले के पांकी विधानसभा के मनातू प्रखंड पहुंचें। मनातू प्रखंड क्षेत्र में आयोजित प्रसिद्ध चेडी जतरा मेला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जतरा मेला के सदस्यों एवं कमेटी के द्वारा ढोल नगाड़ा एंव फुल माला पहनाकर अंगवस्त्र देकर मंत्री का स्वागत किया गया। श्रम मंत्री ने विधिवत रूप से जतरा मेला का उद्घाटन किया। कौशल विकास मंत्री ने चेडी. जतरा मेला आयोजक को उपहार मे 15000 का चेक दिया।

गुरुगाई में दीपावली के अवसर पर सोहराई जतरा का किया आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : बुढ़मू थाना क्षेत्र के खिजुरटोला गुरुगाई में मंगलवार को दीपावली के अवसर पर सोहराई जतरा का आयोजन किया गया। जतरा का उदघाटन अतिथि प्रमुख सत्यनारायण मुंडा,जिप सदस्य रामजीत गंझु, थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार,पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी ने किया। मौके पर प्रमुख ने कहा कि जतरा सभी सम्प्रदाय को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। मेला में समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसका दर्शकों ने देर रात्रि तक लुत्फ उठाया। मेला के सफल आयोजन में समिति के गणेश गोप, बलिंद्र गोप, गिरधारी गोप, सीताराम मुंडा, विकास लोहरा,संदीप गोप आदि की सराहनीय भूमिका रही।

मेला का उदघाटन करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

रेलवे लाइन निर्माण स्थल पर अपराधियों ने किया फायरिंग, कर्मियों में दहशत का माहौल

PHOTON NEWS LATEHAR : लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत बुकरू रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे की तीसरी लाइन निर्माण कार्य स्थल पर अज्ञात अपराधियों ने मंगलवार की शाम एक हाइवा वाहन को निशाना कर फायरिंग किया। फायरिंग किए जाने से निर्माण कार्य में लगे कर्मियों में दहशत का माहौल बन गया है।

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के द्वारा घटनास्थल से गोली का दो खोखा भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार टोरी-शिवपुर रेलवे लाइन के बुकरू ओवर ब्रिज के पास तीसरी लाइन

फायरिंग के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस। ● फोटोन न्यूज

निर्माण के लिए मिट्टी की कटाई की जा रही थी। मंगलवार की शाम निर्माण स्थल पर एक बाइक पर सवार होकर तीन अपराधी पहुंचे और मिट्टी लेकर जा रहे हाइवा को निशाना बनाकर फायरिंग आरंभ कर दिया। हालांकि इस घटना में जान माल की नुकसान नहीं हुई। लेकिन घटना के बाद कर्मियों में दहशत का माहौल बन गया। इधर घटना के बाद कर्मियों ने इसकी जानकारी अपने वरीय अधिकारियों को दी। इसके बाद साईडिंग इंचार्ज ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन आरंभ करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ कर दी।

इस संबंध में एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि तीन अपराधियों के द्वारा गोली चलाए जाने की सूचना मिली है। पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी लेने के बाद इलाके को सील करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी आरंभ कर दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना अपराधियों के द्वारा दहशत फैलाने के लिए की गई है। एसपी ने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही पुलिस गिरफ्तार कर लेगी।

पांकी विधानसभा क्षेत्र के 32 हजार घरों में पहुंचायी जाएगी छठ सामग्री : विधायक

PALAMU : प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पांकी विधानसभा क्षेत्र के 32 हजार घरों में छठ पूजा की सामग्री पहुंचाने की तैयारी की गई है। क्षेत्रीय विधायक डॉ शशि भूषण मेहता ने बुधवार को अपनी पत्नी और पुत्री के साथ नीलांबर पितांबरपुर के मौर्य फार्म हाउस में प्रसाद सामग्री वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक ने कहा कि इस वर्ष 32 हजारा घरों में छठ पूजा की सामग्री पहुंचाने की तैयारी की गई है। तीन दिनों के भीतर भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता-समर्थक सूची बनाकर पूजा सामग्री छठ व्रतियों तक पहुंच कर इसे ऐतिहासिक रूप देने का कार्य करेंगे।

बोकारो में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS BOKARO : जिले के हरला थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर 9ए क्वार्टर नंबर 477 में सोमवार रात युवा क्रिकेटर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान बेरमो अनुमंडल के महुआटांड़ निवासी अभय कुमार (उम्र 21 वर्ष, पिता-शशि भूषण नाग) के रूप में हुई है। अभय बोकारो में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट की प्रैक्टिस भी कर रहा था।

दिनभर मैच प्रैक्टिस करके आया था क्वार्टर : बताया जाता है कि अभय ने दिन में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इस दौरान उसने चास एसडीओ के साथ मैच की प्रैक्टिस भी की थी। इसके बाद वह अपने क्वार्टर गया। उसके क्वार्टर के बगल में रहने वाले एक सहपाठी ने जब उसे खाना बनाने के लिए आवाज दी तो उसे जवाब नहीं दिया। काफी देर तक जब अभय ने दरवाजा खोला। इसके बाद जब उसके दोस्त ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि अभय फांसी के फंदे से झूल रहा है।

पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा : अभय के सहपाठी ने अगल बगल के लोगों और हरला थाना को घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर हरला सर्किल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी प्रभाकर मुंडा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए चास अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। देर रात ही परिजन बोकारो पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने घटना के बारे में बताया कि कॉल डिटेल व अन्य गतिविधियों की जानकारी एकत्रित की जा रही है। ताकि घटना के बारे पता लगाया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए उलिहातू सज-धज कर तैयार

PHOTON NEWS KHUNTI : जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 15 नवंबर को खूंटी आगमन को लेकर खूंटी सज-धज कर तैयार है। खूंटी में हेलिपैड और कार्यक्रम स्थल बिरसा कॉलेज परिसर के तीन किलोमीटर की परिधि क्षेत्र को 15 नवंबर तक अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया है। रेड जॉन घोषित क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति सक्षम पदाधिकारी पूर्व अनुमति के बिना ड्रोन का प्रचलन नहीं कर सकता।

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उलिहातू आगमन को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। उलिहातू को सजाया-संवारा जा रहा है। बिरसा ओडा. में रंग-रोगन का कार्य पूरा हो चुका है। परिसर के अंदर कॉटेज का निर्माण किया गया है, जहां प्रधानमंत्री बिरसा मुंडा के परिजनों से मिलेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। परिसर को फूलों से सजाने के लिए बंगाल से कारीगर पहुंच चुके हैं।

उलिहातू के रास्ते में जगह-जगह तोरण द्वार और फ्लैक्स लगाया गया है। कंटड़ापीड़ी में बने तीन हेलिपैड के क्षेत्र की घेराबंदी की गई है। हेलिपैड से बिरसा ओड़ा तक तक करीब दो किलोमीटर क्षेत्र में सड़क के दोनों किनारे बांस बल्ली से घेरकर फ्लैक्स बैनर लगाये गये हैं। हेलिपैड निर्माण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस जगह को समतल कर गोबर से लीपा जा रहा है ताकि धूल न उड़े। हेलिपैड के चारों ओर वेपर लाइट लगाया गया है, जिसकी सुरक्षा एवं निगरानी सशस्त्र सीमा बल एवं पुलिस के जवान कर रहे हैं। एसपीजी की टीम ने उलिहातू पहुंच कर बिरसा ओड़ा, बिरसा कंपलेक्स, हेलिपैड क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली है।

पीएम से निक्की प्रधान को अर्जुन पुरस्कार देने का आग्रह

KHUNTI : खरवार भोगता समाज विकास संघ जिला समिति खूंटी के जिला संयोजक सुदर्शन भोक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और झारखंड की गौरव निक्की प्रधान को अर्जुन पुरस्कार देने का आग्रह किया है। जिला संयोजक ने बयान जारी कर कहा कि वीर बिरसा की पावन धरती खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव हेसल से निक्की प्रधान ने कठोर परिश्रम और लगन से हर मुसीबत को पार कर विश्व पटल पर अपनी जन्मस्थली के साथ राज्य और देश का नाम रोशन किया है। निक्की महिला हॉकी में झारखंड की एकमात्र खिलाड़ी है, जिन्हें अपनी प्रतिभा के चलते दो-दो बार ओलंपिक और एक बार वर्ल्ड कप, कॉमनवेल्थ गेम्स समेत 150 अन्तरराष्ट्रीय मैंच खेलने का गौरव प्राप्त हुआ है।

पंडित नेहरू की जयंती पर लोहरदगा जिला कांग्रेस की विचार गोष्ठी संपन्न

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिला कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई।

गोष्ठी में जिलाध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्र निर्माण में योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। पंडित नेहरू शुरू से ही महात्मा गांधी से प्रभावित रहे। नेहरू ने गांधी के साथ मिलकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। कार्यकारी

गोष्ठी में शामिल कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

जिलाध्यक्ष हाजी शकील अहमद ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत किया। राष्ट्र और संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को स्थायी भाव प्रदान किया। साथ ही योजनाओं के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी और देश की आजादी से लेकर आजाद भारत के समग्र विकास में योगदान दिया।

विधायक प्रतिनिधि सह जिला उपाध्यक्ष निशीथ जायसवाल ने कहा कि नेहरू आधुनिक भारत के निमार्ता थे। उन्होंने रांची में एचईसी की बुनियाद रखी और एचईसी को आधुनिक भारत का मंदिर कहा। साथ ही देश में विकास योजनाओं को प्रोत्साहित किया और कृषि, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों में नई परियोजनाओं की शुरूआत की।

इस मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नवजात शिशुओं और उनकी माताओं के बीच बेबी केयर किट का किया गया वितरण

MMCH में जल्द शुरू होगा मदर केयर चाइल्ड हॉस्पिटलः उपायुक्त

PHOTON NEWS PALAMU : उपायुक्त शशि रंजन ने बाल दिवस पर मंगलवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को बेबी केयर किट दिए। साथ ही सुरक्षित बचपन खुशहाल जीवन अभियान अंतर्गत बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए रोल मॉडल के रूप में आरती, रानी एवं नंदनी को प्रोत्साहन राशि के रूप में 5-5 हजार का चेक दिया। उपायुक्त ने समाहरणालय के ब्लॉक सी में स्तनपान कक्ष सह चेंजिंग रूम का उद्घाटन भी किया।

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से 40

बेबी केयर कीट का वितरण करते उपायुक्त शशि रंजन। ● फोटोन न्यूज

नवजात बच्चों के लिए उनकी माताओं को बेबी केयर किट का वितरण किया गया। किट में नवजात की जरूरत के सभी सामान उपलब्ध थे। उपायुक्त ने कहा कि बेबी केयर किट से नवजात का सही देखभाल हो सकेगा। माताएं नवजात को स्वस्थ एवं स्वच्छ रख सकेंगी। उन्होंने बताया कि एमआरएमसीएच में मदर केयर चाइल्ड हॉस्पिटल की शुरूआत अगले 15 से 20 दिनों के अंदर हो जाएगी। इस अस्पताल के शुरू होने से गायनी के साथ साथ अन्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। यह पलामू के लिए काफी सुविधाजनक होगा।

इधर, उप विकास आयुक्त रवि प्रकाश ने स्तनपान कक्ष सह चेंजिंग रूम का निरीक्षण कर अवलोकन किया। उन्होंने यहां ठंड के मौसम के मद्देनजर गर्म पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखने एवं इसका नियमित संचालन का निदेश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने बताया कि स्तनपान कक्ष-सह-चेंजिंग रूम में समाहरणालय भवन अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में कामकाजी महिला पदाधिकारी, महिला कर्मचारी तथा समाहरणालय भवन में किसी कार्य के संबंध में आने वाली सभी धात्री महिलाएं इससे लाभान्वित होंगी। सुविधाजनक स्थान मिलने से महिलाएं अपने बच्चों को सुरक्षित माहौल में स्तनपान करवा सकेंगी। साथ ही बच्चों की देखरेख भी बेहतर तरीके से कर सकेंगी।

उल्लेखनीय है कि जिले में ह्यसुरक्षित बचपन, खुशहाल जीवनह्ल अभियान 31 अक्टूबर से 14 नवंबर तक चलाया गया। इसमें प्रखंड स्तर पर नुक्कड़ नाटक, प्रशिक्षण एवं शपथ समारोह आदि कार्यक्रम किये गए। कार्यक्रम में झारखंड राज्य बाल संरक्षण समिति, यूनिसेफ एवं जेएसएलपीएस की भागीदारी रही।

कार्यक्रम में डॉ. आरके रंजन, डीपीएम स्वास्थ्य दीपक कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश कुमार, संरक्षण पदाधिकारी केडी पासवान, यूनिसेफ के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तवरेज आलम, जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रणव कुमार वरेण्यम, सदस्य धिरेंद्र किशोर एवं सुधा देवी आदि उपस्थित थे।

बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दें अभिभावकः सकलदीप भगत

PHOTON NEWS KHUNTI : मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिग सेंटर में रविवार को बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के शिक्षक सह निदेशक सकलदीप भगत ने पं जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और केक काटकर किया। मौके पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में तान्या और अनीशा ने पंडित नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला तथा दीपावली में बेहतर रंगोली बनाने वाले बाल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

निदेशक सकलदीप भगत ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों से बहुत स्नेह और लगाव था। इसीलिए उन्हें

प्यार से बच्चे चाचा नेहरू कहा करते थे। भगत ने कि बच्चे देश के भविष्य हैं। वे देश के बेहतर भविष्य निर्माण में अहम भूमिका अदा करते हैं। सकलदीप ने अभिभावकों से अनुरोध किया कि इस मोबाइल के युग में वे अपने बच्चों के लिए समय निकालें उनकी पढ़ाई के साथ-साथ खेल पर भी विशेष ध्यान दें, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो और बच्चे मानसिक एवं शारीरिक रूप से सुदृढ़ हो सकेंगे।

BRIEF NEWS

पीएम के कार्यक्रम के दौरान आत्मदाह की धमकी देने वाले चार गिरफ्तार

RANCHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार झारखंड पहुंचे। उनके दौरे पर आदिवासी सेंगेल अभियान के चार कार्यकताओं ने धमकी दी थी कि यदि प्रधानमंत्री झारखंड यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए सरना कोड को मान्यता देने की घोषणा नहीं करते हैं, तो वे भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में आत्मदाह कर लेंगे। इन सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार लोगों मोहन मार्डी, पृथ्वी मुर्मू, विक्रम हेंब्रम और कान्हूराम टुडू हैं। कान्हू राम टुडू पश्चिम सिंहभूम जिले के सोनुवा प्रखंड के निवासी है। विक्रम हेंब्रम और पृथ्वी मुर्मू पूर्वी सिंहभूम के बागबेड़ा जाटा झोपड़ी के तथा चंद्रमोहन मार्डी बोकारो के पेटरवार के निवासी हैं।

जिला जज रैंक के 12 न्यायिक पदाधिकारियों का तबादला

RANCHI : झारखंड में मंगलवार को जिला जज रैंक के 12 न्यायिक पदाधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है। साथ ही 28 जूनियर डिवीजन के न्यायिक पदाधिकारियों को सीनियर डिवीजन रैंक में प्रमोशन दिया गया है। इसकी नोटिफिकेशन जारी कर दी गयी है। ट्रांसफर-पोस्टिंग की नोटिफिकेशन जारी होने के बाद सभी को अविलंब नये पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

डेढ़ साल बाद आईईडी ब्लास्ट में घायल हुई महिला को मिला मुआवजा

RANCHI : आईईडी ब्लास्ट में घायल हुई महिला को डेढ़ साल बाद पांच लाख का मुआवजा मिला। इसको लेकर गृह सचिव ने लातेहार डीसी को आदेश जारी किया था। जारी आदेश में कहा था कि लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित नरेशगढ़ गांव की ललिता देवी (जो आईईडी ब्लास्ट में घायल हुई थी) को पांच लाख का मुआवजा दिया जाये। इसको लेकर राशि आवंटित कर दी गयी है। बता दें कि 12 अप्रैल 2022 को लातेहार-लोहरदगा सीमा क्षेत्र स्थित बुलबुल के पास के जंगल में यह घटना घटी थी।

झारखंड में खेलों के आयोजन पर खेल और शिक्षा विभाग आमने-सामने

RANCHI : एसजीएफआई प्रतियोगिता, सुब्रतो कप फुटबॉल, नेहरू कप हॉकी और खेलो झारखंड के आयोजन को लेकर झारखंड खेल विभाग और शिक्षा विभाग एक बार फिर आमने सामने हैं। इन खेलों के आयोजन को लेकर खेल सचिव मनोज कुमार ने शिक्षा सचिव के रवि कुमार को पत्र लिख कर मुख्यमंत्री के आदेशों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने अनुमोदन कर झारखंड कार्यपालिका नियमावली के तहत खेल के प्रोत्साहन का जिम्मेदार खेल विभाग को बताया है। बता दें दोनों विभागों में पिछले कुछ दिनों से चल रहे खींचतान को लेकर खेल सचिव ने मुख्य सचिव के जरिए मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन मांगा था।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पुलिस छावनी में तबदील हुई रांची, पीएम की सुरक्षा में 25 IPS सहित 5000 जवान तैनात

सिटी कंट्रोल रूम से हर व्यक्ति पर रहेगी नजर, रांची एसएसपी खुद कर रहे मॉनिटरिंग

CRIME REPORTER RANCHI : रांची में प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर पूरे शहर को छावनी में तबदील कर दिया गया है। एयरपोर्ट से लेकर राजभवन के बीच जितने चौक चौराहें हैं सभी पर फोर्स की तैनाती कर दी गई है। डीएसपी और थानेदारों को आदेश दिया गया है कि प्रधानमंत्री के वापसी तक वह अपने अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहेंगे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा की पूरी मॉनिटरिंग एसएसपी चंदन सिन्हा कर रहे हैं। एसएसपी ने जिला के सभी डीएसपी और थानेदारों के साथ बैठक कर उन्हें अलग अलग जिम्मेदारी दी है। रांची और खूंटी में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में 25 आपीएस अधिकारी और पांच हजार पुलिसर्मियों को तैनात किया गया है। सभी पुलिसकर्मी अपने अपने पोस्ट पर तैनात हो गए हैं। जिला में प्रवेश करने वाले रास्तों पर पुलिस की विशेष नजर है। इसके अलावा रांची में होटल और लाज में रुकने वाले लोगों का सत्यापन किया जा रहा है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने आदेश दिया है कि हर व्यक्ति का सत्यापन होना चाहिए। होटल और लाज संचालक बिना आईडी लिए किसी को ठहराते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। पुलिस का कहना है कि सिटी कंट्रोल रूम में तैनात पुलिसकर्मियों को आदेश दिया गया है कि हर इलाके में सीसीटीवी से नजर रखें। लोगों की गतिविधियों पर निगरानी करने के साथ साथ किसी इलाके में कोई सूचना मिलती है तो वहां तुरंत पुलिस भेजे। इसके अलावा पीसीआर और टाइगर मोबाइल में तैनात जवानों को आदेश दिया गया है कि वह अपने अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहेंगे। ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही बरतने पर दोषी पुलिसकर्मियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि 15 नवम्बर की सुबह प्रधानमंत्री बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और फिर यहां से एयरपोर्ट के लिए निकल जाएंगे। एयरपोर्ट से अपने विशेष हेलीकॉप्टर से प्रधानमंत्री खूंटी के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते डीजीपी अजय कुमार सिंह, रांची जोन के डीआईजी, रांची एसएसपी व अन्य।

ये रास्ते रहेंगे प्रभावित

प्रधानमंत्री के आने के दौरान बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, हिनू चौक, बिरसा चौक, सेटेलाईट चौक, अरगोड़ा चौक, न्यू मार्केट चौक होते हुए राजभवन तक सामान्य यातायात पर आठ बजे से लेकर साढ़े दस बजे तक तक पाबंदी लगायी गई है। कारकेड गुजरने के दौरान राजभवन से रणधीर वर्मा चौक, एसएसपी आवास चौक, कचहरी चौक से जेल मोड़ तक पुनः जेल मोड़ से एसएसपी आवास चौक, हाटलिप्स चौक, न्यू मार्केट चौक, हरमू चौक, अरगोड़ा चौक, बिरसा चौक, हिनू चौक होकर बिरसा मुंडा हवाई अड्डा तक सामान्य यातायात को बंद दिया जाएगा। कारकेड गुजरने के बाद यातायात सामन्य कर दिया जाएगा। जेल संग्रहालय में कार्यक्रम को देखते हुए लालपुर चौक से जेल चौक , कचहरी चौक और जाकिर हुसैन पार्क से कचहरी चौक , जेल चौक की ओर आने वाले वाहन शहीद चौक, फिरायालाल चौक होकर गंतव्य तक जाएंगे। कारकेड गुजरने के बाद इस रास्ते को सामन्य कर दिया जाएगा। कांके रोड से हरमू रोड होकर बिरसा चौक जाने वाले वाहन कांके रिंग रोड होकर नया सराय के रास्ते से जाएंगे। पिस्का मोड़ से रातु रोड की ओर आने वाले वाहन रिंग रोड, कांके रोड, राम मंदिर, मोरहाबादी, बरियातु रोड की ओर से जाएंगे। कारकेड के दौरान धुर्वा के तरफ से बिरसा चौक होकर हिनू की ओर जाने वाले वाहन धुर्वा से सिंह मोड़, सदाबहार चौक, डोरंडा होकर जाएंगे।

हवाई यात्रियों के लिए ये रास्ता

हवाई यात्रियों को बिरसा मुण्डा हवाई अड्डा पहुंचने व हवाई अड्डा से अपने गंतव्य तक जाने के लिए चार वैकल्पिक मार्गों को चिन्हित किया गया है। हेथू तुम्बागुटू करमटोली कुम्हार कुटिया चौक (तुफानी इंक्लेव) मार्ग भाया रिंग रोड खरसीदाग व दूसरी ओर सदाबहार चौक, नामकुम। हेथू तुम्बागुटू ,बड़काटोली, चन्दाघासी भाया भुसूर (प्राथमिक विद्यालय, भुसूर) मार्ग भाया रिंग रोड। आर्मी एविएशन कैम्प-एयरपोर्ट मैदान पोखरटोली नीम चौक- ख्वाजानगर मनिटोला भाया डोरंडा। सिंह मोड़ - लटमा रोड होते हुए हेथू से एयरपोर्ट तक। इस दौरान बिरसा मुंडा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से हरमू बाईपास होते हुए अरगोड़ा चौक, न्यू मार्केट चौक से हॉटलिप्स चौक होते हुए राजभवन तक तथा राजभवन से एसएसपी आवास चौक, कचहरी चौक होते हुए जेल मोड अवस्थित कार्यक्रम स्थल तक सड़क के दोनों ओर अवैध पार्किंग वर्जित होगा, पार्किंग होने की स्थिति में यातायात पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जाएगी। एयरपोर्ट से लेकर राजभवन और जेल संग्राहालय के समीप जितने भी बड़े भवन हैं उसपर फोर्स की तैनाती कर दी गई है। जवानों से कहा गया है कि भवन के छत से वह निगरानी करेंगे। इसके अलावा कारकेड जब गुजरेगा तब पीछे से आने वाले वाहनों पर विषेष नजर रखेंगे।

बिरसा मुंडा ने जहां ली अंतिम सांस, पीएम वहां गुजारेंगे 15 मिनट, धरती आबा को करेंगे नमन

PHOTON NEWS RANCHI : देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा संग्राहालय में सबसे पहले धरती आबा को नमन करेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भगवान बिरसा मुंडा कक्ष, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली, उसे सजाया-संवारा जा रहा है। इसके साथ ही पूरे संग्राहालय परिसर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। परिसर की एक-एक चीज, प्रतिमा, गार्डेन को फिर से सजाया-संवारा जा रहा है। करीब 2 हजार से अधिक कारीगर और मजदूर युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी जब संग्राहालय पहुंचेंगे तो वहां पर किसी का भी प्रवेश बाधित रहेगा। केवल प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री के सुरक्षा में तैनात अफसर ही रहेंगे। यहां तक कि मीडिया को भी इंट्री नहीं दी गयी है।

पूरे परिसर का भ्रमण करेंगे प्रधानमंत्री

बिरसा मुंडा संग्रहालय में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने ऑफ द रिकॉर्ड बताया कि यहां पर 15 नवंबर को किसी की भी इंट्री नहीं है। प्रधानमंत्री सबसे पहले बिरसा मुंडा कक्ष जाएंगे और नमन करेंगे। जहां पर बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी। इसके बाद वे वहां से उतरकर पूरे परिसर का भ्रमण करेंगे। एक-एक शहीदों की प्रतिमा का अवलोकन करेंगे। साथ ही पूरे परिसर को निहारेंगे। बिरसा मुंडा कक्ष में पीएम करीब 5 मिनट तक रूकेंगे और जानकारी लेंगे। बता दें कि बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में झारखंड के वीर शहीदों की जीवनी का चित्रण किया गया है और उनकी प्रतिमा भी लगाई गई है। मंगलवार देर शाम एसपीजी ने पूरे परिसर को अपने कब्जे में ले लिया है। यहां पर स्थानीय पुलिस और प्रशासन की भी इंट्री नहीं रहेगी। केवल प्रधानमंत्री को एक-एक चीज बताने के लिए एक जानकार व्यक्ति को लगाया जाएगा। ताकि वे एक-एक चीज को जान सकें। पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। खुद रांची एसएसपी और सिटी एसपी मोर्चा संभाले हुए हैं। पल-पल की जानकारी खुद ले रहे हैं।

रिम्स में मेडिकल इमरजेंसी को लेकर आइसीयू तैयार

मेटल डिटेक्टर लेकर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, की गहन जांच

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रांची-खूंटी दौरे को लेकर रिम्स एलर्ट मोड पर है। रिम्स ट्रामा सेंटर के तीसरे तल्ले के आइसीयू बी में मेडिकल इमरजेंसी को लेकर बेड तैयार किया गया है। मंगलवार को मेडिकल इमरजेंसी को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से आइसीयू की गहन जांच की गयी और दवाओं से लेकर हर इमरजेंसी उपकरण को दुरुस्त किया गया। मेटल डिटेक्टर से लैस प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने बेड व पूरे कमरे की गहनता से जांच की। साथ ही ब्लड बैंक को ए-पॉजिटिव ब्लड की उपलब्धता तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रांची व खूंटी दौरे को लेकर सिविल सर्जन की ओर से स्वास्थ्य टीम गठित की गई, जिसमें से एक टीम खूंटी और एक टीम को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लगाया गया है।

दो दिन तक डॉक्टरों की नियुक्ति

ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों की विशेष रूप से प्रतिनियुक्ति की गयी है। इनमें मंगलवार को डॉ. सुदीप्तो को फर्स्ट आनकाल, जबकि सेकंड आनकाल में क्रिटिकल केयर विभाग के एचओडी डॉ. प्रदीप कुमार भट्टाचार्य की तैनाती की गयी। वहीं 15 नवंबर को फर्स्ट आनकाल में डॉ. टुडू व सेकेंड आनकाल में डॉ. भट्टाचार्य रहेंगे। जबकि डीएम और सीनियर रेसिडेंट में मंगलवार को डॉ. डुमिनी सोरेन और डॉ. अमित कुमार दिन में ड्यूटी पर रहेंगे। वहीं रात की ड्यूटी में डॉ. जगमोहन कुमार रहेंगे। जबकि 15 नवंबर को दिन में डॉ. डुमिनी सोरेन और डॉ. कुणाल राज और रात में डॉ. अमित कुमार रहेंगे। इसी के साथ तीन शिफ्टों में 10 नर्स को तैनात किये गये हैं। दो टेक्नीशियन भी दिन-रात मौजूद रहेंगे। दूसरी ओर प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए रिम्स परिसर की विशेष रूप से सफाई की गयी। अस्पताल परिसर में लगने वाले ठेले-खोमचे को फिर हटाया गया है।

राज्य में दिखने लगा कोहरे और धुंध का असर, गिरेगा तापमान, बढ़ेगी ठंड

रांची समेत आसपास के जिलों में सुबह और देर रात दिखने लगा असर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची समेत आसपास के जिलों में अब सुबह और देर रात कोहरे का असर दिखने लगा है। मंगलवार को राजधानी रांची समेत कई जगहों में सुबह के समय कोहरा दिखा। दिवाली के बाद ठंड जोर पकड़ने लगी है। मौसम पूवार्नुमान में आने वाले 5 दिनों आसमान साफ रहने और वर्षा की कोई संभावना नहीं होने की बात कही गई है। हालांकि तापमान में गिरावट होने के संकेत दिए गए हैं। 17 नवंबर से नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की शुरूआत हो रही है। इस दौरान ठंड बढ़ सकती है इसलिए आमजनों से अपील की गई है कि छठ घाट पर जाने से पहले ठंड से बचाव के उपाय कर लें। 17 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री, वहीं 18 नवंबर को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री, 19 नवंबर को तापमान 16 डिग्री, तो 20 नवंबर को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री तक हो सकता है। बीते कल नामकुम में सबसे कम तापमान 13.4 डिग्री दर्ज किया गया था।

ऐसा रहेगा राज्य का मौसम

- 15 नवंबर : सुबह में कोहरे या धुंध और बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं
- 16 नवंबर : आंशिक बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क रहेगा
- 17 नवंबर : राज्य के पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में कहीं कहीं हल्की वर्षा की संभावना
- 18 नवंबर : सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क बना रहेगा।

ऐसा रहेगा रांची का मौसम

- 15 नवंबर : सुबह में कोहरे या धुंध और बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस
- 16 नवंबर : आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और मौसम शुष्क रहेगा, अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस
- 17 नवंबर : सामान्यतः बादल छाए रह सकते हैं और मौसम शुष्क रहेगा, अधिकतम 26 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस
- 18 नवंबर : सामान्यतः बादल छाए रह सकते हैं और मौसम शुष्क रहेगा, अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस।

कांग्रेस भवन में पंडित जवाहर लाल नेहरू की मनाई गई जयंती

RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती मनायी गयी। रांची के कांग्रेस भवन स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस नेताओं ने जवाहर लाल नेहरू की जयंती मनायी। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किया। वक्ताओं कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू न सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री थे बल्कि वे आधुनिक भारत के निमार्ता थे। उनके पदचिन्हों पर चलकर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पूरे विश्व में भारत को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज हम उनके इस योगदान को कभी भुला नहीं सकते। पंडित जवाहर लाल नहेरू के जयंती समारोह में वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पूरे विश्व में भारत को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज हम उनके इस योगदान को कभी भुला नहीं सकते।

इंस्पेक्टर नूतन मोदी के घर में काम करने वाली नाबालिग ने लगाई फांसी

चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन ने डीजीपी से सीआईडी जांच की मांग की

CRIME REPORTER RANCHI : बोकारो जिले में पदस्थापित इंस्पेक्टर नूतन मोदी के घर काम करने वाली नाबालिग लड़की ने फांसी लगा ली। नूतन मोदी ने पुलिस प्रशासन को बिना किसी भी प्रकार की सूचना दिये नाबालिग को मेदांता अस्पताल, ईरबा रांची में भर्ती कराया। इसे लेकर चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के सचिव बैजनाथ कुमार ने डीजीपी को पत्र लिखकर पूरे मामले की सीआईडी जांच कराने का अनुरोध किया है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, बैजनाथ कुमार ने डीजीपी को शिकायत पत्र लिखा है। जिसमें कहा है कि कोडरमा जिले के सतगांवा थाना में बीते आठ अक्टूबर 2020 को नाबालिग लड़की के भाई गौरव कुमार, सौरव कुमार और नूतन मोदी के पिता सुरेश प्रसाद मोदी के बीच इस बात का समाझौता हुआ कि गौरव और सौरव की नाबालिग बहन स्वेच्छा से अपनी चाची नूतन मोदी के पास पढ़ाई करने के लिए रहेगी। इस समझौते के तहत ही दोनों भाई सहमत हुए कि इनकी सगी चाची नूतन मोदी के पास रहने के दौरान किसी भी प्रकार से नाबालिग को परेशान नहीं किया जाएगा। इसके बाद नाबालिग लड़की चाची नूतन मोदी के पास रहने लगी। मगर नाबालिग को पढ़ाने की बजाए उससे घर का काम कराया जाने लगा। इस बात का जिक्र पत्र में किया गया है। जिससे बीते दस नवंबर 2023 की सुबह के करीब 08.30 बजे यातायात थाना प्रभारी बोकारो नूतन मोदी ने नाबालिग के भाई को फोन पर सूचना दी कि उनकी बहन ने फांसी लगा ली है। इस संबंध में लड़की के भाई ने थाना प्रभारी सतगांवा, कोडरमा को लिखित में सूचित भी दी है। बता दें कि नूतन मोदी यातायात थाना प्रभारी, बोकारो द्वारा पुलिस प्रशासन को बिना किसी प्रकार की सूचना दिये मेदांता अस्पताल, ईरबा में भर्ती करवाया। पत्र में लिखा गया है कि नाबालिग द्वारा फांसी लगाए जाने के बाद इलाज करवाया गया, लेकिन इस संबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना पुलिस को दी गई तो इसकी जानकारी मुझे (भाई को) नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम में नूतन मोदी, यातायात थाना प्रभारी, बोकारो, की कार्यशैली गलत और संदेहात्मक प्रतीत होती है, साथ ही सीडब्लूएसी कोडरमा और बोकारो से अनुमति लिए बगैर ही किसी भी नाबालिग बच्ची से बाल मजदूरी करवाना जेजे एक्ट के तहत गैर कानूनी और अपराध है।

झारखंड स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा लेने मोरहाबादी पहुंचे सीएम, अफसरों को दिए निर्देश

समारोह में शामिल होने वालों को परेशानी न हो : हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : आज झारखंड का स्थापना दिवस है। इस मौके पर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। सीएम हेमंत सोरेन मंगलवार को स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा लेने मोराहाबादी मैदान पहुंचे। निरीक्षण के बाद उन्होंने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समारोह में आने वाले लोगों और लाभुकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखें। उन्होंने यहां पंडाल, मंच और स्टॉल्स के चल रहे निर्माण कार्य को देखा और अधिकारियों को कई निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस समारोह में शामिल होने वाले लोगों और लाभुकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मोरहाबादी मैदान में झारखंड स्थापना दिवस समारोह को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी अधिकारियों से ली। मुख्यमंत्री के निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव मनीष रंजन, सचिव अमिताभ कौशल, सचिव राजेश शर्मा, सचिव मनोज कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बक्शी और रांची के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

मोरहाबादी मैदान में तैयारियों का जायजा लेते सीएम हेमंत सोरेन।

हेमंत सरकार की योजनाओं की होर्डिंग्स से पटी रांची की पुरानी जेल रोड

RANCHI : राजधानी के पुराना जेल रोड को हेमंत सरकार ने योजनाओं की होर्डिंग से पाट दिया है। विगत चार सालों में हेमंत सरकार ने जितनी भी योजनाएं शुरू की हैं, उन सभी के बड़े-बड़े होर्डिंग सड़क के दोनों ओर लगाया गया हैं। जेल चौक से लेकर पुराना टेकर स्टैंड तक करीब 200 से अधिक होर्डिंग्स लगाए गए हैं। कुछ होर्डिंग्स को प्रधानमंत्री के स्वागत के रूप में लगाया गया है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के फोटो हैं लेकिन अधिकांश होर्डिंग्स सरकार की योजनाओं से जुड़ी है। इनमें फुलो-झानो योजना, यूनिवर्सल पेंशन स्कीम, किसानों की लोन माफी योजना, अबुआ आवास योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, झारखंड एकलव्य प्रशिक्षण योजना, मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना, मुख्यमंत्री सारथी योजना, मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना, ऑनलाइन म्यूटेशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, राज्य कर्मचारियों को 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता, पेट्रोल सब्सिडी योजना, 100 यूनिट फ्री बिजली योजना, 400 यूनिट तक सब्सिडी योजना, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृति योजना, सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, आपकी योजना, सकार आपके द्वार अभियान सहित विगत चार वर्षों में सरकार द्वारा चलायी गयी सभी योजनाओं की बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए गए हैं।

67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता का शिड्यूल हुआ जारी

RANCHI : खेलो झारखंड 2023-24 के अंतर्गत 29 खेलों से संबंधित प्रतियोगिता और इसके लिए चयन ट्रायल संपन्न हो गया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद सभागार में मंगलवार को इससे संबंधित जानकारी देते प्रोग्राम अफसर धीरेन ए सोरेंग ने बताया कि खेलो झारखंड के अंतर्गत स्कूल एवं प्रखण्ड स्तर पर 35 हजार स्कूलों के 40 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिलास्तर के बाद राज्यस्तर पर आयोजित खेलों में भी 15 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। 29 खेलों में 2000 से अधिक खिलाड़ियों का चयन 67 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल 2023-24 के लिए राज्य टीम में किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान झारखंड ओलंपिक संघ के शिवेंद्र दुबे भी उपस्थित थे। श्री सोरेंग के मुताबिक जिन 29 खेलों में राज्य के खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्कूली खेल के लिए हुआ है, उनके लिए 25 दिनों का स्पेशल कोचिंग कैंप लगाया जाएगा।

मुस्लिम आज भी अपने अधिकारों से वंचित : मुस्लिम मजलिस उलेमा

प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से बातचीत करते मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य अलग करने के लिए झारखंड के रहने वाले सभी धर्म और वर्गों ने संयुक्त रूप से आंदोलन छेड़ा था और कई वर्षों तक खून, पसीना से यह लोग लतपत रहे और कितने शहीद हो गए, कितनों ने अलग स्टेट बनाने के लिए अपना कुबार्नी पेश किया और संयुक्त रूप से सभी समाज के लोगों ने कुबार्नी दिया तब जाकर झारखंड 15 नवंबर 2000 को अलग स्टेट बना। इसके लिए हम स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई को जो अब इस दुनिया में नहीं रहे मुबारकबाद के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। लेकिन जिस मकसद से अलग स्टेट बनाया गया झारखंड राज्य के सभी वर्गों का ख्वाब पूरा होते हुए दिखाई दे रहा, लेकिन सिर्फ मुस्लिम समाज एक ऐसा अछूत बनकर रह गया है। उक्त बातें मुस्लिम मजलिस उलेमा झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कही। वह मंगलवार को अपने आवासीय कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

BRIEF NEWS

बीजू जनता दल के प्रशिक्षण शिविर को लेकर हुई बैठक

ROURKELA : राउरकेला सांगठनिक जिले के विरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के बीजू जनता दल का प्रशिक्षण शिविर 18-19 को आयोजित होगा। इसके लिए प्रशिक्षण शिविर की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई। जिला बीजेडी अध्यक्ष हालू मुंडारी के अध्यक्षता श्रम मंत्री एवं राउरकेला विधायक सारदा नायक के उपस्थिति में इस बैठक की आयोजन किया गया। विरमित्रपुर नगर पालिका के टाउन हॉल में एक प्रशिक्षण शिविर में बीजू युवा, छात्र, महिला विंग के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

रश्मिरंजन पाढ़ी बने राउरकेला जिला कांग्रेस के अध्यक्ष

ROURKELA : रश्मिरंजन पाढ़ी को राउरकेला जिला कांग्रेस कमेटी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शिवानंद राय ने बताया कि पूर्व डीसीसी अध्यक्ष देबब्रत बिहारी के स्वास्थ्य समस्या के कारण अपने पद से इस्तीफा देने के बाद पीसीसी अध्यक्ष शरत पटनायक ने रश्मिरंजन पाढ़ी को अध्यक्ष नियुक्त किया।

गोलगप्पा खाने से छह बच्चियां बीमार, अस्पताल में भर्ती

BANAI : बणई के किंद्रीकेला गांव की 6 लड़कियों को इलाज के लिए बणई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार शाम बच्चियां ठेले पर गुपचुप खाने के बाद बीमार पड़ गईं। सभी को उल्टी और चक्कर आने लगे। दवादुकान से दवा लेने के खाने बाद भी उल्टियां बंद नहीं हुई तो आज सभी 6 बच्चियों को बणई अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इनकी हालत स्थिर है।

पेट्रोल पंप पर चलती कार में लगी आग, ड्राइवर और सवार सुरक्षित

ROURKELA : राउरकेला के देवगा स्थित फेटकल पेट्रोल पंप परिसर में मंगलवार शाम उस समय भय का माहौल हो गया, जब एक चलती कार में आग लग गयी। केयर चालक और एक अन्य यात्री वाहन से कूदकर बाल-बाल बच गये। पेट्रोल पंप अधिकारियों ने सुरक्षा के सभी इंतजाम किये। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 143 के पास होने के कारण पेट्रोल पंप पर काफी भीड़ थी। इससे हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। जिस गाड़ी में आग लगी वह इंडिगो कार निकली। आग लगने का कारण पता नहीं चला है।

फुलझड़ी जला रहे नाबालिग की जली आंख

NOAMUNDI : दीपावली के दूसरे दिन छोटी दीपावली में सोमवार देर शाम को एक 15 वर्षीय नाबालिग की फुलझड़ी जलाने के दौरान आंखें जल गईं। उसे तुरंत लोगों ने गुवा सेल अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसकी जांच कर तथा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए राउलकेला अस्पताल भेज दिया।

बुदाबहाल गांव के किसान कर रहे पटल की उन्नत खेती

सालाना 60 लाख रुपये कमा रहे ग्रामीण

PHOTON NEWS ROURKELA : सुंदरगढ़ जिले के बुदाबहाल गांव के 102 परिवार पटल की खेती कर रहे है। 60 एकड़ जमीन पर पटल की खेती कर परिवार आत्मनिर्भर बन गया है। 60 एक-ड़ जमीन पर पटल की खेती कर प्रति वर्ष 60 लाख रुपये तक कमा रहे हैं। न सिर्फ सुंदरगढ़ जिले में बल्कि पूरे राज्य में इस पटल की अच्छी मांग है। अब इस बुदाबहाल गांव की पहचान पटल खेती वाले गांव के रूप में हो गई है। 4 साल पहले ग्रामीणों ने मिलकर पटल फार्मिंग शुरू की। छोटी जमीन पर खेती कर अच्छा मुनाफा कमाने के बाद अब वह 60 एकड़ जमीन पर खेती कर प्रति वर्ष 60 लाख रुपये कमा रहे हैं।

खेत से पटल तोड़ती महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

राज्य सरकार की बांखंड विकास परियोजना के माध्यम से इन किसानों को पटल उगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बाद में 14 स्वयं सहायता समूहों को खेती के लिए ऋण दिया गया है। उद्यानिकी विभाग के सहयोग से सिंचाई परियोजना का निर्माण कर किसानों को कृषि प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब, 102 परिवार एकसाथ मिलकर सफल पटल किसान बन गए है।

महिला समिति ने मनाया बाल दिवस

PHOTON NEWS ROURKELA : बाल दिवस के अवसर पर उत्कल स्नेही महिला समिति की ओर से त्रिवेणी एकेडमी, सेक्टर 19 मंगलवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहां पढ़ने वाले छोटे बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता आयोजित की गई और सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। अंत में विजेताओं को उपहार दिया गया।

बाल दिवस मनातीं समिति की सदस्य व बच्चे। ● फोटोन न्यूज

अतिथि के तौर डॉ. गोकुलानंद साहू ने प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किये। कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनोरमा साहू की सीधी देखरेख में आयोजित हुआ। विद्यालय की ओर से सुनीता पुहान, विजयलक्ष्मी सिंह, सोनाली मिश्रा, सुकांति त्रिपाठी ने योगदान दिया।

महिला संघ की सविता साहू, इंदिरा मोहंती, सावित्री दास, प्रीति साहू, ज्योत महापात्रा, स्निग्धा सामंतराय, नंदिता पत्र, रश्मिता साहू, गीतांजलि मिश्रा, सुजाता रानी महापात्रा उपस्थित रहीं।

नीले रंग का वस्त्र पहनकर करें डायबिटीज से लड़ने का संकल्प

PHOTON NEWS ROURKELA : स्वीट लाइफ डाइबिटीज केयर एंड रिसर्च सेंटर के संस्थापक प्रख्यात मधुमेह विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. ए नायक ने नीले रंग को उत्सव का प्रतीक बताते हुए विश्व मधुमेह दिवस पर जनसाधारण से नीले रंग का वस्त्र पहन कर डाइबिटीज से लड़ने का संकल्प लेने की अपील की। डॉ. एके नायक विश्व मधुमेह दिवस को लेकर मीडिया से बातचीत किए।

प्रोफेसर डॉ. ए नायक।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस दिवाली में आपकी जीवन में सारी खुशियां मिले। इसके लिए सब साथ मिल कर डाइबिटीज से लड़ने की शपथ लें। हर साल 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस मनाया जाता है। सर्तकता नहीं बरतने से मधुमेह घातक बीमारी है, जो दिल, आंख, किडनी और पैर को प्रभावित करता है। हर 30 सेकंड में मधुमेह के चलते एक पैर को काटा जा रहा है। हर 9 लोगों में एक व्यक्ति डायबिटीज के मरीज है। हर दो मधुमेही व्यक्ति में एक को पता नहीं होता है कि वह मधुमेह का शिकार है। नीला रंग उत्सव का प्रतीक है। इसलिए उन्होंने ने डाइबिटीज से मुकाबला और इससे बचाव के लिए व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सभी से नीले रंग के कपड़े पहनने की अपील की।

ASA ने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में किया सड़क जाम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झारखंड यात्रा के दौरान आत्मदाह की धमकी देने वाले आदिवासी सेंगेल अभियान (एएसए) के चार कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर, गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार की शाम आदिवासी सेंगेल अभियान के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए और करनडीह में टाटा-हाता मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान करीब एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। सड़क जाम होने से काफी संख्या में लोग परेशान रहे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और उन्हें समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक मान-मनौव्वल (वार्ता) के बाद लोग सड़क से हटे। वार्ता करने के लिए परसुडीह थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा और जुगसलाई नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी मौजूद थे।

रोड जाम करते एएसए के समर्थक। ● फोटोन न्यूज

बता दे कि आदिवासी सेंगेल अभियान के चार कार्यकर्ताओं ने घोषणा की थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड यात्रा के दौरान आदिवासियों के लिए सरना कोड को मान्यता देने की घोषणा नहीं करते हैं, तो वे भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में जाकर आत्मदाह कर लेंगे। इसे बाद पुलिस सक्रिय हो गई और चंद्र मोहन मार्डी, पृथ्वी मुर्मू, विक्रम हेंब्रम और कान्हूराम टुडू को गिरफ्तार कर लिया। इधर, आदिवासी सेंगेल महिला मोर्चा की कोल्हान अध्यक्ष प्रेमशिला मुर्मू ने भी आत्मदाह की धमकी दे डाली है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री अगर सरना धर्म कोड की घोषणा नहीं करते है तो वह साकची स्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष दिन के एक बजे आत्मदाह कर लेंगी।

एनएसएस ने बाल दिवस पर बच्चों के बीच चॉकलेट-केक का वितरण

कार्यक्रम में जुटे बच्चे। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने मंगलवार को बाल दिवस के अवसर पर बारा बस्ती, बागुनहातु के बच्चों के बीच खुशियां बांटी। इसके तहत बच्चों के बीच चॉकलेट, बिस्कुट, केक समेत अन्य खाद्य सामग्रियों का वितरण किया। साथ ही बच्चों को आनंदित करने के लिए दौड़, कबड्डी आदि कई तरह के खेलों का आयोजन भी किया। इन खेलों में जीतने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने बच्चों को पढ़ाया एवं कॉपी, पेन, पेंसिल आदि का उनके बीच वितरण किया।

कार्यक्रम के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताया और अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही वहां की महिलाओं के बीच भी कपड़े एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ आले अली, एनएसएस समन्वयक सैयद साजिद परवेज, मानव घोष, वर्षा चौधरी, रौनक काबरा, ऋषभ राज भारद्वाज समेत एनएसएस के 20 स्वयंसेवक शामिल हुए।

विश्व मधुमेह दिवस पर वॉक-ए-थॉन का आयोजन, चिकित्सक हुए शामिल

वॉक-ए-थॉन में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : क्लिनिकल कार्डियो डायबिटीज सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीसीडीएसआई) ने रोटरी क्लब के सहयोग से मंगलवार को विश्व मधुमेह दिवस पर वॉक-ए-थॉन का आयोजन किया। इसमें शहर भर के मधुमेह चिकित्सक के साथ-साथ एमआर व अन्य लोग शामिल थे। वॉक-ए-थॉन में शामिल लोग मोहन आहूजा स्टेडियम से लेकर जुबली पार्क गेट तक गए। इस दौरान बैनर-पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इसके बाद कॉन्वेंट स्कूल के समीप एक शिविर लगाकर 95 लोगों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, वजन आदि की जांच की गई। इस दौरान चिकित्सकों ने मधुमेह से कैसे बचा इसकी जानकारी सभी को दी।

आगे भी लगाया जायेगा कैम्प: सीसीडीएसआई के जिलाध्यक्ष डॉ उमेश खां ने बताया कि विश्व मधुमेह दिवस पर वॉक-ए-थॉन के जरिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। ज्यादातर लोग आज गलत दिनचर्या व खानपान के कारण मधुमेह का शिकार हो रहे है। इससे बचना बेहद ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्रयास किया जाएगा कि समय-समय पर ऐसे शिविर आयोजित कर लोगों की जांच की जाए, ताकि इसका ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा मिले।

दोमुहानी घाट पर बिरसा युवा मंच ने चलाया सफाई अभियान

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिरसा युवा मंच के संरक्षक एवं भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को लोक आस्था का महापर्व छठ के मद्देनजर दोमुहानी नदी घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। लिए बिरसा युवा मंच के सदस्यगण व भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध नागरिकों के संयुक्त प्रयास से आज सोनारी स्थित दोमुहानी घाट की साफ सफाई की गई। मौके पर राजीव रंजन सिंह ने कहा कि सोनारी की सबसे महत्वपूर्ण घाट दोमुहानी है। सफाई के दौरान चारो तरफ कचरा फैला हुआ है।

यह प्रमाणित करता है कि छठ जैसे पावन पर्व के निकट होने के बावजूद भी सरकारी तंत्र एवं जुस्को घाटों के साफ सफाई के प्रति उदासीन है। उन्होंने लोगो से आवाह्न किया सिर्फ सरकारी तंत्र के भरोसे रहने के बजाए जागरूक होकर अपने अपने नजदीकी छठ घाट की सफाई स्वयं करे। सफाई अभियान में बलविंदर सिंह कलसी, भोला जायसवाल, राहुल भट्टाचार्य, अरूण कुमार सिंह, अजय अग्रवाल, विश्वजीत सिंह, संजीव सिंह, राजेश जायसवाल, सरयू राम, पंकज लाल, यश वीर सिंह, सुशांत सिंह, धनंजय सिंह, जगतार सिंह नागी, अशोक मुंडा, देवेंद्र सिंह एवं अन्य सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल थे।

मां काली के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, पंडाल रहा आकर्षण

PHOTON NEWS CHAIBASA : श्री श्री सार्वजनिक काली पूजा समिति के द्वारा आयोजित पूजा में काली के दर्शन तथा पूजा पंडाल को देखने के लिए बीते रात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का रेला उमड पड़ा। मां काली के दर्शन करने और उनके भोग के प्रसाद को लेने के लिए 12:00 बजे रात तक लोग कतार मे दर्शन के लिए खड़े रहे। अमला टोला और पूजा पंडाल के पास तथा सदर बाजार पूरा श्रद्धालुओं के भीड़ से भरा रहा।

दर्शन के उमड़े श्रद्धालु। ● फोटोन न्यूज

बड़ी बात यह रही की देर से ही सभी सभी श्रद्धालुओं को काली मैया के दर्शन हुए तथा उनके भोग का भी वितरण उनके बीच किया गया। पूजा पंडाल से मां काली के भोग लेने के बाद सभी श्रद्धालुओं ने की गई आकर्षक विद्युत सज्जा को देखा। अधिकांश युवक युवतियां महिलाएं विद्युत साज के समक्ष अपना सेल्फी लेना नहीं भूले। पूजा में पूजा समिति के सभी सक्रिय सदस्यों ने अपनी महती भूमिका निभाई।

फर्जी परमिट व इश्योरेंस पेपर लेकर ओडिशा से झारखंड में अयस्क ढुलाई कर रहे दर्जनों वाहन

PHOTON NEWS CHAIBASA : बड़ाजामदा क्षेत्र में ओडिशा रजिस्ट्रेशन नंबर की दर्जनों हाइवा व डम्पर फर्जी परमिट व इश्योरेंस पेपर लेकर लौह व स्पंज आयरन की ढुलाई कार्य में लगी है। ऐसे कुछ वाहन झारखंड क्षेत्र में टू-प्वाइंट पर परिवहन कर रही है जो नियम विरुद्ध है। इससे झारखण्ड सरकार के राजस्व को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिला परिवहन विभाग भी पूरे मामले व ऐसे तमाम वाहनों की नम्बरों की जानकारी होने के बावजूद मौन है। जानकार बताते हैं की अगर कोई ओडिशा रजिस्ट्रेशन नम्बर की हाइवा या डम्फर ट्रक है तो वह ट्रांजिट परमिट के आधार पर ओडिशा से अयस्क लोड कर झारखण्ड में अनलोड कर सकती है। लेकिन वह झारखण्ड के किसी खदान आदि क्षेत्र से अयस्क लोड कर झारखण्ड में हीं अनलोड नहीं कर सकती है। अगर झारखण्ड का रजिस्ट्रेशन जिस वाहन का है वह अपने राज्य झारखण्ड में दोनों कार्य लोड-अनलोड कर सकती है। इसे लोग टू-प्वाइंट कहते हैं।

दूसरी तरफ सूत्रों का कहना है कि ओडिशा की दर्जनों डम्फर व हाइवा वाहन लौह अयस्क व स्पंज लेकर फर्जी कागजातों के माध्यम से झारखण्ड के बडाज़ामदा में अयस्क को अनलोड करने निरंतर आती है। इन वाहनों के पास दूसरे राज्य में घुसने की ट्रांजिट परमिट नहीं होती है। इनके वाहनों का इन्सुरेंस पेपर भी नहीं होता है। दोनों पेपर फर्जी तरीके से स्कैन कर विभागीय पदाधिकारी को झांसा देने हेतु रखे होते हैं। ऐसा करने से झारखण्ड के वाहन मालिकों के अलावे झारखण्ड सरकार के राजस्व को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ऐसे हीं एक डम्फर मालिक ने बताया की आखिर वह क्या करें। कैसे अपना व परिवार का जीविकोपार्जन करे। लाखों रुपये खर्च कर उक्त वाहन खरीदा था। क्षेत्र में वर्षों से प्रायः खदानें बंद होने की वजह से उसके वाहन को माल ढुलाई का कार्य नहीं मिलता है। कुछ वाहने 12-15 वर्ष पुरानी हो गई है। महीना में 3-4 दिन ओडिशा से झारखण्ड में स्पंज की सिफ्टिंग का कार्य मिलता है। अगर वह झारखण्ड का ट्रांजिट परमिट बनाये और वाहन का इन्सुरेंस करायेगा तो उसके पास क्या पैसा बचेगा।

17 नवंबर को नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय महापर्व छठ व्रत की होगी शुरूआत

सूप और दउरा से सजे बाजार, खरीदारी में जुटे लोग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। लोग दीपावली के बाद अब छठ की तैयारी में जुट गए है। इसे लेकर बाजारों की भी रौनक बढ़ गई है। विभिन्न इलाकों में सूप-दउरा जगह-जगह बिकने शुरू हो गए हैं। चौक-चौराहों पर छठ पूजा के गीत भी बज रहे हैं। छठ पूजन सामग्री खरीदने के लिए लोगों की भीड़ भी उमड़ने लगी है। कई लोग बढ़ी हुई कीमतों से बचने के लिए अभी से खरीदारी में जुट गए हैं। बर्तन की दुकान धनतेरस से ही सजे हुए हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग छठ के लिए बर्तनों की खरीदारी धनतेरस पर ही कर लेते हैं। पीतल के सूप, परात, बाल्टी, ग्लास, लोटे, भगोने की मांग छठ पर अधिक होती है। कारोबारियों ने बताया कि संकल्प व्रत नहाय-खाय के दिन से खरीदारी जोर पकड़ेगी। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी इन सामग्रियों की दुकानें सज चुकी हैं।

बाजार में बिक्री के लिए सजे सूप-दउरा। ● फोटोन न्यूज

निर्माण करने में जुटे कारीगर: सालों भर बांस की निर्माण सामग्री बिक्री करने वालों के हाथ इस त्योहार में ही मजबूत होते हैं। यही वजह है, सूप-दउरा निर्माण के लिए वे दिन रात मेहनत करते हैं। कुछ ऐसा ही दृश्य पिछले कुछ दिनों से बमार्माइंस मेन रोड किनारे का है। जहां पर लोग बांस की सामग्रियों का निर्माण करने में जुट गए हैं। यही पर्व है, जब ये कारीगर महाजन से कर्ज लेकर भी सम्मानजनक कमाई की उम्मीद में यह व्यवसाय करते हैं। इस बार बांस महंगा होने से सूप और दउरे की कीमत भी काफी बढ़ गई है।

नहाय खाय से होगी पूजा की शुरूआत

चार दिवसीय महापर्व छठ की शुरूआत नहाय खाय के साथ 17 नवंबर से होगी। वहीं, खरना 18 नवंबर को है। इस दिन दिनभर निर्जला उपवास के बाद संध्या के समय छठव्रती खीर-रोटी बनाकर पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगी। छठ पूजा के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य होता है। इस दिन छठ पर्व की मुख्य पूजा की जाती है। व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस साल संध्या अर्घ्य 19 नवंबर को है। चौथे दिन यानी सप्तमी तिथि को व्रती उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं। 20 नवंबर को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन होगा।

छठ व्रतधारियों के बीच निशुल्क फल और सूप का होगा वितरण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के द्वारा आस्था का महापर्व छठ के अवसर पर मानगो के डिमना रोड स्थित हीरा होटल के समीप दुर्गा पूजा मैदान में छठव्रतधारियों के बीच निःशुल्क फल और सूप का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने मानगो गुरुद्वारा के प्रांगण में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि विगत छह वर्षों से संघ के द्वारा छठ व्रतधारियों के बीच निःशुल्क फल और सूप का वितरण किया जा रहा है। कोविड के समय संघ के द्वारा प्रसाद आपके द्वारा का कार्यक्रम आयोजित कर फल व सूप का वितरण किया गया था।

जानकारी देते बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

पहले ही कर दिया जाएगा कूपन का वितरण : इस वर्ष 18 नवंबर (शनिवार) को प्रातः 11 बजे से मानगो डिमना रोड स्थित दुर्गा पूजा मैदान में छठ व्रतधारियों के बीच केला, नारियल, सेव, संतरा, गागल, गन्ना एवं सूप का वितरण किया जाएगा। इसके लिए संघ के कार्यकताओं द्वारा पूरे मानगो क्षेत्र में जरूरतमंद छठ व्रतधारियों के बीच पूर्व में कूपन का वितरण किया जाएगा। फल लेने आए छठ व्रतधारियों को कपड़े के झोले में फल दिया जायेगा।

लक्ष्मी पूजा के बाद कुंआरी कन्या के साथ गलत किया, फिर मार डाला

बेगूसराय । बदमाशों ने एक 8 वर्षीय मासूम बच्ची की लाश बांसबिट्टी में मिली है। परिजनों का कहना है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या करने से पहले उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजौरा गांव की है। मृतका की पहचान नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी अरुण महतो की पुत्री शिवानी कुमारी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि मासूम बच्ची अपने ननिहाल रजौरा में थी। सोमवार की सुबह केला का पत्ता काटने के लिए केला के बगान गई थी। काफी देर तक वह घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन करनी शुरू कर दी।

केला बागान में खोजबीन करने पर उसका कहीं कोई अता पता नहीं चल पाया। इसी दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उसकी लाश केला बगान के पास स्थित बांसबिट्टी में पड़ी है। गला दबाकर निर्मम हत्या कर शव को केले के बागीचे में फेंक दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। इस घटना से

आक्रोशित लोगों ने बेगूसराय मंझौल पथ (एस एच 55) को जाम कर दिया है जिससे उस रास्ते पर आवागमन ठप हो गया है। परिजनों की मांग है कि पुलिस आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। हालांकि पुलिस सड़क जाम किए लोगों को समझाबुझा कर जाम हटाने की कोशिश कर रही है। इस घटना को लेकर जहां एक ओर परिजन हत्या के पहले गलत काम करने का आरोप लगा रहे हैं वहीं दूसरी ओर बेगूसराय डीएसपी अमित कुमार का कहना है कि इस तरह की बात नहीं लग रही है। अमित कुमार ने बताया कि पुलिस इस मामले में उस बिंदु पर भी जांच कर रही है। डॉक्टरों की रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो पायेगा कि यह सिर्फ हत्या है या और कुछ और भी। हालांकि परिजनों का कहना है कि मृतका के चेहरे पर खून के दाग है और गला घोंटने के निशान भी हैं। परिजन यह भी कह रहे हैं कि घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर मासूम बच्ची का कपड़ा (अन्तःवस्त्र) भी बरामद किया गया है।

तेरी आंख्या का ये काजलः ट्रेनिंग के दौरान टीचर्स का डांस

पटना। बीपीएससी पास नवनियुक्त शिक्षकों का प्रशिक्षण पूरे राज्य में चल रहा है। ट्रेनिंग के दौरान नवनियुक्त शिक्षकों के डांस का वीडियो इन दिनों सुर्खियों में है। जहां शिक्षक सपना चौधरी के गाने तेरी आंख्या का ये काजल गाने पर जमकर झूम रहे हैं, ठुमके लगा रहे हैं। नवनियुक्त महिला टीचर भी खूब ठुमके लगाती नजह आईं। ये वीडियो मोतिहारी के छतौनी में संचालित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) का बताया जा रहा है।

नवनियुक्त शिक्षकों की ट्रेनिंग के दौरान का वीडिया तेजी से वायरल हो रहा है। जिसपर यूजर्स तरह-तरह के कॉमेंट कर रहे है। कोई कह रहा है कि इतनी एनर्जी अगर बच्चो को पढ़ाने में लगाए तो बच्चों का भविष्य बदल जाएगा। तो कोई कह रखा है कि बीपीएससी पास शिक्षक सर्वगुण संपन्न हैं। वीडियो सामने आने के बाद वीडियो को सोशल मिडिया पर डालने वाले शिक्षक प्रवीण रंजन, पिता प्रभु बैठा, क्रमांक BPSC Roll No.-110659 पश्चिम चंपारण द्वारा डायट में गाने पर सभी शिक्षकों से डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर डालने पर प्रिंसिपल ने स्पष्टीकरण मांगा है। जिसमें पूछा गया है कि दीपावली पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आप प्रशिक्षुओं के द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें प्रशिक्षुओं का डांस विडियो आपके द्वारा वायरल किया गया है। जिससे महाविद्यालय की छवि धूमिल हुई है। आपके ये काम अमर्यादित और अशोभनीय है। आगे लिखा गया कि आप वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है और प्रोवेशनरी पीरिएड में हैं, तो क्यों नहीं आपके प्रोविजनल नियुक्ति पत्र को रद्द करने की अनुशंसा विभाग को करते हुए अनुशासनिक कार्रवाई की जाए। 24 घंटे के अंदर आप अपना स्पष्टीकरण ऑफिस में जमा करें। पत्र जारी होने के बाद प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों में हडकंप मचा हुआ है।

यात्रियों से भरी चलती बस में आग

सासाराम । 30 यात्रियों से भरी चलती बस में अचानक से आग लग गई। हादसे के बाद यात्री बस से कूदने लगे। कुछ जलती बस की छत के ऊपर चढ़ गए और अपना सामान उतारने लगे। थोड़ी देर बाद ड्राइवर जलती बस को बेक कर पास के सर्विस सेंटर तक ले गया। वहां पानी से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस में रखा सामान जल गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुरानी जीटी रोड पर वेदा गांव के पास बस में आग लगी। हादसा रविवार शाम को हुआ था। इसका वीडियो अब

सामने आया है। राजस्थान के नंबर की बस हिवम ट्रैवल्स राजस्थान से कोचस के लिए चली थी। जैसे ही बस वेदा गांव से गुजर रही थी, तो अचानक उसमें आग लग गई। आग लगते ही अफरा-तफरी मच गई, यात्री कूद-कूदकर बाहर आने लगे, फिर बस की छत पर सामान उतारने लगे। बस खाली हो गई, तब जुटे स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को बताया कि पास ही सर्विस सेंटर है। तब ड्राइवर ने तेजी से गाड़ी बैक की और सर्विस सेंटर पर ले गया। जहां स्थानीय लोगों की मदद और पानी की बौछार से आग पर काबू पाया गया। बस के ड्राइवर दीपक चौबे ने बताया कि हम राजस्थान से कोचस जा रहे थे। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। सासाराम के वेदा गांव के अचानक बस में शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे आग लग गई। मैंने लोगों को बस से बाहर निकले को कहा। कुछ लोग बस की छत पर चढ़कर सामान उतारने लगे। थोड़ी देर में बस खाली हो गई। गांव के लोगों ने बताया कि पास ही सर्विस सेंटर है वहां पानी से आग बुझ जाएगी।

3 लाख रुपए, पलंग नहीं देने पर बेटी की हत्या

नालंदा । सोमवार देर शाम संदिग्ध हालत में एक विवाहिता का शव उसके ससुराल से पुलिस ने बरामद किया है। मामला सारे थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीनगर गांव का है। मृतका की पहचान रविंद्र पासवान की पत्नी कुमकुम देवी(20) है। मंगलवार की सुबह पोस्टमॉर्टम के लिए शव को लेकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। घटना के संबंध मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि उन लोगों को सोमवार शाम को अलीनगर के ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई थी। कुमकुम देवी की हत्या कर दी गई है। इसके बाद वे लोग स्थानीय पुलिस को लेकर अलीनगर गांव पहुंचे, जहां देखा कि कुमकुम देवी का शव बेड पर पड़ा हुआ है। उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था। मृतका के परिजनों

ने कहा कि रविंद्र पासवान का किसी महिला के साथ अवैध संबंध था। इस वजह से अक्सर बेटी के साथ मारपीट करता था। यही नहीं 3 लाख रुपए कैश और पलंग की भी मांग की जा रही थी। नहीं देने के कारण गला दबाकर बेटी की हत्या कर दी। नगर थाना क्षेत्र के उपरावां गांव निवासी विजेंद्र पासवान ने अपनी पुत्री कुमकुम की शादी डेढ़ साल अलीनगर गांव निवासी सागर पासवान के पुत्र रविंद्र पासवान से की थी।

युवक सेंटरिंग मिस्त्री का काम करता है। अंतिम बार कुमकुम रक्षाबंधन में मायके आई थी। सारे थाना अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि मायके वालों के द्वारा घटना की जानकारी मिली। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ससुराल पक्ष के लिए घर छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

राहुल जी, नीतीश आपकी जयंती ना मना दें

मांझी बोले-बाल दिवस पर उनसे दूर ही रहिएगा, महावीर चौधरी पुण्यतिथि कांड याद ही होगा

पटना। आज बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी मौन धरने पर बैठने वाले हैं। इससे पहले उन्होंने सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। मांझी ने जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर राहुल गांधी को एक बड़ी सलाह दी है। उन्होंने आज के दिन राहुल गांधी को नीतीश कुमार से दूर रहने की सलाह दी है। जीतन राम मांझी ने ट्विटर पर लिखा है कि- भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर शत-शत नमन। राहुल गांधी जी से आग्रह है कि आज के दिन नीतीश कुमार जी से कभी भूल के ना मिलें, नहीं तो वह नेहरू जी की जगह राहुल जी की ही जयंती मनाने लगेंगें। स्व.महावीर चौधरी पुण्यतिथि वाला कांड याद ही होगा?' 7 नवंबर को सीएम नीतीश अपने ही कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी के पिता महावीर चौधरी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इस दौरान, उन्होंने महावीर चौधरी को श्रद्धांजलि देने के बदले अशोक चौधरी पर ही फुल बरसना शुरू कर दिया था। हालांकि, बाद में इसको लेकर जदयू के तरफ से तरह-तरह के तर्क भी दिए गए। अब इसी बात पर जीतन राम मांझी ने आज अपनी ट्वीट के जरिए नीतीश पर निशान साधा है। 7 नवंबर को नीतीश जनसंख्या नियंत्रण पर विधानसभा में बयान दे रहे थे। उन्होंने सदन में कुछ ऐसा कहा, जिसे हम लिख भी नहीं सकते। इसके बाद नीतीश का देशभर में विरोध शुरू हो गया। 7 नवंबर की सुबह नीतीश बिहार के मंत्री अशोक चौधरी के पिता स्व. महावीर चौधरी की पुण्यतिथि पहुंचे

थे। वहां वे महावीर चौधरी को श्रद्धांजलि देने के बाद मंत्री पर ही फूल फेंकने लगे। 9 नवंबर को नीतीश सरकार ने विधानसभा से आरक्षण बिल को पास करवाया। इसे लेकर पूर्व सीएम मांझी ने आपत्ति जताई तो नीतीश आग बबूला हो गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इसे सीएम बनाना मेरी मूर्खता थी। 18 सितंबर को नीतीश मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति शिवसागर राम गुलाम की जयंती कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी का सिर एक पत्रकार से टकरा दिया। ये तस्वीर भी उन दिनों विवादों में रही थी। 21 सितंबर को नीतीश पूर्व सीएम भोला पासवान की जयंती के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी के कंधे पर सिर रख लिपट गए और कहा- मैं इनसे बहुत प्रेम करता हूं। दरअसल 9 नवंबर को सदन में जातीय गणना के आधार पर आरक्षण संशोधन विधेयक पर चर्चा हो रही थी। इसी पर हम सुप्रीमो जीतन राम मांझी अपनी बात रख रहे थे। इसे लेकर पूर्व सीएम मांझी ने आपत्ति जताई तो नीतीश आग बबूला हो गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इसे सीएम बनाना मेरी मूर्खता थी। इसके बाद से लगातार जीतन राम मांझी इसका विरोध कर रहे हैं। पीएम मोदी ने 11 नवंबर को सिकंदराबाद (तेलंगाना) में दलित महासभा को संबोधित करते हुए नीतीश पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीतीश ने मेरे करीबी दोस्त और दलित नेता रामविलास पासवान जी का लगातार अपमान किया था। पासवान जी को राज्यसभा सीट की बात आई थी तो वो समर्थन देने में आनाकानी करते रहे। चिराग पासवान में ये दर्द मैंने महसूस किया है। पीएम ने आगे कहा कि दो दिन पहले बिहार में हमने देखा है कि विधानसभा में सदन के अंदर एक और दलित नेता, एक पूर्व मुख्यमंत्री का अपमान किया गया है। जीतन राम मांझी जो दलितों में भी अति दलित हैं, जिन्होंने अपने जीवन में बहुत ही संघर्ष किया है। उनको बिहार के सीएम ने बुरी तरह अपमानित किया। जीतन बाबू को जताने की कोशिश की गई कि वो सीएम पद के योग्य नहीं थे। ये अहंकार की भावना, दलितों के अपमान की भावना कांग्रेस और उसके सहयोगियों की पहचान है। बिहार विधानसभा में 9 नवंबर को सीएम नीतीश कुमार और पूर्व जीतन राम मांझी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मांझी आरक्षण की समीक्षा की मांग कर रहे थे। तभी उट ने उन्हें बीच में ही टोका और कहा- मेरी मूर्खता से ये मुख्यमंत्री बने थे। इसे राज्यपाल बनने की चाहत है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसे गवर्नर क्यों नहीं बना देते हैं। नीतीश ने कहा कि इनको कुछ आइडिया है। जब मैंने आपको सीएम बनाया तो कोई था क्या आपके साथ। सीएम को शांत कराते हुए स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ये बिहार ही नहीं देश जानता है। आपने ही जीतनराम मांझी को उट बनाया था। नीतीश बोले- इसे कोई सेंस नहीं है। हम कह रहे थे कि आप लोगों के ही साथ रहिए, लेकिन ये भाग कर आ गया था। इसलिए इस बार हम भगा दिए। 2013 में जब मैंने बीजेपी को छोड़ दिया था, तब मैंने इनको उट बनाया। जिसके बाद मेरी पार्टी के जो लोग थे वो दो ही महीने में कहने लगे कि ये गड़बड़ है, इसे हटाइए। ये क्या मुख्यमंत्री है। इसे कोई ज्ञान नहीं है। बता दें कि जीतन राम मांझी राज्य के 23वें मुख्यमंत्री थे। उसका कार्यकाल 20 मई 2014 से 20 फरवरी 2015 तक रहा। 9 नवंबर को आरक्षण संशोधन विधायक में हुए संशोधन पर चर्चा के दौरान जीतन राम मांझी ने कहा कि बिहार में जो जातीय गणना हुई है, मुझे उस पर भरोसा नहीं है। मांझी ने कहा कि आरक्षण पर हर 10 साल में समीक्षा की बात कही गई है , लेकिन क्या बिहार सरकार ने आरक्षण की समीक्षा की।

पटाखों की चिंगारी से गोदाम में लगी आग

पटना। दीपावली के दूसरे दिन देर रात पटाखे की चिंगारी से आग लग गई। अगलगी की घटना में लाखों का नुकसान हुआ है। शहर के काली नगरी वार्ड संख्या-10 के प्रह्लाद प्रसाद के गोदाम में पटाखे की चिंगारी से आग लग गई। उसमे रखे रिप्लेस्मेंट वाली हजारों बल्ब व ट्यूब जल कर राख हो गए। आग लगने की सूचना पर अग्निशमन की टीम घटना स्थल पहुंची और आग पर काबू पाया। अग्निशमन विभाग के प्रभारी रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि सूचना मिलने के बाद अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची। फिर आग पर काबू पाया गया जा सका। वहीं, गोदाम मालिक प्रह्लाद प्रसाद ने कहा कि एजेंसी के रिप्लेस्मेंट का सामान उसी में रखा जाता था। आग लगने के कारण सब खराब हो गया।

संक्षिप्त डायरी

ट्रैक्टर-बाइक के बीच टक्कर दो की मौत, एक घायल

बगहा । सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है । तीनों युवक एक ही परिवार से ताल्लुक रखते हैं। घटना सोमवार की रात की है। मृत युवक की पहचान नौरंगिया थाना के नौरंगिया गांव निवासी नंदलाल राम के पुत्र जितेंद्र राम (20) बैद्यनाथ राम के पुत्र पवन कुमार (20) के रूप में हुई है। दोनों आपस में ममेरेझफुफेयर भाई हैं। वहीं घायल की पहचान सरवन राम के पुत्र महेंद्र कुमार (20) के रूप में की गई है । महेंद्र जितेंद्र का चचेरा भाई है । घायल युवक और मृत्य दोनों युवक आपस में रिश्तेदार होने के साथ साथ तीनों जिगरी दोस्त है। तीनों का घर एक ही गांव में स्थित है। परिजनों ने बताया कि दीपावली के एक दिन पहले गुजरात के भावनगर से कमा कर लौटे थे। सोमवार की देर शाम तीनों एक अन्य मित्र के यहां हनार्टांड़ जा रहे थे। तभी एक ट्रैक्टर ट्राली ने गोबरहींया के बाइक सवार तीनों को रौद दिया। जिसमें घटनास्थल पर ही दो की मौत हो गई। जबकि तीसरा जिंदगी और मौत के बीच में जूझ रहा है। घटना के बाद अस्पताल में पहुंचे परिजन बार-बार बेहोश हो जा रहे हैं। एक ही घर में तीन-तीन हादसा के बाद मातमी सन्नाटा फैला हुआ है। अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉक्टर के.बी.एन सिंह ने बताया कि दो की मौत अस्पताल में आने के पहले हो गई थी। जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल है । जिसे अनुमंडलीय अस्पताल से जीएमसीएच के लिए रेफर किया गया है। लौकरिया थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में दो लोगों की मरने की सूचना है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है परिजनों के द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है आवेदन मिलने पर एफआईआर दर्ज किया जाएगा।

गला दबाकर गर्भवती पत्नी को उतारा मौत के घाट, आरोपी पति गिरफ्तार

भागलपुर । घरेलू विवाद में पति ने गला दबाकर गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को छोड़कर पति फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने पति महताब अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। पूलिस की पूछताछ में महताब ने बताया कि काम में जरा सी देर होने पर पत्नी उसपर शक करती थी। आए दिन झगड़ा करती थी। मैंने गुस्से में दुपट्टे गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी ने बताया कि एक बार बच्चा खराब हो गया था। जिसके कारण ससुराल वालों ने मेरे खिलाफ केस कर दिया था। परिजनों ने मुझे और पत्नी को घर से निकाल दिया। जिसके बाद मैं किराए के मकान में रहता था। पत्नी मेरे घर जाने के लिए दबाव बनाती थी। लेकिन मेरे घरवाले केस के बाद उसे रखने को राजी ही नहीं थे। रविवार की रात दस बजे हबीबपुर के भतुआबाड़ी इलाके में किराये के मकान में विवाहिता की हत्या की कर दी गई थी। मृतका सोनी खातून (21) सजौर थाने के दरियापुर की रहने वाली थी। मृतका के चाचा के बयान पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों ने आरोप लगाया कि दहेज के कारण बेटी की हत्या कर दी गई है। चाचा सिकंदर अंसारी का कहना है कि भतीजी की हत्या में पति के साथ ससुराल वाले भी शामिल हैं। सिटी डीएसपी अजय चौधरी ने बताया कि पति ने गला दबाकर महिला की हत्या कर दी है। शव को दफनाने के लिए ले जा रहे थे, इस दौरान पुलिस ने पकड़ा लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

पानी में डूबने से किसान की मौत

भोजपुर। जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नेउर पोखर गांव के आहर में डूबने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान नेउर पोखर गांव वार्ड नंबर 3 निवासी रामानंद दास के पुत्र कन्हैया दास(46) के तौर पर हुई है। मृतक के भतीजे टार्जन कुमार ने बताया कि घर के बाहर कुछ दूरी पर गाय खूंटे से बंधी हुई थी। चाचा कन्हैया दास गाय को खोलकर दूध दुहने के लिए दरवाजे के पास ला रहे थे। तभी गाय रस्सी छुड़ाकर आहर की ओर भाग गई। गाय को बचाने के लिए आहर में गए तो वह डूब गए। उन्हें तैरना नहीं आता था, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद बच्चों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें पानी से बाहर निकाला। इसके बाद परिजन अपनी संतुष्टि के लिए उन्हें जगदीशपुर के दुलौर स्थित अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के परिवार में पत्नी अनीता देवी, तीन पुत्री निशा देवी, रानी कुमारी, अंजल कुमारी व दो पुत्र विकास कुमार एवं आकाश कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

जमीनी विवाद में हुई थी व्यवसायी की हत्या

सीतामढ़ी। मेजरगंज इलाके में दीपावली के दिन व्यवसायी विशाल सिंह की चार बदमाशों ने हत्या कर दी थी। उनके हत्या मामले में जमीनी विवाद की बात सामने आ रही है।

सोमवार की शाम मृतक विशाल के पिता सुबोध सिंह के बयान पर हत्या की एफआईआर दर्ज कराई गयी है। इसमें गोली मारकर हत्या करने के मामले में डुमरी कला निवासी कुख्यात अरुण सिंह को नामजद व तीन अज्ञात को आरोपित किया गया है। हत्या की साजिश रचने के मामले में पांच लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें कुआरी मदन गांव के पंकज कुमार सिंह उर्फ रवि, बलुआ के राजू सिंह, शिवहर

जिले के पिपराही थाना के सिंगरहिया गांव निवासी राजेश सिंह, नेपाल के मनरा कट्टी निवासी संजीव सिंह और नेपाल के मधुबन गांव निवासी विजय चौधरी का नाम शामिल है। जांच में जमीनी विवाद की बात सामने आने के बाद पुलिस घटना में शामिल शूटरों को तलाश कर रही है। विशाल के पिता सुबोध सिंह ने बताया कि इसी वर्ष विश्वकर्मा पूजा के दिन उसके पुत्र विशाल को मारने के लिए डुमरी कला निवासी अरुण सिंह ने मेजरगंज से मौदह तक पीछा किया था। लेकिन सफल नहीं हो सका। सुबोध सिंह के दो पुत्र है, छोटा पुत्र कुणाल सिंह है। जिसका अपहरण 10 साल पहले किया गया था, मामला न्यायालय में अंतिम चरण में है। इस मामले में भी गवाही नहीं देने को लेकर उन्हें लगातार धमकी मिल रही थी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी पंकज कुमार सिंह उर्फ रवि को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पुष्टि करते हुए एसडीपीओ सदर राम कृष्णा ने बताया कि पंकज कुमार सिंह रवि को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। डीएसपी ने बताया कि हत्या में शामिल अरुण सिंह के साथ बाकी तीनों की पहचान सीसीटीवी फुटेज की मदद से की गयी है, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रदूषण जागरूकता

प्रदूषण निवारण की दिशा में हमारा सफर अभी बहुत लंबा है। दीपावली की सुबह बहुत अच्छी थी, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में साफ आसमान और खिली धूप के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 7 बजे महज 202 पर था, मगा रविवार बीतते सूचकांक महानगर के अनेक इलाकों में लगभग 500 अंक तक चढ़ गया। यह स्थिति जितनी दुखद है, उतनी ही चिंताजनक भी। अभी 7 नवंबर को ही देश की सर्वोच्च अदालत ने इशारा किया था कि बेरियम युक्त पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का उसका आदेश हर राज्य को कदम उठाने को बाध्य करता है और यह आदेश सिर्फ दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दुर्भाग्य, आदेश की पालना पूरी तरह से नहीं हो सकी। आम लोगों को भी सोचना चाहिए कि आखिर आदेश, निर्देश, चेतावनी, खतरे के बावजूद प्रदूषण जानलेवा स्तर पर कैसे पहुंच गया? अब सर्वोच्च अदालत का रुख क्या रहेगा, यह देखने वाली बात होगी? शायद फिर नाराजगी का इजहार और सरकारों को नोटिस देने की नौबत आएगी, पर वास्तव में यह विषय आम लोगों से जुड़ा है। अफसोस, सोमवार को दिल्ली बहुत प्रदूषित रही और पटना ने भी मुकाबला किया। अनेक लोग होंगे, जो प्रदूषण के लिए पटाखों को जिम्मेदार ठहराएंगे, पर सच्चाई यह है कि पटाखे अवसर विशेष से जुड़े हैं और जब पटाखे नहीं होते हैं, तब भी प्रदूषण का हाल बहुत बुरा रहता है। अतः पटाखों को धर्म विशेष से जोड़कर देखना अनुचित है। हमें व्यापकता में सोचना चाहिए। कभी पराली, तो कभी वाहनों को, कभी पटाखों को जिम्मेदार ठहरा देने से काम नहीं चलेगा। हमारी सरकारों को राजनीति से ऊपर उठकर प्रदूषण का उपचार करना चाहिए। विगत दस वर्षों से एक-दूजे को सरकारें बचकाने ढंग से जिम्मेदार ठहराती आ रही हैं। यह जिम्मेदारी से बचने का नहीं, आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का समय है। विशेषज्ञों की मदद से समग्र नीति बनाकर प्रदूषित राज्यों व शहरों को मार्ग दिखाना होगा। अगर यह राष्ट्रीय राजधानी की बड़ी समस्या भी है, तो समाधान की दिशा में जिम्मेदारी का एहसास भी राष्ट्रीय होना चाहिए। प्रदूषण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने से समाधान नहीं होगा। यह महानगर एक ही जगह लाखों लोगों को रोजगार देता है, यहां देश भर से लोग आते हैं, तो क्या देश भर के लोगों को इसके बारे में नहीं सोचना चाहिए? हालांकि, स्थानीय स्तर पर शासन-प्रशासन से जुड़े निकाय अगर वैज्ञानिक आधार पर काम कर सकें, तो प्रदूषण का खतरा टल सकता है। यदि कोई शहर आबादी का बोझ नहीं संभाल पा रहा है, तो उसके भार को हल्का करने के बारे में सोचना चाहिए। यह सुनने में कैसा लगता है कि तेज बढ़ते भारत की राजधानी दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है? दो-तीन दिन पहले अगर बारिश न हुई होती, तो दिल्ली प्रदूषण का कैसा खतरनाक कीर्तिमान बनाती, यह सोचकर ही किसी भी संवेदनशील नागरिक को बेचैनी होगी। यह समय दोषारोपण का कतई नहीं है। ऑड-इवन पर अब विवाद है, पर दिल्ली सरकार 14 नवंबर से 14 दिसंबर तक खुले में कुछ भी जलाने पर पाबंदी लगाने जा रही है, तो यह स्वागतयोग्य है।

उच्च शिक्षा का विस्तार

एशिया के अच्छे विश्वविद्यालयों में भारत के शिक्षण संस्थाओं की सबसे अधिक संख्या है। उच्च शिक्षण संस्थाओं के अध्ययन पर आधारित क्यूएस एशिया सूचकांक में इस वर्ष 856 विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है, जिनमें 148 भारतीय विश्वविद्यालय हैं। पिछले सूचकांक में भारतीय संस्थानों की संख्या 111 थी। संख्या के मामले में इस वर्ष भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष के 50 विश्वविद्यालयों में हमारे देश के दो प्रतिष्ठित संस्थान- आइआइटी बंबई और आइआइटी दिल्ली शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस सूचकांक को अकादमिक प्रतिष्ठा, शिक्षक-छात्र अनुपात, पीएचडी डिग्री वाले स्टाफ की संख्या तथा प्रकाशित अकादमिक लेखों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। भारत से इस सूची में 37 विश्वविद्यालयों का पहली बार शामिल होना यह इंगित करता है कि देश में उच्च शिक्षा का विस्तार भी हो रहा है और उसकी गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी हो रही है। चीन ने केवल सात नये संस्थान ही सूची में स्थान बना सके हैं। उच्च शिक्षा के संदर्भ में भारत के समक्ष दो मुख्य उद्देश्य हैं- बड़ी संख्या में घरेलू छात्रों को उत्कृष्ट उच्च शिक्षा के लिए अवसर उपलब्ध कराना तथा विदेशी छात्रों में भारत के संस्थानों के लिए आकर्षण बढ़ाना। सूचकांक ने रेखांकित किया है कि दोनों मामलों में भारत प्रगति की ओर अग्रसर है। बीते वर्षों में उच्च शिक्षा की बेहतरी के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाने के साथ-साथ नियमित रूप से संस्थानों की समीक्षा भी की जा रही है। उच्च शिक्षा के संस्थानों में शिक्षकों के कई पदों का रिक्त रहना लंबे समय से एक बड़ी समस्या है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इस ओर विशेष ध्यान दिया है। विभिन्न राज्यों में भी ऐसे प्रयास हो रहे हैं। सूचकांक ने यह भी बताया है कि विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जानेवाले भारतीय छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है तथा पहली बार उनकी संख्या चीनी छात्रों से अधिक है। इससे यह इंगित होता है कि हमारे संस्थानों से प्रतिभाशाली छात्रों की बड़ी खेप निकल रही है। ये तथ्य इस बात के प्रमाण हैं कि भारत अपनी विकास आकांक्षाओं के प्रति समर्पित है। उत्साहजनक प्रगति के बावजूद उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भारत को कई समस्याओं का समाधान करना है। केंद्रीय संस्थानों की गुणवत्ता बढ़ रही है, पर राज्य स्तर के संस्थानों में बेहतरी संतोषजनक नहीं है।

अहंकार का नाश करती है गोवर्धन पूजा

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, इसीलिए द्रिक पंचांग के अनुसार गोवर्धन पूजा का पर्व 14 नवंबर को मनाया जाएगा। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 13 नवंबर को भी गोवर्धन पूजा की जा सकती है लेकिन 14 नवंबर को गोवर्धन पूजा करने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6:43 से प्रारंभ होकर 8.52 तक सर्वोत्तम है। 14 नवंबर दो बजे के बाद भाई दूज की तिथि शुरू होगी। कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाए जाने वाले इस पर्व को अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रूपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है तथा तरह-तरह के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाया जाता है। इन व्यंजनों को छप्पन भोग की संज्ञा दी जाती है। अन्नकूट पर्व के दिन गोपूजा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण इस दिन बहुत से लोग गाय, बैल तथा अन्य पशुओं की सेवा करते हैं और गायों की आरती भी उतारी जाती है। इस दिन शाम के समय गोवर्धन पूजन के समय भगवान विष्णु, भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ दैत्यराज महाप्रतापी एवं महादानवीर बलि का भी पूजन किया जाता है।

पांच दिवसीय दीपावाली पर्व की शुरूआत धनतेरस से होती है और चौथे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है लेकिन इस वर्ष गोवर्धन पूजा की तिथि को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति है। दरअसल इस बार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरूआत 13 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से हो रही है और समापन 14 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 36 मिनट पर होगा। चूंकि हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, इसीलिए द्रिक पंचांग के अनुसार गोवर्धन पूजा का पर्व 14 नवंबर को मनाया जाएगा। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 13 नवंबर को भी गोवर्धन पूजा की जा सकती है लेकिन 14 नवंबर को गोवर्धन पूजा करने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6:43 से प्रारंभ होकर 8.52 तक सर्वोत्तम है। 14 नवंबर दो बजे के बाद भाई दूज की तिथि शुरू होगी। कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाए जाने वाले इस पर्व को अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रूपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है तथा तरह-तरह के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाया जाता है। इन व्यंजनों को छप्पन भोग की संज्ञा दी जाती है। अन्नकूट पर्व के दिन गोपूजा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण इस दिन बहुत से लोग गाय, बैल तथा अन्य पशुओं की सेवा करते हैं और गायों की आरती भी उतारी जाती है। इस दिन शाम के समय गोवर्धन पूजन के समय भगवान विष्णु, भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ दैत्यराज महाप्रतापी एवं महादानवीर बलि का भी पूजन किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व का प्रचलन द्वापर युग से शुरू हुआ था और तभी से हर वर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाता रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इन्द्र के अहंकार को चूर-चूर कर गोकुलवासियों को गोधन के महत्व से परिचित कराया था। इस दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र और अग्निदेव के पूजन का भी विधान है। पुराणों में बताया गया है कि इस दिन भगवान विष्णु ने लक्ष्मी सहित समस्त देवी-देवताओं को बलि की कैद से मुक्त कराया था। इस पर्व के संबंध में द्वापर युग की एक कथा प्रचलित है। एक बार भगवान श्रीकृष्ण अपने बाल सखाओं के साथ गायों को चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच गए। वहां उन्होंने देखा कि हजारों गोप-गोपियां बड़े उत्साह से नाच-गाकर कोई उत्सव मना रहे हैं और 56 प्रकार के व्यंजन वहां रखे हैं। श्रीकृष्ण के पूछने पर गोपियों ने बताया कि आज के दिन वृत्रासुर नामक राक्षस का वध करने वाले मेघों व देवों के राजा इन्द्र का पूजन किया जाता है क्योंकि उनकी कृपा से ही ब्रज में वर्षा होती है और अन्न पैदा होता है। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने वहां उपस्थित समस्त ब्रजवासियों से कहा कि अगर देवराज इन्द्र स्वयं यहां आकर भोग लगाएं, तभी तुम्हें यह उत्सव मनाना चाहिए। ब्रजवासी श्रीकृष्ण की बात से सहमत नहीं हुए। गोपियों ने श्रीकृष्ण से कहा, अगर इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए इन्द्रोज नामक यह यज्ञ नहीं किया गया तो समस्त ब्रजवासियों को इन्द्र के कोप का सामना करना होगा और समूचा ब्रज अकाल या बाढ़ की चपेट में आ जाएगा। इसलिए हमें यह यज्ञ हर हाल में करना ही चाहिए। इस पर श्रीकृष्ण ने कहा, इन्द्र में क्या शक्ति है? उससे ज्यादा शक्तिशाली तो हमारा यह गोवर्धन पर्वत है और ब्रज में इसी के कारण वर्षा होती है। इसलिए हमें इन्द्रोज यज्ञ करने के बजाय गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। काफी वाद-विवाद के पश्चात ब्रजवासी इन्द्र के बजाय गोवर्धन की पूजा करने के लिए तैयार हो गए। सभी अपने घरों से पकवान लाकर श्रीकृष्ण द्वारा बताई विधि के अनुसार गोवर्धन का पूजन करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन पर्वत में अपना दिव्य रूप प्रविष्ट कराकर स्वयं गोवर्धन के रूप में समस्त व्यंजनों का भोग लगाया और ब्रजवासियों को आशीर्वाद दिया। ब्रजवासी गोवर्धन को प्रसन्न करने के लिए किए गए अपने यज्ञ को सफल मानकर बड़े प्रसन्न हुए। नारद मुनि ने इन्द्र को इस घटना की जानकारी दी तो इन्द्र इसे अपना अपमान मानकर क्रोध के मारे फुफकार उठा और मेघों के जरिये ब्रज में तबाही शुरू कर दी। ब्रजवासियों की घबराहट देख श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत की शरण में चलने को कहा और गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठ उंगली पर उठा लिया। इस प्रकार पूरे सात दिन तक ब्रजवासी गोवर्धन के नीचे सुरक्षित रहे। अंततः देवराज इन्द्र को हार माननी पड़ी और तब ब्रह्मा जी ने उन्हें श्रीकृष्ण अवतार का रहस्य बताया तो इन्द्र श्रीकृष्ण से अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन को अपनी उंगली से नीचे उतारते हुए ब्रजवासियों से हर वर्ष इसी दिन गोवर्धन की पूजा करने को कहा। माना जाता है कि तभी से प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाने लगा। इस दिन गौ पूजन करने के पीछे धारणा यह है कि इससे व्यक्ति को भोग एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह पर्व जहां गोधन के महत्व को दशार्ता है, वहीं इसे इन्द्र का अहंकार नष्ट होने के रूप में भी देखा जाता है। प्राणीमात्र को इससे यही सीख मिलती है कि अहंकार मनुष्य को सदा नीचा दिखाता है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

गायों की पूजा का पर्व है गोवर्धन

गोवर्धन पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। इस त्योहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने आज ही के दिन इन्द्र का मानमर्दन कर गिरिराज पूजन किया था। कबीर दास जी कहते हैः कबीर गोवर्धन कृष्ण जी उठाया, द्रोणागिरि हनुमंत। शेष नाग सब सृष्टी उठाई, इनमें को भगवंत।। इस दिन मन्दिरों में अन्नकूट किया जाता है। अन्नकूट एक प्रकार से सामूहिक प्रसादी भोज का आयोजन है जिसमें पूरा परिवार एक जगह बनाई गई रसोई से भोजन करता है। इस दिन चावल, बाजरा, कढ़ी, साबुत मूंग सभी सब्जियां एक जगह मिलाकर बनाई जाती हैं। मंदिरों में भी अन्नकूट बनाकर प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। सायंकाल गोबर के गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गो माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में हल जोतकर अनाज उगाता है। इस तरह गो सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गो के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की। दीपावली के दूसरे दिन सायंकाल गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन होता है इस दिन प्रातः गाय के गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में गोवर्धन बनाया जाता है। अनेक स्थानों पर इसके मनुष्याकार बनाकर पुष्पों, लताओं आदि से सजाया जाता है। इनकी नाभि के स्थान पर एक कटोरी या मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे आदि पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में इसे प्रसाद के रूप में बांट देते हैं। शाम को गोवर्धन की पूजा की जाती है। पूजा में धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल, फूल, खील, बताशे आदि का प्रयोग किया जाता है। पूजा के बाद गोवर्धनजी की जय बोलते हुए उनकी सात परिक्रमा लगाई जाती है। परिक्रमा के समय एक व्यक्ति हाथ में जल का लोटा व अन्य जौ लेकर चलते हैं। जल के लोटे वाला व्यक्ति पानी की धारा गिराता हुआ तथा अन्य जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी करते हैं। अन्नकूट में चंद्र-दर्शन अशुभ माना जाता है। यदि प्रतिपदा में द्वितीया हो तो अन्नकूट पर्व अमावस्या को मनाया जाता है। इस दिन सन्ध्या के समय दैत्यराज बलि का पूजन भी किया जाता है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप में माने जाते हैं और इस दिन उनकी पूजा अपने घर में करने से धन, धान्य, संतान और गोरस की वृद्धि होती है। आज का दिन तीन उत्सवों का संगम होता है। इस दिन दस्तकार और कल-कारखानों में कार्य करने वाले कारीगर भगवान विश्वकर्मा की पूजा भी करते हैं। इस दिन सभी कल-कारखाने तो पूर्णतः बंद रहते हैं। घर पर कुटीर उद्योग चलाने वाले कारीगर भी काम नहीं करते। भगवान विश्वकर्मा और मशीनों का दोपहर के समय पूजन किया जाता है। महाराष्ट्र में यह दिन बलि प्रतिपदा या बलि पड़वा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु के एक अवतार वामन की राजा बलि पर विजय और बाद में राजा बलि को पाताल लोक भेजने के कारण इस दिन उनका पुण्य स्मरण किया जाता है। माना जाता है कि भगवान वामन द्वारा दिए गए वरदान के कारण असुर राजा बलि इस दिन पातल लोक से पृथ्वी लोक आता है। अधिकतर गोवर्धन पूजा का दिन गुजराती नव वर्ष के दिन के साथ मिल जाता है जो कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष के दौरान मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा उत्सव गुजराती नव वर्ष के एक दिन पहले मनाया जा सकता है और यह प्रतिपदा तिथि के प्रारम्भ होने के समय पर निर्भर करता है। वेदों में इस दिन वरुण, इन्द्र, अग्नि आदि देवताओं की पूजा का विधान है। इसी दिन बलि पूजा, गोवर्धन पूजा होती हैं। इस दिन गाय-बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर, फूल माला, धूप, चंदन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है। यह ब्रजवासियों का मुख्य त्योहार है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई। उस समय लोग इन्द्र भगवान की पूजा करते थे तथा छप्पन प्रकार के भोजन बनाकर तरह-तरह के पकवान व मिठाइयों का भोग लगाया जाता था। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान कृष्ण ने एक लीला रची। एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे थे। श्री कृष्ण ने यशोदा मैया से प्रश्न किया कि आप लोग किन की पूजा की तैयारी कर रहे हैं । कृष्ण की बातें सुनकर यशोदा मैया बोली हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? यशोदा ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गायें तो वहीं चरती हैं। इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। श्रीकृष्ण के कहने पर सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी।

क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा के साथ सख्त होते तेवर

क्रिकेट विश्व कप में बांग्लादेश के साथ मैच में श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज को दो मिनट के भीतर क्रीज पर नहीं आने के कारण आउट करार देना का जो मामला हुआ है, उसके दो पहलू हैं। पहली बात यह है कि क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट देने के दस नियम हैं, जिनमें से एक टाइम आउट का भी है। टाइम आउट को लेकर दो बातें हैं। मेरीलेबोन मेलबॉर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की नियमावली के अनुसार, नये बल्लेबाज को पिछले बल्लेबाज के आउट होने के तीन मिनट के भीतर गेंद का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। आइसीसी हर टूनार्मेंट के लिए नियम और शर्तें बनाती हैं। इस साल के विश्व कप में टाइम आउट की अवधि दो मिनट रखी गयी है। इस प्रकरण का दूसरा पहलू यह है कि क्रिकेट को जेंटलमेन गेम कहा जाता है। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि खेल की भावना और परंपराओं का पालन किया जाता है। इसलिए अचरज की बात नहीं है कि क्रिकेट के 165 साल के इतिहास में किसी बड़े टूनार्मेंट में टाइम आउट नियम के तहत पहली बार किसी खिलाड़ी को आउट किया गया है। इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं इस तरह से आउट करना खेल भावना के विपरीत है, तभी तो पहले इस तरह आउट नहीं दिया गया। कई लोग, जो पुराने क्रिकेट, जिसे प्यूरिटन क्रिकेट कहा जाता है, के प्रेमी हैं, उनका मानना है कि यह गलत हुआ है। क्रिकेट इंग्लैंड से शुरू होकर ऑस्ट्रेलिया पहुंचा, फिर भारत और वेस्ट इंडीज पहुंचा। बीते दशकों में क्रिकेट का बड़ा विस्तार हुआ है। इस विश्व कप में हम देख रहे हैं कि अफगानिस्तान की टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अनेक देश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए दस्तक दे रहे हैं। इस तरह क्रिकेट भी एक ग्लोबल गेम बनने की दिशा में अग्रसर है। जो नयी टीमें आ रही हैं, उनका मानना है कि खेल एक तरह का युद्ध है। जैसा कि बांग्लादेश के कप्तान शकीब अल हसन ने कहा है। उनका यह भी कहना है कि वे सभी नियमों का पालन भी कर रहे हैं। इस टूनार्मेंट में बांग्लादेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। वह शायद पहली टीम है, जो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई है। बांग्लादेश के कप्तान के व्यवहार को लेकर दो-तीन साल से सवाल उठाये जा रहे हैं। किसी ने उन्हें बेटिंग को लेकर संपर्क किया था, जिसकी जानकारी उन्होंने आइसीसी को नहीं दी थी। उस पर विवाद हुआ था। अब सवाल यह है कि क्रिकेट में जो नया व्याकरण गढ़ा जा रहा है, क्या उसका असर दूसरी चीजों पर भी होगा। क्रिकेट में आउट करने का एक नियम मांकडिंग आउट का भी है। इसमें व्यवस्था यह है कि अगर गेंदबाज के गेंद फेंकने से पहले नॉन-स्ट्राइकिंग बल्लेबाज क्रीज से बाहर निकल जाता है, तो गेंदबाज विकेट पर गेंद मारकर उसे आउट कर सकता है। विश्व कप के एक पूर्व आयोजन में एक मैच में वेस्ट इंडीज के गेंदबाज कर्टनी वाल्श को ऐसा अवसर मिला था, पर उन्होंने बल्लेबाज को आउट करने की जगह उसे आगाह किया कि वह क्रीज से बाहर न निकले। उस मैच में वेस्ट इंडीज को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन क्रिकेट की खेल भावना के अनुरूप व्यवहार करने के लिए कर्टनी वाल्श और वेस्ट इंडीज की खूब सराहना हुई थी। लेकिन हमारे देश के गेंदबाज आर अश्विन का मानना है कि यह नियम है, तो उन्हें जब मौका मिलेगा, वे बल्लेबाज को इस तरह से आउट जरूर करेंगे। उनका कहना है कि अगर बल्लेबाज को आउट नहीं किया गया, तो वह रन लेने के लिए हमेशा आगे जाता रहेगा। लेकिन भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की राय इससे बिल्कुल अलग है। उनका कहना है कि ऐसा करना खेल भावना की दृष्टि से ठीक नहीं है। एक ही टीम में दो तरह के नजरिये हैं।

पाकिस्तान की फितरत!

पाकिस्तान ने सीमा पर अपनी जिस तरह की हरकतें जारी रखी हुई हैं, उससे उसकी मंशा साफ नजर आ रही है। हालांकि यह एक तरह से उसकी फितरत बन गई है कि वह नाहक ही भारत को उकसाने के लिए कभी भारतीय सीमा में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वालों को संरक्षण देता है तो कभी घुसपैठ करने में मदद करता है। भारत आमतौर पर ऐसी समस्या से अपने स्तर पर निपटता है और आतंकवाद का सामना करता है। लेकिन भारत की इसी सहनशीलता का फायदा पाकिस्तान उठाने की कोशिश करता है। अब उसका दुस्साहस इस कदर बढ़ चुका है कि बिना किसी उकसावे के वह भारतीय सीमा में नाहक ही गोलीबारी करना शुरू कर देता है। यानी एक तरह से युद्ध जैसे हालात पैदा करने की कोशिश करता है। बुधवार को देर रात जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी रेंजरों ने बेवजह ही गोलीबारी शुरू कर दी। इसका सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मगर पाकिस्तानी गोलीबारी की जद में आने की वजह से एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई।यह कोई पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह की बेलगाम और अराजक हरकत की हो। फिलहाल द्विपक्षीय सहमति के बावजूद पिछले चौबीस दिनों में यह तीसरी बार है जब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से नियमों को ताक पर रख कर युद्ध विराम का उल्लंघन किया गया। गौरतलब है कि 25 फरवरी 2021 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था। तब से बिना किसी उकसावे के पाकिस्तान की सीमा के भीतर से भारत की ओर नाहक गोलीबारी की यह छठी घटना है। हाल ही में जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने करीब सात घंटे तक लगातार गोलीबारी की थी।

Social Media Corner

सच के हक में...

मध्य प्रदेश सहित देशभर के आदिवासी भाई-बहनों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार कल जनजातीय गौरव दिवस पर 24 हजार करोड़ रुपयों की एक बड़ी योजना शुरू करने जा रही है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक भाई दूज के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। आज भगवान चित्रगुप्त पूजा के शुभ अवसर पर सभी को ढेरों बधाई और शुभकामनाएं। आप सभी सुखी, समृद्ध और स्वस्थ हों, यही कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

धनबाद के केंदुआ बाजार स्थित एक दुकान में आग लगने से एक परिवार के तीन लोगों की मृत्यु एवं कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना से मन व्यथित है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भारत में 2.55 करोड़ की इलेक्ट्रिक कार इलेक्ट्रे पेश

ब्रिटिश कंपनी लोटस ने बाजार में मारी धांसू एंट्री

नई दिल्ली ।

ब्रिटिश कार निर्माता लोटस ने भारत में अपनी शुरुआत 2.55 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रिक कार इलेक्ट्रे एसयूवी को उतार कर की है। लोटस ने भारतीय कार बाजार में आधारिक रूप से कारें बेचना शुरू कर दिया है। लोटस एलेट्रे देश में उपलब्ध सबसे पॉवरफुल और महंगी इलेक्ट्रिक एसयूवी बन गई है। कंपनी ने अपना पहला शोरूम दिल्ली में खोला है। ये ऑल इलेक्ट्रिक एसयूवी हाइपर एसयूवी तीन विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें एलेट्रे, एलेट्रे एस, और एलेट्रे आर मॉडल शामिल हैं। मॉडल को ब्रांड के आधिकारिक बिक्री भागीदार, एक्सक्लूसिव मोटर्स, नई दिल्ली के माध्यम से देश भर में बेचा जाएगा। लोटस एलेट्रे के एक्सटीरियर की बात करें तो, बाहर की तरफ इसका डिजाइन बहुत आक्रामक है।

इसमें चौड़े फ्रंट प्रोफाइल पर चिकने और तीर के आकार के डीआरएल हैं। कार के सामने एक्टिव ग्रिल और चौड़े एयर डैम के साथ स्प्लिट हेडलैंप सेटअप दिया गया है। इसमें काले रंग की छत, चंकी ब्लैक-आउट व्हील और 22-इंच 10-स्पोक अलॉय व्हील्स मिलते हैं। इसमें ग्राहक 20 और 23 इंच के अलॉय व्हील का विकल्प भी चुन सकते हैं। लोटस एलेट्रे को छह रंग विकल्पों में उपलब्ध किया गया है जिसमें नैट्रॉन रेड, गैलोवे ग्रीन, स्टेलर ब्लैक, कैमू ग्रे, ब्लॉसम ग्रे और सोलर येलो शामिल हैं। इंटीरियर में लोटस हाइपर ओएस के साथ 15.1 इंच के फोल्डेबल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। इसके अलावा चार-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 12-वे इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टिबल फ्रंट सीट और एक वायरलेस चार्जर भी मिलता है। इसके अलावा अडास सुइट, एयर प्यूरीफायर, मल्टी-कलर एम्बिएंट लाइटिंग और 15-स्पीकर केईएफ-सोर्स्ड साउंड सिस्टम जैसी सुविधाएं भी ऑफर की गई हैं। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी चार और पांच-सीटर कॉनफ़िगरेशन में आ सकती है। अधिक शक्तिशाली एलेट्रे आर को डुअल-मोटर सेटअप और दो-स्पीड ट्रांसमिशन यूनिट के साथ जोड़ा गया है, जो 900ङ्घएचपी से अधिक के पावर आउटपुट और 985 एनएम टॉर्क के साथ 490 किमी की ड्राइविंग रेंज प्रदान कर सकता है। लोटस एलेट्रे में कंपनी ने 112केडब्ल्यूएच स्टैंडर्ड बैटरी पैक यूनिट का इस्तेमाल किया है। इलेक्ट्रे और इलेक्ट्रे एस एक डुअल मोटर सेटअप से लैस हैं जो 600बीएचपी और 710एनएम टॉर्क पैदा करते हुए फुल चार्ज पर 600 किमी की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम हैं।

महाराष्ट्र में पेट्रोल और डीजल महंगा, गुजरात में गिरे दाम

ब्रेंट क्रूड हल्की तेजी के साथ 82.52 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की तेजी दिखाई दे रही है। मंगलवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड 78.48 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.52 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 79 पैसे और डीजल 76 पैसे महंगा हो गया है। बिहार में पेट्रोल की कीमत में 52 और डीजल के दाम में 48 पैसे का इजाफा दिख रहा है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, पंजाब और तमिलनाडु में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में तेजी नजर आ रही है। दूसरी ओर गुजरात में पेट्रोल 38 पैसे और डीजल 41 पैसे सस्ता हो गया है। हरियाणा में भी पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपये और डीजल 94.25 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

निजी क्षेत्र की सुस्त प्रतिक्रिया, कपड़ा क्षेत्र की पीएलआई में होगा बदलाव

श्रम आधारित कपड़ा क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली ।

कपड़ा क्षेत्र के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में निजी क्षेत्र की कंपनियों की सुस्त प्रतिक्रिया की वजह से सरकार इसमें ज्यादा लचीलापन लाकर आकर्षक बनाने पर जोर दे रही है। इससे श्रम आधारित कपड़ा क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। कपड़ा मंत्रालय ने इस योजना के तहत और उत्पादों को शामिल करने के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी मांगी है। कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को दो साल पहले लाया गया था, जिसका उद्देश्य मानव निर्मित परिधान और तकनीकी टेक्सटाइल के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इसके लिए 10,683 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। मानव निर्मित कपड़े में विस्कस, पॉलिएस्टर, एक्रिलिक शामिल हैं, जिसे रसायनों से बनाया जाता है। निर्यातक मानते हैं कि इस समय देश के कुल परिधान निर्यात में मानव निर्मित कपड़ों के परिधानों की हिस्सेदारी करीब 20 फीसदी है। तकनीकी टेक्सटाइल में नए जमाने के कपड़े शामिल हैं, जिसका उपयोग पीपीई किट, एयरबैग, बुलेटप्रूफ जैकेट के उत्पादन में किया जा सकता है। साथ ही इसका उपयोग विमानन, रक्षा एवं बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भी किया जा सकता है। जानकारों के मुतो बिक मानव निर्मित कपड़ों के एचएसएन कोड के दायरे में ज्यादा से ज्यादा श्रेणियों को शामिल करने के लिए पीएलआई योजना में अधिक लचीलापन प्रदान करने के मकसद से कैबिनेट प्रस्ताव जारी किया गया है। एचएसएन कोड में ज्यादा लचीलापन लाने के प्रस्ताव का निर्णय इसलिए किया गया है, क्योंकि कपड़ा उद्योग में फैशन तथा कपड़ों की मांग तेजी से बदलती रहती है। इसलिए प्रोत्साहन को चुनिंदा कपड़ा श्रेणियों तक सीमित रखना समझादारी नहीं है।

विदेशी कारोबार चीन से निकाल रहे पैसा : रिपोर्ट

सिंगापुर।

विदेशी कारोबार तेजी से चीन से पैसा निकाल रहे हैं और वहां निवेश कम कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए यह कहा गया है।बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की धीमी होती अर्थव्यवस्था, कम ब्याज दरें और अमेरिका के साथ भू-राजनीतिक खींचतान ने इसकी आर्थिक क्षमता पर संदेह पैदा कर दिया है। इस सप्ताह सभी की नजर चीन और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच होने वाली अहम बैठक पर होगी। इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) के निक मैरो ने कहा, भूराजनीतिक जोखिम, घरेलू नीति में अनिश्चितता और धीमी वृद्धि के बारे में चिंताएं कंपनियों को वैकल्पिक बाजारों के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने सितंबर के अंत तक तीन महीनों में विदेशी निवेश में 11.8 बिलियन डॉलर की कमी दर्ज की। 1998 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। इससे पता चलता है कि विदेशी कंपनियां अपना मुनाफा चीन में दोबारा निवेश नहीं कर रही हैं, बल्कि वे पैसा देश से बाहर ले जा रही हैं।स्विस औद्योगिक मशीनरी निर्माता ऑरलिकॉन के एक प्रवक्ता का कहना है, चीन इस समय धीमी वृद्धि का सामना कर रहा है और इसमें कुछ सुधार करने की जरूरत है। प्रवक्ता कहते हैं, 2022 में, हम पहली कंपनी थे जिसने कहा था कि चीन में आर्थिक मंदी का असर हमारे कारोबार पर पड़ेगा। परिणामस्वरूप, हमने इन प्रभावों को कम करने के लिए उपायों को लागू करना शुरू कर दिया।कंपनी के लिए चीन एक प्रमुख बाजार बना हुआ है। देश भर में इसके करीब 2,000 कर्मचारी हैं, जो इसकी बिक्री का एक तिहाई से अधिक हिस्सा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ऑरलिकॉन ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में चीनी अर्थव्यवस्था में अभी भी लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।

जयप्रकाश एसोसिएट्स ने 18.9 करोड़ शेयर हस्तांतरित करने के लिए आईसीआईसीआई बैंक के साथ समझौता किया

नई दिल्ली।

जयप्रकाश एसोसिएट्स ने अपने कर्ज को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर देने के उद्देश्य से कंपनी के 18.93 करोड़ इक्विटी शेयर रखने वाले ट्रस्टों के साथ ऋणदाता को उक्त शेयर हस्तांतरण के लिए आईसीआईसीआई बैंक (ऋणदाता) के साथ समझौता किया है। कंपनी ने कहा, ÷उन शेयरों का मूल्य/प्रतिफल ऋणदाता के डीमैट खाते में शेयरों के वास्तविक हस्तांतरण के दिन से एक दिन पहले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड में समापन मूल्य के आधार पर निकाला जाएगा। कंपनी ने पहले कहा था कि कंपनी की कुल उधारी (ब्याज सहित) 29,272 करोड़ रुपये है, जिसे 2037 तक चुकाना होगा, जिसके मुकाबले 31.10.2023 तक केवल 4,258 करोड़ रुपये अतिदेय है। 29,272 करोड़ रुपये की उक्त उधारी में से 18,682 करोड़ रुपये प्रस्तावित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को हस्तांतरित करने पर और कम हो जाएंगे, जिसके लिए सभी हितधारकों द्वारा विधिवत अनुमोदित व्यवस्था की योजना एनसीएलटी की मंजूरी के लिए लंबित है। एक जिम्मेदार उधारकर्ता के रूप में कंपनी उधारी कम करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। सीमेंट व्यवसाय के प्रस्तावित विनिवेश और विचाराधीन पुनर्गठन के बाद संशोधित पुनर्गठन योजना के कार्यान्वयन पर उधार लगभग शून्य हो जाएगा।

टाटा स्टील डच संयंत्र में 800 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ने कहा कि वह लागत कम करने के लिए नीदरलैंड्स में अपने संयंत्र में लगभग 800 कर्मचारियों की छंटनी करने पर` विचार कर रही है। कंपनी प्रदूषण कम करने के लिए हरित प्रौद्योगिकी अपना रही है। एम्स्टर्डम से लगभग 30 किमी दूर समुद्री तट पर स्थित इज्म्यूडेन फैक्ट्री में वर्तमान में लगभग 9,200 कर्मचारी हैं। कंपनी ने कहा कि टाटा स्टील द्वारा अपनी बाजार स्थिति सुधारने और लागत में कटौती करने के सभी प्रयासों के बावजूद और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। बयान में इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला गया है कि एक स्वच्छ कंपनी में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए जा रहे हैं। टाटा स्टील फैक्ट्री को नीदरलैंड के कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के लगभग सात प्रतिशत के लिए दोषी ठहराया जा रहा है, जो इसे देश का सबसे बड़ा प्रदूषक बनाता है। टाटा स्टील ने कहा कि वह 2030 तक कोयले और लौह अयस्क पर आधारित उत्पादन को धातु स्क्रैप और हाइड्रोजन पर चलने वाले अवन से बदलने की योजना बना रही है।

गोल्डमैन सैक्स चीन को लेकर नकारात्मक,भारत को लेकर आशावादी

मुंबई । गोल्डमैन सैक्स को लगता है कि हांगकांग में चीन के शेयर इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, इसकारण उन्होंने उन्हें डाउनग्रेड कर दिया। दूसरी ओर, उन्होंने भारतीय शेयरों को अपग्रेड किया क्योंकि उन्हें वहां संभावनाएं दिखती हैं। टिमोथी मो सहित गोल्डमैन सैक्स के विशेषज्ञों का मानना है कि एशिया में कंपनियां कितना पैसा कमाती हैं, यह निवेश रिटर्न को प्रभावित करने वाला मुख्य फैक्टर होगा, क्योंकि समग्र आर्थिक स्थिति की तुलना में कीमतें ठीक हैं। गोल्डमैन सैक्स ने हांगकांग में लिस्टेड चीनी कंपनियों के लिए अपनी रेटिंग घटाकर औसत स्तर पर कर दी और हांगकांग की कंपनियों के लिए अपनी रेटिंग औसत से नीचे कर दी। वॉल स्ट्रीट बैंक इस साल चीनी शेयरों को लेकर कम आशावादी रहा है और उसने अपनी उम्मीदें कई गुना कम कर दी हैं। अगस्त में, उन्होंने पूरे साल के लिए एमएससीआई चीन इंडेक्स के लिए अनुमानित आय वृद्धि को कम कर दिया और अगले 12 महीनों के लिए इंडेक्स टार्गेट भी कम कर दिया। तब से, इंडेक्स लगभग 3 प्रतिशत गिर गया है। विशेषज्ञों ने कहा, गोल्डमैन सैक्स अभी भी चीनी ऑनशोर शेयरों को लेकर सकारात्मक है। उनका मानना है कि एआई और नए इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे हाई प्रोडक्टिविटी और आत्मनिर्भरता वाले सेक्टर पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने वाले चीन से जुड़े क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऑनशोर मार्केट में सफलता की अच्छी संभावनाएं हैं, जिन्हें 'अल्फा' अवसर कहा जाता है। ये अवसर आवास मुद्दों, बहुत सारे लोन और बहुत अच्छी जनसांख्यिकी नहीं होने से धीमी वृद्धि की चुनौतियों को संतुलित करने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में इस क्षेत्र में सबसे मजबूत लॉनिग टर्म ग्रोथ होगी, अगले दो सालों में कमाई लगभग 15 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत का बाजार आकर्षक है क्योंकि यह मुख्य रूप से घरेलू विकास पर निर्भर करता है।

स्काई वन एयरलाइंस ने लीबियाई एयरलाइन फ्लाई ओया का अधिग्रहण करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

स्काई वन ने दुबई एयरशो में लीबियाई एयरलाइन फ्लाई ओया का अधिग्रहण करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।स्काई वन के अध्यक्ष जयदीप मीरचंदानी ने नए अधिग्रहण के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, फ्लाई ओया बड़ी संपत्ति के साथ एक महत्वपूर्ण संपत्ति है जिसे हमने हासिल किया है। आगे कहा, सके अतिरिक्त एयरलाइन ने सुरक्षा, अखंडता और टीम वर्क मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है जो स्काई वन के मूल सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। यह अधिग्रहण निरंतर गुणवत्ता सुधार और उच्चतम ग्राहक संतुष्टि के हमारे दृष्टिकोण में योगदान देगा। हम विमानन उद्योग में एक सुस्थापित और अत्यधिक सम्मानित नेता स्काई वन के साथ हाथ मिलाकर रोमांचित हैं। यह साझेदारी हमारे लिए कई नए अवसर और संभावनाएं खोलती है। फ्लाई ओया के अध्यक्ष ओसामा अबूक्राज़ा ने कहा, साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य अपनी सेवाओं को बढ़ाना और अपने यात्रियों को असाधारण अनुभव प्रदान करना जारी रखना है। भविष्य आशाजनक लग रहा है, और हम स्काई वन के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। लीबिया स्थित एयरलाइन फ्लाई ओया ने जुलाई 2023 में यात्रियों को त्रिपोली से दुबई तक पहुंचाया, जो दो अरब शहरों के बीच कनेक्टिविटी के नौ साल के अंतराल को चिह्नित करता है। लीबिया के भीतर तीन गंतव्यों त्रिपोली, सेभा और घाट के अलावा फ्लाई ओया वर्तमान में अलेक्जेंड्रिया, दुबई, जेद्दा और इस्तांबुल के लिए उड़ान भरती है।

विश्व मधुमेह दिवस पर बीटो ने भौतिक क्लीनिक सहयोग में प्रवेश किया

नई दिल्ली.

मधुमेह नियंत्रण और उपचार पर ध्यान केंद्रित करने वाले भारत के अग्रणी डिजिटल स्वास्थ्य मंच बीटओ ने मंगलवार को घोषणा की कि वह कई सूक्ष्म बाजारों में अग्रणी डॉक्टरों के साथ सहयोग करके भौतिक टचप्वाइंट लॉन्च करेगा।

यह कदम बीटो को भारत के अग्रणी फिजिटल मधुमेह देखभाल प्रदाता के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है, जो भौतिक और डिजिटल दोनों दुनिया के सर्वोत्तम संयोजन का संयोजन करेगा। मंगलवार को विश्े व मधुमेह दिवस के अवसर पर दिल्ली-एनसीआर में पांच ऐसे क्लीनिकों के शुभारंभ के साथ बीटओ जल्द ही अगले छह महीनों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा के प्रमुख शहरों को कवर करेगा। बीटो ऐप बनाने के बाद, जो बीस लाख से ज्यादा मधुमेह उपयोगकर्ताओं को उत्पादों और डिजिटल सेवाओं (संरचित मधुमेह नियंत्रण और छूट कार्यक्रमों सहित) के साथ सशक्त बनाता है, बीटो उन रोगियों के लिए उपलब्ध विकल्पों की सीमा को बढ़ाकर एक कदम आगे बढ़ा रहा है, जिन्हें मधुमेह नियंत्रण और उपचार आहार में शारीरिक टचप्वाइंट की जरूरत होती है। ये क्लीनिक जांच और नैदानिक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करेंगे, जिससे बीटओ भौतिक और आभासी दोनों सेटिंग में मरीजों को 360 डिग्री तक कवर करने में सक्षम होगा। अपेक्षाकृत जटिल परिस्थितियों वाले रोगियों को शामिल करते समय एक भौतिक दृष्टिकोण विशेष रूप से उपयोगी होगा, जहां एक भौतिक दौरे के बाद डिजिटल परामर्श के साथ व्यापक, सुविधाजनक और सक्रिय देखभाल सुनिश्चित की जा सकती है। साथ ही, बीटओ कस्टम-निर्मित फ्रंट-एंड और बैक-एंड प्रौद्योगिकी समाधानों को तैनात करके और सहयोगी अनुसंधान और प्रकाशनों के अवसर पैदा करके नेटवर्क प्रथाओं में मूल्य जोड़ देगा। इसके अलावा, बीटओ और ये सहयोगी प्रथाएं ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से स्थानीय शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाएंगे।

हमारा प्राथमिक लक्ष्य रोगी देखभाल का एक मानक स्थापित करना है, जो चिकित्सकीय रूप से संचालित, सुलभ और किफायती हो। हमने पहले ही डिजिटल माध्यमों से अपने उपयोगकर्ताओं के जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। बीटओ के संस्थापक और सीईओ गौतम चोपड़ा ने सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, यह पहल अगला कदम है और हमारी रोगी आबादी की सेवा करने की हमारी क्षमताओं को और गहरा करेगी। साथ ही, हम लचीली मानसिकता के साथ अपने साझेदार क्लीनिकों में मूल्य जोड़ने का प्रयास करेंगे। असाधारण मधुमेह देखभाल प्रदान करने के लिए बीटओ की प्रतिबद्धता उनके सकारात्मक नैदानिक परिणामों में परिलक्षित होती है, जिसमें केवल तीन महीनों में औसतन अनुमानित एचबीए1सी में 2.16 प्रतिशत की कमी और हाइपोग्लाइकेमिक एपिसोड में 81 प्रतिशत की कमी और कोलेस्ट्रॉल का स्तर में 15 मिलीग्राम/डीएल से अधिक की कमी शामिल है। ये नतीजे बीटो के चिकित्सकीय नेतृत्व वाले दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हैं, जिसमें उनके नेटवर्क में अग्रणी मधुमेह विशेषज्ञ शामिल हैं।

आयकर विभाग फार्मा कंपनियों की ले रहा तलाशी

हैदराबाद । आयकर (आईटी) विभाग सोमवार को हैदराबाद में कुछ फार्मा कंपनियों के परिसरों पर तलाशी ले रहा है। आईटी अधिकारियों की कम से कम 10 टीमों ने हैदराबाद और उसके आसपास फार्मा कंपनियों के निदेशकों के घरों और कार्यालयों पर तलाशी शुरू की। कथित तौर पर कर चोरी की शिकायतों पर आयकर अधिकारी वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। आरसी पुरम के नागुलापल्ली, अमीनपुर के पटेलगुडा और गाचीबोवली में तलाशी ली जा रही है। आईटी अधिकारी गाचीबोवली क्षेत्र के महंगे अपार्टमेंट, माई होम भूजा में फार्मा कंपनियों के कुछ शीर्ष अधिकारियों के फ्लैटों की तलाशी ले रहे हैं।

थ्रेड्स यूजर्स अब अपना पोस्ट इंस्टाग्राम व एफबी से रख सकते हैं दूर

उपयोगकर्ता अब किसी पोस्ट पर लाइक या व्यूज पर क्लिक कर रीपोस्ट देख सकेंगे

सैन फ्रांसिस्को ।

मेटा के थ्रेड्स उपयोगकर्ता अब अपने पोस्ट को इंस्टाग्राम और फेसबुक प्लेटफॉर्म से दूर रख सकते हैं। कई थ्रेड्स उपयोगकर्ताओं ने कहा कि प्लेटफ़ॉर्म अब उन्हें इंस्टाग्राम या फेसबुक पर अपने पोस्ट सुझाए जाने से ऑप्ट-आउट करने की अनुमति देता है। रिपोर्ट के अनुसार मेटा स्पष्ट रूप से इस नए थ्रेड्स फीचर को धीरे-धीरे सभी उपयोगकर्ताओं के लिए जारी कर रहा है। थ्रेड्स पोस्ट को अन्य मेटा प्लेटफ़ॉर्म पर दिखने से रोकने के लिए, थ्रेड्स ऐप के शीर्ष दाईं ओर दो पंक्तियों, गोपनीयता, अन्य ऐप्स पर सुझाव पोस्ट पर टैप करें। इस बीच इंस्टाग्राम के प्रमुख एडम मोसेरी ने थ्रेड्स के वेब संस्करण पर कुछ नई सुविधाओं की घोषणा की है, इसमें कॉपी और पेस्ट विकल्प और कई पोस्ट जोड़ने का विकल्प शामिल है। उपयोगकर्ता अब अपने पोस्ट में मीडिया अटैचमेंट को कॉपी और पेस्ट या ड्रैग और ड्रॉप कर सकते हैं और प्रकाशन से पहले एक थ्रेड में कई पोस्ट जोड़ सकते हैं। इसके अलावा मोसेरी ने उल्लेख किया है कि उपयोगकर्ता अब किसी पोस्ट पर लाइक या व्यूज पर क्लिक करके उद्धरण और रीपोस्ट देख सकेंगे। मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग के अनुसार थ्रेड्स के अब 100 मिलियन से अधिक मासिक सक्रिय

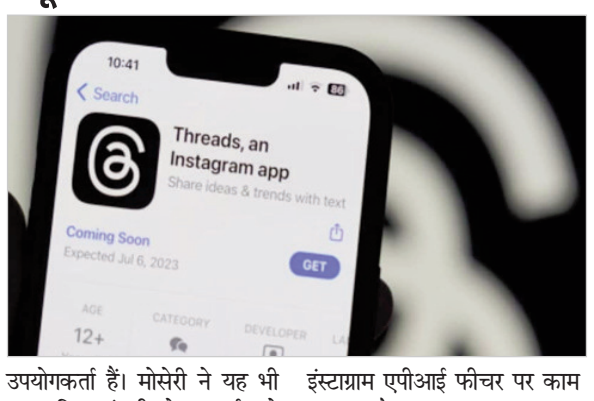

उपयोगकर्ता हैं। मोसेरी ने यह भी कहा कि कंपनी डेवलपर्स को एक्स प्रतिद्वंद्वी के आसपास विभिन्न ऐप और अनुभव बनाने में मदद करने के लिए थ्रेड्स एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (एपीआई) पर काम कर रही है।

एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम एपीआई फीचर पर काम कर रहा है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मेरी चिंता यह है कि इसका मतलब बहुत अधिक प्रकाशक सामग्री होगा और बहुत अधिक निर्माता सामग्री नहीं, लेकिन यह अभी भी ऐसा लगता है कि हमें कुछ करने की ज़रूरत है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 को टक्कर देने भारतीय बाजार में टोयोटा उतरेगी एसयूवी

मुंबई । टोयोटा अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लाने की तैयारी कर रही है, फिलहाल 34ओडी कोडनेम दिया है। टोयोटा जल्द ही गाड़ी की टेस्टिंग शुरू कर सकती है। भारतीय बाजार में यह गाड़ी महिंद्रा एक्सयूवी 700 को टक्कर देगी। टोयोटा की नई गाड़ी में कोरोला क्रॉस वाला 2.0-लीटर का 3-सिलेंडर, सिंगल-स्क्रॉल, टर्बोचार्ज्ड इंजन मिल सकता है, जो 304एचपी की अधिकतम पावर और 370एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और ऑल-व्हील-ड्राइव सिस्टम के साथ जोड़ा जा सकता है। टोयोटा 34ओडी में स्पोर्ट्स वाली सीटें, एल्यूमीनियम पैडल, प्रीमियम डैशबोर्ड, एक बड़ा सेंट्रल कंसोल और मल्टीफंक्शन स्टीयरिंग व्हील, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सिल्वर एयरकॉन वेंट्स और लेटेस्ट कनेक्टिविटी को सपोर्ट करने वाला फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है।

थोक मूल्य मुद्रास्फीति अक्टूबर में लगातार सातवें महीने नकारात्मक

नई दिल्ली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित देश की मुद्रास्फीति दर अक्टूबर में लगातार सातवें महीने नकारात्मक क्षेत्र में (-) 0.52 प्रतिशत रही, क्योंकि खाद्य पदार्थों, रासायनिक उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में गिरावट आई।क्रमिक रूप से, थोक कीमतों में और गिरावट आई है, क्योंकि सितंबर के लिए थोक मुद्रास्फीति का अनुमान (-) 0.26 प्रतिशत था। पछले साल अक्टूबर में डब्ल्यूपीआई 8.67 फीसदी पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा,अक्टूबर, 2023 में मुद्रास्फीति की नकारात्मक दर मुख्य रूप से पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में रसायनों और रासायनिक उत्पादों, बिजली, कपड़ा, बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में गिरावट के कारण है।

ऐसे बढ़ेंगे सफलता की ओर कदम...

जीवन में आगे बढ़ने हेतु व्यक्ति निरंतर प्रयासरत रहता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसे प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को निरंतर मेहनत करनी ही होती है। किसी मुकाम पर पहुंचने के लिए व्यक्ति को अपनी मंजिल का भी पता होना चाहिए। इसके बगैर किया गया प्रयास व्यक्ति को असफलता की ओर ही ले जाता है।

सफल होने के लिए एकाग्रता का होना जरूरी है। एकाग्रता यानी किसी भी एक ही विषय-विशेष पर पूर्ण ध्यान दिया जाना। किसी व्यक्ति को तब तक सफलता नहीं मिल सकती, जब तक कि वह एकाग्र न हो। बिना रुचि के एकाग्र होना काफी मुश्किल है।

समय का महत्व समझें

सफलता प्राप्ति में समय का काफी महत्व है। जिसने समय के महत्व को जान लिया उसने सब कुछ पा लिया। अत- किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समय-प्रबंधन जरूर करें। किसी विद्वान ने ठीक ही कहा है कि मैंने समय को खोया, समय ने मुझे। इसी से पता चलता है कि समय कितना कीमती है। यह भी कहा गया है कि समय ही सोना है अत- समय को बरबाद न करें।

अपनी शक्ति-सामर्थ्य का पता करें

अपनी शक्ति-सामर्थ्य का हमें पता होना चाहिए। हमेशा लक्ष्य ऐसा चुनें, जो अपनी शक्ति- सामर्थ्य में हो। कभी भी ऐसा लक्ष्य चुनने की गलती नहीं करें, जो स्वयं की शक्ति-सामर्थ्य से बाहर हो। उदाहरण के लिए किसी की रुचि कला विषय लेकर दर्शन शास्त्र में सफलता प्राप्त करने की हो तो उसे जबरदस्ती इंजीनियरिंग या डॉक्टरी के लिए प्रयास नहीं करना चाहिए। नहीं तो असफलता ही हाथ लगेगी।

कर्म करते रहें

व्यक्ति को सफलता प्राप्ति हेतु कर्म करते रहना चाहिए, क्योंकि इसी में क्रिया और उसका परिणाम दोनों शामिल हैं। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा है कि कर्म मानव स्वतंत्रता की शाश्वत घोषणा है। हमारे विचार, शब्द और कर्म वे धागे हैं जिनसे हम अपने चारों ओर एक जाल बुन लेते हैं। हमें अपना कार्य सही व श्रेष्ठ दिशा में ही करना चाहिए। सही का सही और गलत दिशा का परिणाम भी गलत ही होता है।

आशावादी बने रहें

व्यक्ति को हमेशा आशावादी ही बने रहना चाहिए। नकारात्मक विचार कभी भी मन में न लाएं। नकारात्मक विचारों से आत्मविश्वास कम होता है अत- हमेशा आशावादी दृष्टिकोण ही अपनाएं। इस बारे में काफी पुरानी एक कहावत भी है कि मन जीते जीत है और मन के हारे हार। अत- सकारात्मक चिंतन श्रेष्ठ रहेगा।

जी-जान से भिड़ जाएं

एक बार मंजिल तय हो जाने के बाद आप जी-जान से सफलता प्राप्ति हेतु भिड़ जाएं। इसमें कोताही बरतना आपके लिए उचित नहीं कहा जाएगा। अपने इरादों पर दृढ़ रहें व डिगें नहीं। कई बार इसमें असफलता के अवसर भी आ सकते हैं किंतु आप अपने दृढ़ संकल्प से उस पर पार पा लेंगे। आप ऐसा ही विश्वास बनाए रखें।

ईश्वर से प्रार्थना भी करें

ईश्वर से प्रार्थना का भी अपना महत्व है। ईश प्रार्थना से हृदय व मन-मस्तिष्क के तार भी झंकृत होते हैं। अनुसंधानों में भी पाया गया है कि नियमित मंदिर जाने तथा भगवान की प्रार्थना करने वाले हमेशा आशावादी बने रहते हैं, क्योंकि उनके मन में यह भाव रहता है कि ईश्वर मेरे साथ है। यह भाव सकारात्मकता की ओर ले जाता है।

इस प्रकार के कुछ टिप्स अपनाकर आप भी एक सफल व्यक्ति बन सकते हैं। तो फिर देर किसी बात की? हो जाइए आप तैयार और अपनी मंजिल की ओर कदम बढ़ा दीजिए।

ये हैं सफलता के मंत्र

पढ़ाई में टॉपर बनना आपका सपना है तो इस सपने को आप मेहनत से हकीकत में बदल सकते हैं। इन सक्सेस मंत्रों को अपनाकर प्रतियोगी परीक्षा और एक्जाम में सफल हो सकते हैं।

कड़ी मेहनत

सफलता हासिल करने का पहला मंत्र है कड़ी मेहनत। मेहनत का कोई शॉर्टकर्ट नहीं होता। यदि अपने पाठ्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार कड़ी मेहनत करते हैं तो उसका फायदा मिलता ही है।

खुश रहें

किसी भी परीक्षा की तैयारी के दौरान नकारात्मक विचारों से दूर रखें। हमेशा पॉजीटिव थिकिंग रखें। हमेशा खुश रहने की कोशिश करें।

फोकस बनाए रखें

बिना फोकस बनाकर कई घंटे पढ़ाई करने से अच्छा है कि कुछ घंटे ध्यान लगाकर पढ़ाई करें। कुछ देर ही सही पर मन को एकाग्र रखकर पढ़ाई करें।

सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करें

हमेशा जीवन में बड़े सपने देखें और लागं टर्म गोल बनाएं। जब भी ऐसा लगे कि आप हार रहे हैं तो अपने सपनों को याद करें। खुद को यह अहसास दिलाएं कि सफने इतने कीमती हैं कि ऐसा संघर्ष उन सपनों के सामने कुछ भी नहीं है।

धागों से बुनिए अपना कॅरियर

अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनर बनना चाहते हैं,तो आपका काम काफी हद तक फैशन डिजाइनर की तरह ही होता है। क्योंकि इस क्षेत्र में भी आपको अलग-अलग फैब्रिक से एक डिफरेंट फैब्रिक डिजाइंस तैयार करना होता है। अगर आपके पास कुछ कर दिखाने का जज्बा है,तो इस क्षेत्र में खूब नाम भी कमा सकते हैं।

टेक्सटाइल डिजाइनिंग का कोर्स करके आप शानदार कॅरियर बना सकते हैं। इसमे जॉब के काफी अवसर हैं। इसके साथ ही टेक्सटाइल डिजाइनिंग का कोर्स करके आप विदेशों में भी आसानी से जॉब पा सकते हैं। आज विदेशों में भी भारतीय कपड़े और डिजाइन की भारी मांग बढ़ी है। यही वजह है कि यहां टेक्सटाइल डिजाइनिंग का काम तेजी से लोकप्रिय हुआ है। आज के दौर में टेक्सटाइल में कॅरियर बनाने वालों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। आज फैशन इंडस्ट्री में यह बेहतर करियर ऑप्शन के तौर पर देखा जाने लगा है। यही नहीं,इस फील्ड में अब मॉडर्न टेक्नोलॉजी भी इस्तेमाल होने लगी हैं,जिन्हें सीखने व समझने के लिए टेक्सटाइल कोर्स की जरूरत पड़ती है। अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनर बनना चाहते हैं,तो आपका काम भी काफी हद तक फैशन डिजाइनर की तरह ही होता है। इसमें आपको फैब्रिक पर डिफरेंट डिजाइंस आदि को अपनी क्रिएटिविटी के साथ पेश करना होता है। इसके लिए बुनाई से लेकर डिफरेंट थ्रेड कॉम्बिनेशन की नॉलेज होना बेहद जरूरी है। इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाह रहे हैं तो इसके काम का व्यावहारिक प्रशिक्षण जरूरी है।

इनकम के साधन

डिजाइनर कलर एक्सपर्ट के तौर पर टेक्सटाइल कंपनी में ज्वॉइन कर सकता है। यहां तक कि नौकरी के चांस डिजाइन स्टूडियो,कपड़ा मिल और एक्सपोर्ट हाउस में भी खूब हैं। इसके अलावा,डिजाइनर सरकारी और निजी फर्म में भी फ्रीलांस काम कर सकता है। टेक्सटाइल डिजाइनर कपड़ा निर्माण उद्योग में भी कुटीर उद्योग व लघु उद्योग में काम कर सकता है।

कपड़े की समझ जरूरी

टेक्सटाइल डिजाइनिंग का क्षेत्र कपड़ों से जुड़ा क्षेत्र है,जिसमें आपको हर कपड़े को बारीकी से समझना होता है। टेक्सटाइल डिजाइनर को कपड़े,छपाई,रंगाई,कलाकारी और डिजाइन प्रोसेस आदि की नॉलेज होना बेहद जरूरी है। साथ ही कपडे के रेशे व सूत के बारे में भी जाने।

कौशल और कोर्स

टेक्सटाइल डिजाइनर बनने के लिए कुछ पर्सनल क्वॉलिटीज जरू री है जैसे- अलग-अलग डिजाइनिंग के फील्ड में व्यक्ति की रूचि या फिर उसकी ड्रॉइंग बहुत ही अच्छी हो। इसके अलावा,उसे फैशन व ट्रेंड की नॉलेज है,तो उसके लिए इस फील्ड में काफी अवसर हैं। आपको इसका भी ध्यान रखना है कि लोगों की जरूरत क्या है और वे क्या चाहते हैं। अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनिंग में कॅरियर बनाना चाहते हैं,तो आपका बारहवीं पास होना जरूरी है। टेक्सटाइल में डिग्री कोर्स करने वाले और बीएससी होम साइंस वाले स्टूडेंट को एमएससी कपड़ा डिजाइनिंग में एडमिशन मिल जाता है।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी,नई दिल्ली।
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी,दिल्ली।
एकेडमी ऑफ फैशन स्टडीज,नई दिल्ली।
इंटर नेशनल वुमन पॉलीटेक्नीक,नई दिल्ली।

ऐसा करें कि बने आपकी पहचान

अक्सर लोग ऑफिस या कंपनी में अपने कार्य से अपनी पहचान नहीं बना पाते। जिस पद पर रहते हैं, उससे ऊंचा पद पाने की कोशिश ही नहीं करते। सफलता के लिए संघर्ष करने का जज्बा उनके मन में नहीं रहता।

वह सब कुछ उस बाज के बच्चे की तरह है जो जीवन भर मुर्गी के बच्चों के बीच अपनी पहचान की तलाश करता रहा। एक बाज का अंडा मुर्गी के अंडों के बीच आ गया। कुछ दिनों बाद उन अंडों में से चूजे निकले। बाज का बच्चा भी मुर्गी के उन चूजों के साथ बड़ा होने लगा। उसका व्यवहार भी मुर्गी के बच्चों की तरह हो गया। वह भी मुर्गी के बच्चों जितना ही उड़ पाता। थोड़ी देर उड़ने के बाद पंख फड़फड़ाते हुए नीचे आ जाता। बाज के बच्चे ने एक दिन एक पक्षी को आकाश में उड़ते देखा। उसने मुर्गी के चूजों से पूछा कि यह कौनसा पक्षी है जो इतनी ऊंचाई पर उड़ रहा है।

तब चूजों ने उसे बताया कि वह पक्षियों का राजा बाज है। वह बहुत ताकतवर और विशाल होता है। तुम आकाश में उड़ नहीं सकते क्योंकि तुम एक चूजे हो। बाज के बच्चे ने भी उन चूजों की बातें सच मान कभी ऊंचा उड़ने की कोशिश नहीं की।

वह जिंदगी भर अपनी असली पहचान को नहीं जान पाया और मर गया। ऐसी परिस्थितियां हमारे साथ न बने, इसके लिए आवश्यक है कि अपने कार्य में परफेक्शन लाएं। रिस्क लें। हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करें, तभी तो हमें पहचान मिलेगी और साथ ही हमारी उन्नति के रास्ते भी खुलेंगे।

मुजफ्फरनगर : अंधी रफ्तार से आ रही कार ने ट्रक में पीछे से मारी टक्कर, 6 की मौत

मुजफ्फरनगर । दिल्ली से हरिद्वार जा रही कार सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना छपार थाना क्षेत्र के रामपुर चौराहा (एनएच-58) की है। बताया जा रहा है कि हाईवे पर आगे ट्रक जा रहा था और पीछे से तेज रफ्तार आ रही कार ने ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसके कारण कार के परखच्चे उड़ गए और पूरी कार में खून ही खून बिखर गया। जानकारी के मुताबिक मंगलवार तड़के कार सवार सभी लोग दिल्ली से हरिद्वार जा रहे थे। तभी छपार थाना क्षेत्र के एनएच-58 पर कार की ट्रक से भिड़ंत हो गई। ये भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर आलाधिकारियों ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर बामुश्किल कार से सभी शवो को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इसके बाद मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दी। हादसा आज सुबह करीब 4 बजे हुआ। एक 22 टायरा ट्रक हाइवे पर जा रहा था। इसी बीच छपार के पास दिल्ली नंबर की सियाज कार पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। कार में ड्राइवर समेत 6 लोग सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से गाड़ी को ट्रक के नीचे से निकलवाया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की वजह ओवर स्पीड बताई जा रही है. मृतक शाहदरा (दिल्ली) के रहने वाले थे और आपस में दोस्त थे। हादसे की सूचना मिलते ही उनके घरों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद की जो तस्वीरें सामने आई हैं वो बेहद खौफनाक है। घटना के बारे में सीओ सदर विनायक कुमार गौतम ने बताया कि सुबह 4 बजे के करीब मुजफ्फरनगर से हरिद्वार जाते हुए एनएच-58 पर कार एक ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। पूरी कार ट्रक के नीचे घुस गई थी। क्रेन की मदद उसे निकलवाया गया। सभी लोग मृत अवस्था में निकले थे। लेकिन फिर भी उन्हें जिला अस्पताल भिजवाकर चेकअप कराया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया।

फिरोजपुर में भारत पाकिस्तान सीमा के समीप मिला ड्रोन

फिरोजपुर । पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत से एक ड्रोन बरामद हुआ है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन को बीएसएफ जवानों ने देख लिया और उन्होंने उसपर गोलियां चलायीं। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान बीएसएफ कर्मियों ने टिंडी वाला गांव के समीप खेत में यह चीन निर्मित ड्रोन बरामद किया।

अमेठी में स्मृति ईरानी ने दीवाली का उपहार भेजकर मांगे वोट

अमेठी। इस बार दीवाली पर स्मृति ईरानी ने लोगों को उपहार भेजा है और बदले में वोट की मांग कर दी है। दरअसल एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें यही बात की जा रही है। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हरा कर अमेठी की सांसद बनी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दीपावली के मौके पर अपने संसदीय क्षेत्र के लिए हर साल की तरह इस साल भी उपहार भेजा था। उपहार बांटते समय भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव ने आने वाले लोक सभा चुनवा में उपहार के बदले वोट की अपील कर डाली है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गौरतलब है कि ईरानी 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को हरा कर अमेठी की सांसद बनी हैं। उसके बाद से ही वह अमेठी की जनता के लिए होली दीपावली के त्योहार पर अमेठी की जनता को उपहार भेजती हैं। कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में उपहार वितरित करते हैं। यह वीडियो भी उसी समय का बताया जा रहा है। इसमें भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दयाशंकर यादव उपहार के बदले वोट मांग रहे हैं। वीडियो कहां का है यह तो पता नहीं है लेकिन वीडियो में साफ सुनाई दे रहा है कि उपहार के बदले वोट की मांग की जा रही है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दयाशंकर यादव कह रहे हैं कि अगर बहन-बेटी उपहार भेजें तो उसको लिया जाता है। बदले में आशीर्वाद के साथ कुछ ना कुछ दिया जाता है नहीं तो पाप लगता है। तो अगर दीदी ने हमको गिफ्ट दिया है तो हमें उनको वोट देना है। उनका चुनाव चिन्ह कमल का फूल है उनको जिताना है। जब वोट पड़ेगा तब तक यह साड़ी पुरानी नहीं होगी इसी को पहन कर वोट देने जाना है।

दिल्ली में एनडीएमसी ने पार्किंग शुल्क दोगुना किया

नई दिल्ली । दिल्ली में प्रदूषण के उच्च स्तर के बीच लोगों को निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करने के प्रति हतोत्साहित करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र में पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया है। एनडीएमसी क्षेत्र में कुल 91 पार्किंग स्थल हैं। इसमें से 41 का प्रबंधन एनडीएमसी करती है, जबकि अन्य का रखरखाव अन्य एजेंसियों को 'आउटसोर्स द्वारा किया जाता है। राजपथ से एम्स के बीच पार्किंग स्थल एनडीएमसी क्षेत्र में आते हैं, इसमें सरोजिनी नगर बाजार, खान मार्केट, लोधी रोड, आईएनए और सफदरजंग शामिल हैं। इन स्थलों पर गाड़ियों की आवाजाही ज्यादा रहती है। आधिकारिक अधिसूचना में बताया गया कि मौसम की स्थिति को देखकर एनडीएमसी के कर्मियों द्वारा प्रबंधित किए जाने वाले पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क को 31 जनवरी 2024 तक दोगुना किया है। उसमें कहा गया है कि इसका मकसद लोगों को निजी गाड़ियों का इस्तेमाल करने के प्रति हतोत्साहित करना है। इसमें कहा गया है कि प्रदूषण की स्थिति के कारण दिल्ली में लागू 'ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (जीआरएपी) के चौथे चरण के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। एनडीएमसी वर्तमान में पार्किंग स्थलों पर चार पहिया वाहनों के लिए 20 रुपये प्रति घंटा और अधिकतम 100 रुपये प्रति दिन और दोपहिया वाहनों के लिए 10 रुपये प्रति घंटा और अधिकतम 50 रुपये प्रति दिन का शुल्क लेती है।

खालिस्तानियों का दिवाली उत्सव में खलल- हिंदुओं पर किया पथराव

नई दिल्ली। कनाडा सरकार के लिए खालिस्तानी सिर दर्द बन रहे हैं। वे लगातार ऐसी हरकते करते हैं जिससे कनाडा सरकार की छवि खराब हो। इस बार उन्होंने दीपावली उत्सव के दौरान हिन्दुओं पर पथराव करके ट्रूडो सरकार की छवि को खराब करने की कोशिश की है। क्यूबेक प्रांत के ब्रॉम्पटन बोरो में दिवाली उत्सव के दौरान कथित तौर पर खालिस्तान समर्थक समूहों ने हिंदुओं पर हमला किया। खालिस्तान के झंडे ले जाने वाले समूहों ने कथित तौर पर दिवाली मना रहे लोगों पर पथराव किया और भारतीय समुदाय के लोगों के साथ अपमानजनक व्यवहार किया। सूत्रों का कहना है कि पुलिस ने पथराव करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस कर्मियों ने इसे हिंदुओं और सिखों के बीच आंतरिक सामुदायिक लड़ाई बताया. भारत सरकार के एक अधिकारी ने कहा, 'ट्रूडो प्रशासन खालिस्तानियों के हर गलत काम का मूकदर्शक है। त्योहारों के दौरान हिंदुओं पर हमला करना वाकई चौंकाने वाला है। हम इस मामले को आधिकारिक चैनलों के माध्यम से उठाएंगे। बता दें कि बीते 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में संभावित तौर पर भारतीय एजेंटों की संलिप्तता है। जिसके बाद दोनों देशों के संबंध खराब होते चले गए। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताकर खारिज कर दिया। सितंबर में ट्रूडो के आरोपों के कुछ दिनों बाद, भारत ने कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करना अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया और ओटावा से समानता सुनिश्चित करने के लिए देश में अपनी राजनयिक उपस्थिति को कम करने के लिए कहा। भारत ने कनाडा में कुछ वीज़ा सेवाओं को निलंबित होने के एक महीने से अधिक समय बाद पिछले महीने फिर से शुरू किया।

अवध-असम एक्सप्रेस में धमाके के बाद यात्रियों में मची भगदड़

बरेली । बरेली जंक्शन प्लेटफार्म नंबर एक पर अवध-असम एक्सप्रेस के पहुंचते ही जमकर धमाका हुआ। मिली जानकारी के अनुसार 15910 एक कोच में अचानक धुंआ निकलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना पर आरपीएफ, जीआरपी, सीओ प्रथम और सीएफओ मौके पर पहुंचे।

दो दिवसीय झारखंड के दौरे पर पीएम मोदी, भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर जाएंगे

-24,000 करोड़ रुपये की पीवीटीजी योजना की होगी शुरुवात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए जारी प्रचार अभियान के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14-15 नवबंर को झारखंड का दौरा करने वाले हैं, इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव जाएंगे और जनजातीय समूहों पर केंद्रित कार्यक्रम की शुरुआत करुंगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक वह विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले हैं। पीएम-किसान की 15वीं किस्त जारी कर और झारखंड में कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले हैं। पीएम मोदी 15 नवंबर की सुबह रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मारक उद्यान में स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का दौरा कर भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव पहुंचने का कार्यक्रम हैं। जहां वह भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने वाले है। पीएमओ ने कहा कि मोदी भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू गांव का दौरा करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।

वह खूंटी में आयोजित तीसरे जनजातीय गौरव दिवस के समारोह में भी भाग लेने वाले हैं। प्रधानमंत्री इस अवसर पर आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) वैन को हरी झंडी दिखाएंगे। यात्रा शुरू में महत्वपूर्ण जनजातीय आबादी वाले जिलों से शुरू होगी और 25 जनवरी 2024 तक देश भर के सभी जिलों को कवर करेगी। कार्यक्रम के दौरान, मोदी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के समग्र विकास के उद्देश्य से 24,000 करोड़ रुपये की एक योजना की शुरुआत करने वाले हैं।

2023-24 के बजट में, पीवीटीजी की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए योजना की घोषणा की गई थी। पीएमओ के मुताबिक, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 पीवीटीजी हैं, जो लगभग 28 लाख की आबादी वाले 220 जिलों में फैले 22,544 गांवों में रहते हैं। पीएमओ ने कहा कि ये जनजातियां बिखरी हुई हैं और वन क्षेत्रों के दूरस्थ व दुर्गम इलाकों में रहती हैं। इसकारण पीवीटीजी परिवारों और बस्तियों को सड़क और दूरसंचार संपर्क से जोड़ने, बिजली, सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण तक बेहतर पहुंच और स्थायी आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने के लिए यह योजना बनाई गई है।

इस योजना को ग्रामीण सड़क, ग्रामीण आवास और पेयजल को कवर करने वाले मौजूदा कल्याणकारी कार्यक्रमों के तहत नौ मंत्रालयों के माध्यम से लागू किया जाएगा। इन दूरदराज की बस्तियों को कवर करने के लिए कुछ योजना मानदंडों में ढील दी जाएगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, सिकल सेल रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, 100 प्रतिशत टीकाकरण, पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम पोषण और पीएम जन धन योजना के लिए संतृप्ति कवरेज सुनिश्चित किया जाएगा।

पीएमओ ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 18,000 करोड़ रुपये की 15वीं किस्त की राशि 8 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से जारी की जाएगी। इस योजना के तहत, अब तक, 14 किस्तों में किसानों के खातों में 2.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक हस्तांतरित किए गए हैं।

शाह के रामलला के दर्शन करने वाले बयान पर एक्शन ले चुनाव आयोग : संजय राउत

गुना । मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। चुनावी जनसभा में एक ओर जहां कांग्रेस नेता ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। वहीं भाजपा राम मंदिर के जरिए कांग्रेस पर निशाना साध रही है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख तय हो गई है। मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को किया जाएगा। इस लेकर चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा एमपी में भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य की जनता को राज्य सरकार के खर्चे पर भगवान रामलला के दर्शन करवाए जाएंगे। इस बात पर मंगलवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा,मैंने मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार के दौरान शाह और बीजेपी नेताओं के बयान को सुना और पढ़ा है कि अगर मप्र बीजेपी की सरकार बनती है, तब मध्य प्रदेश के लोग भगवान रामलला के दर्शन निशुल्क कर सकते हैं। शिवसेना नेता ने कहा,भगवान रामलला पूरे देश और दुनिया के हैं। क्या इसका मतलब यह है कि अगर आप मध्य प्रदेश में हार गए तब आप मध्य प्रदेश को लोगों को रामलला के दर्शन करने से सिर्फ इसलिए रोक देने वाले हैं, क्योंकि उन्होंने भाजपा को वोट नहीं दिया। राउत ने कहा हमारे देश में किस तरह की राजनीति चल रही है? चुनाव आयोग को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि गुना के राघौगढ़ में वंजनिक रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने वादा किया कि अगर मध्य प्रदेश में उनकी सरकार बनती है, तब भाजपा भगवान राम लला के दर्शन का खर्च वहन करेगी। शाह ने कहा, ...आप 3 दिसंबर को बीजेपी की सरकार बनाएं, बीजेपी की मध्य प्रदेश सरकार आपको मुफ्त में भगवान रामलला के दर्शन कराने में मदद करेगी...।

जनता की चुनी हुई सरकार को मोदी, शिवराज, अमित ने मिलकर चोरी किया : राहुल गांधी

– आम सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कांग्रेस का आ रहा तूफान

विदिशा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में आज मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदिशा में एक आम सभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने तो कांग्रेस पार्टी की सरकार चुनी थी, लेकिन मोदी, शिवराज और अमित शाह ने मिलकर चुनी हुई सरकार को चोरी कर लिया। इस बार यहां कांग्रेस पार्टी का तूफान आने वाला है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विदिशा में सभा को संबोधित करते हुए कहा, कि इस समय मैं सौ फीसद यह कह सकता हूं कि यहां पर कांग्रेस पार्टी का तूफान आने वाला है। आप लिख लें कि मध्य प्रदेश की जनता कांग्रेस को 145 से 150 सीट पर जीत दिलाने जा रही है। उन्होंने भाजपा समेत प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज समेत अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने तो कांग्रेस पार्टी की सरकार चुनी थी, लेकिन मोदी, शिवराज और अमित शाह ने मिलकर चुनी हुई सरकार को चोरी किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के विधायकों को खरीदने का काम किया। उन्होंने सौदा किया और आपका जो निर्णय था, आपके दिल की जो बात थी उसे भाजपा के नेताओं ने खासकर प्रधानमंत्री ने कुचलने का काम किया। उन्होंने यहां कहा कि प्रदेश की जनता के साथ उन लोगों ने धोखा किया। उन्होंने अरबपतियों को धोखा नहीं दिया, किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, युवाओं और बेरोजगार युवाओं को धोखा देने का काम किया है।

राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने तो सरकार में आते ही किसानों का कर्जा माफ किया था। करीब 27 लाख किसानों का कर्जा माफ किया गया था। तब भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस यह काम नहीं करेगी। लेकिन हमने यह काम करके दिखाया। पूरा मध्य प्रदेश यह बात जानता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी तो अपने हर भाषण में कहते हैं कि हमने यहां 500 कारखाने खोले हैं। अरे कहीं एक तो दिखा दो मुझे, जो कारखाना मोदी ने खोला हो। या फिर अमित शाह ने या शिवराज सिंह चौहान ने खोला हो। मैं उसे देखना चाहता हूं, कहां है यह कारखाना। एक भी नहीं है। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं पर जमकर व्यंग्य कसे और उन्हें घेरने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी।

पंडित नेहरू की जयंती पर खड़गे, सोनिया व राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती 14 नवंबर आज देशभर में मनाई जा रही है। इस अवसर पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं ने पंडित नेहरू को उनकी 134वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजली दी है।

इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि भारत माता को आज हिंद के जवाहर के मूल्यों की जरूरत है। वहीं खड़गे, सोनिया गांधी, वेणुगोपाल और अजय माकन, मनिकम टैगोर सहित कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार सुबह शांति वन में पुष्पांजलि अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि नागरिकता देश की सेवा में है, पंडित जवाहरलाल नेहरू, आधुनिक भारत के निर्माता, भारत को शून्य से शिखर तक ले जाने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर श्रद्धांजलि, लोकतंत्र के निडर संरक्षक और हमारे प्रेरणा स्रोत। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके प्रगतिशील विचारों ने सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाया और देश के लोगों को बिना किसी भेदभाव के, देश को हमेशा पहले रखते हुए, हर पल एक साथ रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी आरे से पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की और एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पंडित जवाहरलाल नेहरू एक विचार हैं, स्वतंत्रता, प्रगति, न्याय के। भारत माता को आज उनके हिंद के जवाहर के इन मूल्यों की, एक विचारधारा की तरह, हर दिल में जरूरत है। गौरतलब है कि नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बच्चे उन्हें याद करते हैं।

कात्याल की गिरफ्तारी के बाद तेजस्वी पर कसा ईडी का शिकंजा: सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। कात्याल की गिरफ्तारी के बाद तेजस्वी यादव पर शिकंजा कसता जा रहा है। यह बात बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कही है। उन्होंने कहा कि रेलवे की नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के मामले में एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी के बाद तेजस्वी प्रसाद यादव और उनके परिवार पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। मोदी ने जारी बयान में कहा कि भ्रष्टाचार से समझौता कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने उप मुख्यमंत्री को कब तक बचा पाएंगे। उन्होंने कहा कि ये वही अमित कात्याल (एके) हैं, जिन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सरकार के समय बिहटा में शराब की फैक्ट्री लगाई थी और बदले में अपनी कंपनी एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के सारे सारे शेयर मात्र एक लाख रुपए में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को बेच दिए थे। भाजपा सांसद ने कहा कि कंपनी के निदेशक बनने के साथ ही तेजस्वी यादव इसके दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित 150 करोड़ रुपए के मकान (डी-1088) के मालिक बन गए। वे दिल्ली जाने पर इसी बंगले का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि यही अमित कात्याल हैं, जिन्होंने वर्ष 2010 में तेजस्वी यादव को 9।5 लाख रुपए की गाड़ी भेंट की थी। कात्याल ने तेजस्वी यादव को 30 लाख रुपए और तेजप्रताप यादव को 55 लाख रुपए कर्ज भी दिए।

मोदी ने कहा कि जिसे बाद में माफ (राइट ऑफ) कर दिया गया। लालू-तेजस्वी परिवार पर फिदा अमित कात्याल के दिल्ली-पटना के परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मार्च 2023 में छापा मारा था, जिससे अवैध लेन-देन और धन-शोधन संबंधी प्रमाण मिले थे। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग प्रथम) के दौरान लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे। उस समय रेलवे में बिहार के जिन लोगों को ग्रुप-डी की नौकरी मिली, उन्होंने अपनी-अपनी जमीनें एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम ट्रांसफर कर दीं, जिसके मालिक तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि बंद पड़ी एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने पटना-दानापुर सर्किल में 21 भूखंड (221 डिस्मल) 2।16 करोड़ रुपए में खरीदे। इसके लिए पैसे कात्याल ने दिए, मालिक तेजस्वी यादव बने हैं।

सांप्रदायिक तनाव देश के हित में नहीं है : मौलाना अरशद मदनी

देवबंद (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैय्यद अरशद मदनी ने कहा है कि सांप्रदायिक तनाव देश के हित में नहीं है। ईद गाह रोड पर 'मदनी मेमोरियल पब्लिक स्कूल' में जमीयत उलमा-ए-हिन्द के तत्वावधान में आयोजित मजलिस-ए-मुंतजिमा के सम्मेलन को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक जो कुरबानी जमीयत उलमा-ए-हिन्द ने दी है वो किसी से ढकी छुपी नहीं है। आज देश में जो माहोल को खराब किया जा रहा है और सांप्रदायिक तनाव पैदा किया जा रहा है वो देश के हित में नहीं है। मदनी ने कहा कि आज के हालात में फिरकापरस्त जहनियत के लोग जो नारे लगा रहे हैं, ऐसा करने वालों को हम अपने मुल्क का दुश्मन समझते हैं। मुल्क अगर जिंदा रहेगा तो वह भाईचारे के साथ ही जिंदा रहेगा, वरना आज नहीं तो कल यह मुल्क बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा आज की सूरतेहाल में अगर कोई गाड़ी दूसरी गाड़ी से जरा सी टकरा जाती है तो कत्ल हो जाते हैं। दुश्मनी इस दर्जे तक बढ़ जाना बहुत बुरा है। यह इंसानियत की तस्वीर नहीं है। यह वह सूरत है जो मुल्क को तबाही की तरफ ले जा रही है।

मौलाना मदनी ने भारत के विभाजन का जिक्र करते हुए कहा कि सांप्रदायिकता की वजह से हमारा देश एक बार टूट चुका है और अगर सांप्रदायिकता बढ़ेगी तो देश को और नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि भारत को सभी धर्मों के लोगों ने एकजुट होकर आजादी दिलाई है। अकेला हिंदू अकेला मुस्लिम, सिख या ईसाई खड़ा होता तो वह मुल्क को आजाद नहीं करा पाता। यह सभी की एकजुटता से हुआ। फलस्तीन में हो रही बमबारी का कड़ा विरोध करते हुए मौलाना मदनी ने कहा कि फलस्तीन के नागरिक अपनी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि इजराइल आक्रमण कर रहा है। जमीयत-उलमा-ए-हिंद कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, न हम उम्मीदवार खड़े करते हैं और न ही किसी पार्टी को चुनाव लड़ाते हैं। अगर यह गैर सियासी बुनियाद न होती तो जमीयत कबकी खत्म हो चुकी होती।

प्रदूषण नियंत्रण के तमाम प्रयास रहे नाकाम,दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए तमाम सरकारी प्रयास नाकाम हो रहे हैं। वजह ये है कि लोग नियम और प्रतिबंधों को भी मानने के लिए तैयार नहीं हैं। यहां पटाखा फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया था,लेकिन दीपावली पर दिल्ली और आसपास खूब पटाखे फोड़े गए। जिसके कारण दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हो गई। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार (14 नवंबर) को वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में बनी हुई है। सुबह एक्यूआई का लेवल 450 पर दर्ज हुआ। आनंद विहार में एक्यूआई 360, आरके पुरम में 422, पंजाबी बाग में 415 और आईटीओ में 432 रहा। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के साथ साथ कोहरा भी छाने लगेगा, जिससे विजिविलिटी और कम हो सकती है। दीवाली के अवसर पर दिल्ली-एनसीआर में आतिशबाजी करने पर रोक लगी थी। लेकिन रविवार रात को देश की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में नियमों का पालन नहीं होता दिखा। लोग जमकर आतिशबाजी करते दिखे। सीपीसीबी के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल दिवाली पर, दिल्ली का एक्यूआई लेवल 312 था। वहीं, साल 2021 में एयर क्वालिटी इंडेक्स 382 पर पहुंच गया था। सोमवार को दिल्ली, दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना था। इसके अलावा, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में मुंबई और कोलकाता पांचवें और छठे स्थान पर हैं।

छठ की भीड़ को नहीं संभाल पा रहा रेलवे, जनरल जैसा हो गया एसी कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर साल की तरह इस साल भी छठ पूजा के त्यौहार को देखते हुए रेलवे ने कई तरह के बंदोबश्त किए थे,ताकि यात्रियों को असुविधा न हो लेकिन भीड़ इतनी की सभी तैयारियां धरी की धरी रह गई। बिहार-यूपी में छठ पूजा को सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है और इस मौके पर दूसरे प्रदेशों में रह रहे तमाम प्रवासी लोग अपने घर लौटते हैं। इस वजह से देश के सभी बड़े शहरों में यूपी-बिहार जाने वाली ट्रेन में भारी भीड़ उमड़ रही है। हालात ऐसे हैं कि ट्रेनों में लोगों को जगह नहीं मिल रही है। ट्रेनों में जनरल, स्लीपर और एसी कोच का एक जैसा हाल हो गया है। जिन लोगों ने पहले रिजर्वेशन करवा भी लिया है उन्हें भी अपनी सीट पर भीड़ का सामना करना पड़ रहा है।मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल से बिहार जाने वाली भागलपुर एक्सप्रेस में मंगलवार को भारी भीड़ उमड़ी, हर व्यक्ति किसी तरह ट्रेन में सवार हो जाना चाहता था और इसके लिए धक्का मुक्की भी हो रही थी।

सोशल मीडिया पर रेलवे स्टेशन की जो तस्वीरें सामने आई हैं वो हैरान करने वाली हैं। आरक्षित बोगियों में भीड़ है और लोगों को एक-एक सीट के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है।मुंबई हो या फिर दिल्ली या सूरत सभी रेलवे स्टेशनों पर हालात एक जैसे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने बताया कि बिहार जाने के लिए उन्हें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी थी, वो समय से स्टेशन भी पहुंच गए लेकिन यहां हजारों की भीड़ थी, जैसे बोरे में लोग सामान ठूंसते हैं वैसे ही बोगियों में लोगों को ठूंसा जा रहा था। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर भगदड़ जैसी स्थिति थी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और आनंद बिहार में यात्रियों के रुकने के लिए रेलवे की तरफ से कई इंतजाम के दावे किए जा रहे हैं लेकिन ये नाकाफी साबित हो रहे हैं। वहीं एक शख्स ने कहा कि भीड़ इतनी ज्यादा है कि वो ट्रेन में सवार नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आते ही धक्का-मुक्की शुरू हो जाती है। वहीं लोगों ने ट्रेनों की संख्या बढ़ाए जाने के सवाल पर कहा कि बोलते कुछ और हैं और करते कुछ और हैं। बता दें कि दिवाली से एक दिन पहले 11 नवंबर को गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन पर चढ़ने के दौरान भगदड़ की घटना सामने आई थी। रेलवे स्टेशन पर काफी भीड़ थी। लोग ट्रेन के जरिए अपने-अपने घर जा रहे थे और इसी दौरान बिहार जा रही एक ट्रेन स्टेशन पर पहुंची तो उसमें चढ़ने के वक्त यात्रियों में भगदड़ मच गई। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि तीन से चार लोग बेहोश हो गए थे। सूरत रेलवे स्टेशन पर एम्बुलेंस द्वारा घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। उपचार के दौरान एक घायल शख्स की मौत हो गई। सूरत की सांसद और केंद्र सरकार में रेलवे राज्य मंत्री दर्शना जरदोष घायलों से मिलने के लिए अस्पताल पहुंची और घायलों से मुलाकात की थी। पुलिस अधीक्षक (पश्चिम रेलवे) सरजो कुमारी ने बताया था कि यात्री सुबह सूरत रेलवे स्टेशन से ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने के लिए दौड़ पड़े, जिससे अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग बेहोश हो गए।उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी, जिसके कारण कुछ यात्रियों को घबराहट और चक्कर आने की समस्या हुई।

हमास और इजरायल जंग में अब तक संयुक्त राष्ट्र के करीब 102 कर्मचारी मारे गए

तेल अवीव । हमास और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से संयुक्त राष्ट्र के करीब 102 कर्मचारी मारे गए हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र के करीब 27 कर्मचारी घायल हुए हैं। फलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा, पिछले 24 घंटों में हमलों के कारण गाजा पट्टी में संयुक्त राष्ट्र आरडब्ल्यूए की एक कर्मचारी अपने परिवार के साथ मारी गई, जिससे मरने वालों की संख्या 100 से अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यूएनआरडब्ल्यूए ने कहा, संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में युद्ध में मारे गए यूएन के सहायता कर्मियों की यह सबसे अधिक संख्या है। दुनियाभर में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालयों ने अपने झंडे आधे झुका दिए। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों ने गाजा में अपने जान गंवाने वाले अपने सहयोगियों के सम्मान में शोक व्यक्त करने और सम्मानित करने के लिए कुछ पल का मौन रखा। इस बीच, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उत्तरी गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ लड़ते हुए दो और सैनिक मारे गए, जिससे इजरायल के जमीनी अभियान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई। आईडीएफ के अनुसार, जवानों की पहचान 906 बटालियन में स्काड कमांडर स्टाफ सार्जेंट रोई मारोम (21) और 6863 बटालियन में एक सेनानी मास्टर सार्जेंट राज अबुलफिया (27) के रूप में की गई है।

अमेरिका एनएसए ने कहा, अमेरिका और चीन को स्थिति को संभालना होगा, नहीं तब जंग संभव

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनपिंग के बीच बहुप्रतीक्षित भेंटवार्ता से पहले अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा है कि यदि स्थिति को ठीक से नहीं संभाला गया, तब दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आ सकती है। बाइडन और शी आज सैन फ्रांसिस्को में 'एपेक (एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग) लीडरशिप' की बैठक से इतर मुलाकात करने वाले हैं। सुलिवन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास इस सिलसिले में संवाद का मौका है कि वे कितने प्रभावी ढंग से ताइवान जलडमरू मध्य में शांति एवं स्थायित्व का प्रबंधन करते हैं। उन्होंने कहा, कुछ मुद्दे हैं जिनका सघन कूटनीति के जरिए हम प्रबंधन कर सके हैं। उन्होंने कहा, तब ही हम वाकई इसतरह के ठोस नतीजे मिलने के अवसर की उम्मीद कर सकते हैं जिससे उन क्षेत्रों में अमेरिकी लोगों के वास्ते प्रगति नजर आए जहां हमारे हित परस्पर मिलते हैं। मेरे हिसाब से उदाहरण के लिए फेंटानिल का मुद्दा है।'' सुलिवन ने कहा, '' हम आगामी सप्ताह में उस मुद्दे पर कुछ प्रगति की उम्मीद कर रहे हैं तथा उससे उन अन्य मुद्दों पर और सहयोग का द्वार खुलेगा जहां हम चीजों का न केवल प्रबंधन कर रहे हैं बल्कि हम ठोस नतीजे ला पा रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने हिंदू, जैन, और सिख समुदाय को दी दीवाली की शुभकामनाएं

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि दक्षिण एशियाई अमेरिकियों ने अमेरिका के विकास में अहम भूमिका निभाई है। बाइडन ने संदेश में कहा, ''अमेरिका और दुनिया भर में उत्सव मना रहे हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध धर्म के एक अरब से अधिक लोगों को हम दिवाली की शुभकामनाएं देते हैं।''

उन्होंने कहा, ''दक्षिण एशियाई अमेरिकियों की पिछली कई पीढ़ियों ने दीपावली की उन परंपराओं को हमारे देश के ताने-बाने में बुना है, जो अज्ञानता, नफरत और विभाजन के अंधेरे के बजाय ज्ञान, प्रेम और एकता की रोशनी तलाशने के संदेश का प्रतीक हैं।'' उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखे संदेश में कहा, यह एक संदेश है जिसने हमारे देश को पिछले कुछ कठिन वर्षों के दौरान मजबूत होकर उभरने में मदद की है और यह अब पहले से कहीं अधिक मायने रखता है। मैं कामना करता हूं कि इस दीपावली पर हम अपनी साझा रोशनी की ताकत को लेकर चिंतन करें...।'' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संदेश जारी कर अमेरिका और दुनिया भर में दीपावली मनाने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन समुदायों को त्योहार की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नेपाल ने अपने दोस्त को दिया झटका, लगा दिया चीनी एप टिकटॉक पर प्रतिबंध

काठमांडू। हाल ही में नेपाल और चीन की दोस्ती को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा रही है। यहां तक कि दोनों देशों की बढ़ रही नजदीकियों से किस देश पर क्या असर होगा इसका आकलन भी खबरों में देखा गया। अब नेपाल और चीन के बीच आ रही दरार चर्चा का विषय बनी हुई है। वजह ये है कि नेपाल ने अपने कथित मित्र चीन के टिकटॉक एप पर यह कहते हुए प्रतिबंधित करने का फैसला किया कि सामाजिक सद्भाव पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। सरकार की प्रवक्ता, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रेखा शर्मा के मुताबिक, सोमवार को मंत्रिमंडल की हुई बैठक में टिकटॉक को प्रतिबंधित करने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि टिकटॉक पर प्रतिबंध का फैसला संचार एवं सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय द्वारा लागू कराया जाएगा। काठमांडू पोस्ट अखबार की खबर के मुताबिक, नेपाल सरकार ने टिकटॉक पर रोक सामाजिक सद्भाव पर इसके ''नकारात्मक असर के मद्देनजर उठाया है।मंत्रिमंडल की हुई बैठक में फेसबुक, एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर), टिकटॉक और यूट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया मंचों के लिए नेपाल में संपर्क कार्यालय खोलना अनिवार्य करने का फैसला किया गया था। खबरों के मुताबिक सरकार ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी एक मूलभूत अधिकार है लेकिन समाज के बड़े तबके ने टिकटॉक की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि यह घृणा भाषण को बढ़ावा दे रहा है। पिछले साल में वीडियो साझा करने वाले इस ऐप से साइबर अपराध करने के 1,647 मामले दर्ज किए गए थे। शर्मा ने स्पष्ट किया कि टिकटॉक को बंद करने का फैसला समय सीमा तय करने के बाद लागू किया जाएगा। हालांकि, नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने फैसले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''सरकार का टिकटॉक पर रोक लगाने का फैसला गलत है, सरकार को सोशल मीडिया साइट को विनियमित करना चाहिए। चीनी नेटवर्किंग मंच के लिए यह फैसला झटके की तरह है। बता दें कि भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन सहित विभिन्न देशों की सरकारों ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते सोशल नेटवर्किंग मंच 'टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये वो एप है जो समाज में नकारात्मकता फैलाने में बहुत तेजी से काम कर रहा है। तमाम जांच पड़ताल के बाद इस प्रतिबंधित करने में कई देशों ने पहल की है।

खुलासा : हमास ने गाजा स्थित बच्चों के अस्पताल में छुपा रखे थे बंधक

गाजा। इजरायली सेना को गाजा स्थित बच्चों के अस्पताल में बड़ी मात्रा में ह?थियार व गोला बारूद मिले हैं। यहीं पर बंधकों को भी हमास के लड़ाकों ने छुपा रखा था। इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सैनिकों को गाजा के रैनटिसी अस्पताल के बेसमेंट में हमास लड़ाकों द्वारा रखे गए हथगोले, आत्मघाती जैकेट और अन्य विस्फोटकों समेत अन्य हथियारों के साथ एक कमांड सेंटर मिला था। बताया जा रहा है कि यह कैंसर रोगियों के इलाज वाला बच्चों का अस्पताल है। इजरायली सेना ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए नागरिकों को लेकर बड़ा दावा किया है। इजरायली सेना ने कुछ फोटो और वीडियो जारी कर दावा किया कि गाजा में बच्चों के अस्पताल के बेसमेंट में हमास ने अपने हथियार स्टोर किए थे। इतना ही नहीं इजरायल ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे हमास ने यहां बंधकों को भी रखा हो। इस दौरान एडमिरल डैनियल हगारी ने हमास की एक सुरंग भी दिखाई, जो दूसरी ओर गाजा के रैनटिसी अस्पताल में बाहर निकलती है। इजरायली सेना के प्रवक्ता के मुताबिक, हमास की यह सुरंग नेवी कमांडर के घर में बनी थी। उस सुरंग को भी इजरायली सेना ने तबाह कर दिया। एडमिरल हगारी ने दावा किया कि अस्पताल के बेसमेंट में ही हमास ने बंधकों को रखा था। बेसमेंट में इजरायली सेना ने एक पोस्टर को भी दिखाया। इसमें लिखा था, हम इजरायल के खिलाफ ऑपरेशन में हैं। इसमें 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले गार्ड शिफ्ट का एक कैलेंडर भी लगा था। इसके अलावा अस्पताल के बेसमेंट में बहुत सारा सामान बिखरा पड़ा है। इसमें हमास लड़ाकों के लिए एक छोटी सी किचिन भी बनाई गई थी और बाथरूम से लेकर वेंटिलेशन तक की व्यवस्था थी।

लेबनान में शोक संतप्त लोग अंतिम संस्कार के दौरान हिजबुल्लाह सदस्य जाफ़र सेरहान की तस्वीरें लेते हुए, जो मशघरा, सीरिया में तैनाती के दौरान मारा गया था।

पाकिस्तान उच्च न्यायालय से इमरान को राहत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल सुनवाई के खिलाफ स्टे ऑर्डर जारी किया है। यह फैसला पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने देश के पूर्व पीएम इमरान खान और उनके करीबी सहयोगी तथा पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर गुप्त जानकारी लीक करने और देश के कानूनों का उल्लंघन करने के मामले में जेल में मुकदमा चलाने को मंजूरी देने के बाद आया है। मामले में 71 वर्षीय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष वर्तमान में न्यायिक रिमांड पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान के करीबी सहयोगी और पूर्व विदेश मंत्री 67 वर्षीय कुरैशी भी इमरान के साथ सिफर मामले में गिरफ्तार किया गया था। दोनों उसी जेल में अभी कैद हैं। खान और कुरैशी ने मामले में लगे आरोपों पर खुद को निर्दोष बताया है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) की दो सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रफत इम्तियाज शामिल थे। इन्होंने अदियाला जेल में अपने मुकदमे के खिलाफ खान की इंट्रा-कोर्ट अपील की सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। यह अपील उसी अदालत की एकल सदस्यीय पीठ के खिलाफ दायर की गई थी जिसने पिछले महीने अदियाला जेल में खान के मुकदमे को बरकरार रखा था।

पीएम सुनक का बड़ा फैसला: ब्रेवरमैन को बर्खास्त कर कैमरन को बनाया विदेश मंत्री

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने विवादों में आए मंत्री ब्रेवरमैन को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। साथ असामान्य कदम के तहत ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन को देश का विदेश मंत्री नियुक्त किया गया। किसी पूर्व प्रधानमंत्री और गैर-सांसद को वरिष्ठ सरकारी पद पर नियुक्त किया जाना दुर्लभ है। सरकार ने कहा कि कैमरन को संसद के उच्च सदन 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स का सदस्य बनाया जाएगा। इससे पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोमवार को भारतीय मूल की अपनी गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन को बर्खास्त कर दिया । सुनक ने यह कदम मेट्रोपॉलिटन पुलिस को निशाना बनाने वाला एक विवादास्पद लेख प्रधानमंत्री की अनुमति के बिना एक अखबार में प्रकाशित होने के कुछ दिन बाद उठाया है।

भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक पर ब्रेवरमैन की टिप्पणियों को लेकर उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के कई सदस्यों का दबाव था और साथ में उन्हें विपक्ष के हमलों का भी सामना करना पड़ रहा था। ब्रेवरमैन ने सप्ताहांत में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद रविवार शाम एक बयान में कहा, ''हमारे बहादुर पुलिस अधिकारी कल लंदन में प्रदर्शनकारियों की हिंसा और आक्रामकता तथा प्रदर्शनकारियों के विरोध में प्रदर्शन करने वालों से निपटने में अपनी पेशेवर क्षमता के लिए हर सभ्य नागरिक की ओर से धन्यवाद के पात्र हैं। अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान कई अधिकारियों के घायल होने से आक्रोश है। हालाँकि, पुलिस के समर्थन में आया उनका यह बयान उनकी ओर से पद बचाने के प्रयास के तौर पर नजर आया।

अखबार में विवादास्पद लेख के प्रकाशन के बाद से ही ब्रेवरमैन के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। ब्रेवरमैन की जगह 54 वर्षीय विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली को गृह मंत्री बनाया गया है। क्लेवरली को उस दिन विदेश मंत्री के पद से हटना पड़ा है जिस दिन उनकी बातचीत पांच दिन की ब्रिटेन यात्रा पर पहुंचे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ होनी थी। यह देखना शेष है कि संबंधित द्विपक्षीय बैठकें अब किस तरह की होंगी क्योंकि क्लेवरली की जगह पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन अब नए विदेश मंत्री हैं। ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी के बाद सुनक के मंत्रिमंडल में फेरबदल से कई आश्चर्य सामने आने की उम्मीद है। अखबार में छपे एक लेख में ब्रेवरमैन ने मेट्रोपॉलिटन पुलिस पर इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद लंदन में होने वाले प्रदर्शनों से सख्ती से नहीं निपटने का आरोप लगाया था।

आज शी चिनफिंग से मुलाकात में बाइडेन ने उठाए महत्वपूर्ण मुददे : चक शूमर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से अपील की कि वह अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ मुलाकात के दौरान फेंटानिल (मादक पदार्थ) की अवैध तस्करी एवं अमेरिकी कारोबार के लिए बाध्यकारी माहौल के मुद्दों को उठाएं। बाइडन और शी बुधवार को सैन फ्रांसिस्को में एपेक (एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग) नेतृत्व बैठक से इतर मुलाकात करने वाले हैं। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने फेंटानिल की तस्करी, चीन में अमेरिकी कारोबारों के लिए बाध्यकारी माहौल सहित उन मुद्दों को गिनाया जिन्हें उनके हिसाब से बाइडन को शी के समक्ष उठाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमने खासकर इजराइल-गाजा संघर्ष के सिलसिले में राष्ट्रपति शी से कहा कि चीन को ईरान को ऐसा कोई भी काम करने से रोकने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहिए जिससे संघर्ष बढ़ने की आशंका हो। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति शी के साथ भेंट के दौरान मैंने सात अक्टूबर (जब हमास ने इजराइल में आम नागरिकों पर हमला किया था) के

बारे में बयान जारी करने को लेकर चीन सरकार की आलोचना की थी, जिसमें आम नागरिकों की हत्या की निंदा नहीं की गई थी। इसके बाद उन्होंने अगले ही दिन पहले से कड़ा बयान जारी किया।''

उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्रपति बाइडन ''इस बात को लेकर इसी प्रकार दृढ़ रहते हैं कि चीन ईरान और रूस को लेकर स्थिरता लाने वाली भूमिका निभाए, तब मैं समझता हूं कि इससे बड़ा फर्क आएगा।''

सीनेट में बहुमत के नेता ने कहा कि उनका मानना है कि राष्ट्रपति बाइडन और राष्ट्रपति शी के बीच भेंट यह दिखाने के लिए चीन की असली परीक्षा होगी कि वह अमेरिका के साथ वाकई बेहतर संबंध चाहता है या नहीं।

हेली की प्रचार मुहिम ने पकड़ी रफ्तार, ट्रंप की बढ़त बरकरार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदद्वार बनने की दावेदारी पेश रह रहीं भारतीय अमेरिकी नेता निक्की हेली की चुनाव प्रचार मुहिम तेज हो रही है। दरअसल प्रतिद्वंद्वी गुटों को चंदा देने वाले कई अहम लोगों ने हेली का साथ देने का फैसला किया है और भारतीय अमेरिकी नेता ने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान आयोवा और न्यू हैम्पशायर में टेलीविजन, रेडियो और डिजिटल विज्ञापनों पर एक करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च करने की घोषणा की है।

बहरहाल, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। उनकी स्वीकृति की रेटिंग 60 प्रतिशत से भी अधिक है। फ्लोडिया के गवर्नर रॉन डेसेंटिस करीब 14 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता में पिछले कुछ महीने से गिरावट आ रही हैं। पहले उनकी स्वीकृति की रेटिंग 30 प्रतिशत से अधिक थी। दूसरी ओर रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुनने के लिए हुई बहस में हेली की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और उनकी स्वीकृति रेटिंग दोहरे अंक में पहुंच गई है। कैक्सटन अल्टरनेटिव मैनेजमेंट के ब्रूस कोवनर और हार्लन क्रो सहित विरोधी गुट को चंदा देने वाले कई लोगों ने हेली का समर्थन करने का फैसला किया है। पहले टिम स्कॉट का समर्थन कर रहे केन ग्रिफिथ ने भी हेली को समर्थन देने की घोषणा की है। इससे प्रोत्साहित होकर हेली ने घोषणा की कि उनके चुनाव प्रचार अभियान के दौरान आयोवा और न्यू हैम्पशायर में टेलीविजन, रेडियो और डिजिटल विज्ञापनों पर एक करोड़ अमेरिकी डॉलर खर्च किए जाएंगे। बड़े स्तर पर इस विज्ञापन का मकसद अमेरिका की पूर्व राजदूत हेली को पार्टी की उम्मीदवारी के अहम चरण में गवर्नर डिसेंटिस से आगे निकलना है। रिपब्लिकन पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्पष्ट विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश के तहत हेली ने यह कदम उठाया है। हेली के चुनाव अभियान प्रबंधक बेट्सी एंकने ने कहा, ''निक्की हेली की गति और जीत का रास्ता स्पष्ट है।उन्होंने कहा, यह बात रॉन डिसेंटिस के लिए नहीं कही जा सकती, जो आयोवा में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी न्यू हैम्पशायर में रेड एरो डिनर में एक कप कॉफी नहीं खरीद सकते और दक्षिण कैरोलिना में महज एक पर्यटक हैं।

यूएन में भारत-बांग्लादेश ने कनाडा को पढ़ाया पाठ, हेट स्पीच पर काबू रखने की सलाह

ओटावा (एजेंसी)। यूएन में भारत-बांग्लादेश ने कनाडा को धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सबक दिया है। दरअसल, भारत ने कनाडा में धार्मिक स्थलों पर हमले रोकने के उपायों को मजबूत करने और हेट स्पीच को प्रभावी ढंग से काबू करने के लिए सिफारिशें की हैं। भारत की तरफ से इन प्रस्तावों को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की समीक्षा बैठक के दौरान पेश किया गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की समीक्षा बैठक में जिस दौरान प्रस्तावों को पेश किया गया। उस वक्त भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के राजनयिक भी मौजूद रहे। उन्होंने प्रस्तावों पर अपनी सिफारिशें भी दीं। भारतीय राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने परिषद की बैठक में इस मुद्दे को संबोधित किया। उन्होंने नेशनल हाउसिंग स्ट्रैटेजी एक्ट और एक्सेसिबल कनाडा एक्ट जैसे विधायी अधिनियमों की जानकारी परिषद को दी, जिन पर कनाडा को काम करने की जरूरत है। इसी तरह बांग्लादेश के राजनयिक अबदुल्लाह अल फोरहाद ने कनाडा से गुजारिश की कि वह रंगभेद, हेट स्पीच, हेट क्राइम और प्रवासियों एवं मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अपराधों से निपटने में तेजी लाए।

अल फोरहाद ने कहा कि बांग्लादेश कनाडा को सिफारिश देता है कि वह रंगभेद, नस्लवाद, हेट स्पीच, हेट क्राइम और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव और अपराधों से निपटने के लिए किए जा रहे अपने प्रयासों में तेजी लेकर आए। उन्होंने कहा कि कनाडा को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए जरूरी उपाय करना चाहिए। उसे जलवायु

परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना चाहिए। सभी प्रवासियों, मजदूरों और उनके परिवार के सदस्यों के अधिकारों की सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन भी कनाडा को करना चाहिए। हालांकि, बांग्लादेश ने मानवाधिकार की सुरक्षा में कनाडा के जरिए उठाए गए कदमों को लेकर उसकी तारीफ भी की।

इधर भारतीय राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा कि भारत कनाडा को सिफारिश देता है कि वह अभिव्यक्ति की आजादी के गलत इस्तेमाल को रोकने, हिंसा भड़काने और उग्रवाद को बढ़ावा देने वाले समूहों की गतिविधियों को रोकने के लिए घरेलू ढांचे को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि कनाडा को धार्मिक और नस्लीय अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हमलों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए काम करना चाहिए। हेट स्पीच और हेट क्राइम को रोकने के लिए भी कनाडा को कानूनों को मजबूत करना चाहिए।

इजरायल का दावा: 16 साल बाद गाजा पर हमास का नियंत्रण खत्म

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास के आर्तकियों का सफाया करने के लिए बीते डेढ़ माह से इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इसमें हमास को भारी नुकसान हुआ और कई बड़े कमांडर ढेर हो गए। दोनों की इस जंग में महिलाओं,बच्चों और बुजुर्गो की भी मौत हुई। इसी बीच इजरायल ने दावा किया है कि अब हमास का गाजा पर नियंत्रण नहीं रहा है।

इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने दावा किया है कि हमास ने 16 सालों के बाद गाजा से नियंत्रण खो दिया है। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार हमास के खात्मे की बात कह रहे थे। खबरें थीं कि इजरायली बल गाजा के काफी आंतरिक हिस्सों तक पहुंच गए थे।

इजरायल से आ रहीं खबरों के अनुसार, गैलांट का कहना है कि हमास ने जिस गाजा पर 16 सालों तक राज किया, अब वहां से नियंत्रण खो दिया है। एक वीडियो ब्रॉडकास्ट में सोमवार को गैलांट ने कहा, हमास ने गाजा से नियंत्रण खो दिया है। आतंकवादी दक्षिण की ओर भाग रहे हैं। आम जनता हमास के ठिकानों को लूट रही है। उन्होंने आगे कहा, उन्हें अब सरकार में और ज्यादा भरोसा नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस दावे को लेकर कोई भी सबूत पेश नहीं किया है। पीएम नेतन्याहू भी युद्ध के बाद गाजा पर नियंत्रण के संकेत दे चुके हैं। गाजा पट्टी पर सात अक्टूबर से संघर्ष शुरू होने के बाद से इजरायली हमलों में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या 11,180 हो गई है।

गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय के निदेशक इस्माइल अल-थवाबतेह ने शिफा मेडिकल कॉम्प्लेक्स में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कुल मौतों में से 4,609 बच्चे और 3,100 महिलाएं थीं, जबकि 28,000 से अधिक अन्य घायल हुए थे।अल-थवाबतेह ने कहा कि इजरायली हमलों और बिजली जनरेटर संचालित करने के लिए आवश्यक ईंधन की कमी के कारण गाजा में 22 अस्पतालों और 49 स्वास्थ्य केंद्रों ने संचालन बंद कर दिया है। उन्होंने इजरायल पर गहन देखभाल इकाई, सर्जरी भवन और शिफा मेडिकल कॉम्प्लेक्स के प्रसूति वार्ड पर हमले शुरू करने का आरोप लगाया और गाजा में लड़ाई को रोकने और यहां के लोगों को ईंधन सहित सभी मानवीय आपूर्ति लाने के लिए तत्काल वैश्विक प्रयास का आह्वान किया।

बता दें कि बीते 7 अक्टूबर को एक धार्मिक आयोजन में हमास के आर्तकियों ने इजरायल में हमला किया और सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद हमास के आर्तकियों और इजरायल के बीच युद्ध शुरू हुआ जो अभी

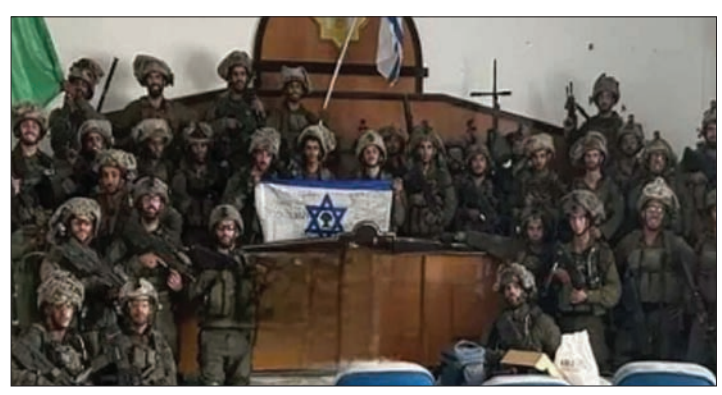

तक जारी है। इसी बीच इजरायल ने गाजा पट्टी से हमास का नियंत्रण खत्म होने का दावा किया है। इसके पहले कई देशों ने इजरायल से युद्ध विराम की अपील की थी,लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार हमास को ध्वस्त करने की बात दोहराते रहे। आखिरकार उन्होंने हमले नहीं रोके और बिना किसी की परवाह कि आर्तकियों का सफाया करने के अपने अभियान को अंजाम देते रहे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला सेमीफाइनल आज

मुंबई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड बुधवार को विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल मैंच में फाइनल में जगह बनने के लिए उतरेंगे। ब्लैक कैप्स ने चार साल पहले भारत को हराकर मेगा इवेंट के फाइनल में जगह बनाई थी।

1983 और 2011 में खिताब के विजेता भारत मौजूदा फॉर्म में प्रबल दावेदार है, क्योंकि वे उस स्थान पर लौट आए हैं, जहां उन्होंने 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ यादगार जीत दर्ज की थी। कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में अच्छी तरह से संतुलित टीम शीर्ष फॉर्म में है और उसने लगातार 9 मैच जीतकर अंक तालिका में पहले स्थान पर रहने वाली टीम के रूप में नॉकआउट दौर में जगह बनाई है। भारतीय टीम के बल्लेबाज शानदार फॉर्म में हैं खासकर विराट कोहली (594), कप्तान रोहित शर्मा (503 रन), श्रेयस अय्यर (421) और केएल राहुल (347) का नाम शामिल हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को खोने के बावजूद जसप्रीत बुमराह (17), मोहम्मद शमी (16), रवींद्र जड़ेजा (16), कुलदीप यादव (14) और मोहम्मद सिराज (12) ने भारत को शीर्ष पर बनाए रखा है। उनके सभी मैचों में घर और उनके गढ़ वानखेड़े स्टेडियम में खेलना भी सेमीफाइनल के लिए फायदेमंद है। लेकिन भारतीय पक्ष में कुछ कमजोरियां हैं। हालांकि रोहित शर्मा ने आक्रामक शुरुआत की है, लेकिन शुभमन गिल ने टुकड़ों में प्रदर्शन किया है। कोहली भारत के लिए सर्वोच्च स्कोरर हैं, श्रेयस और राहुल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन उसके बाद चीजें थोड़ी मुश्किल होती हैं, जडेजा कुछ मौकों पर अच्छा प्रदर्शन सके हैं, और सूर्यकुमार यादव लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, हालांकि उन्होंने एक महत्वपूर्ण अर्धशतक लगाया है। मजबूत गेंदबाजी इकाई के सामने हार्दिक पांड्या की कमी महसूस होती है। हालांकि टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मध्यक्रम की बल्लेबाजी अभी भी चिंता का विषय है, क्योंकि शीर्ष चार में से 2-3 को सामूहिक छुट्टी मिलने से टीम पूरी तरह से बेनकाब हो जाएगी। टीम काफी दबाव में भी है क्योंकि हर कोई चाहता है कि वह विश्व कप जीते। टीम यात्रा को लेकर भी थोड़ी थकी हुई है क्योंकि मेजबान टीम ने नौ अलग-अलग स्थानों पर नौ मैच खेले हैं। हालांकि मैचों के बीच पर्याप्त अंतराल था, लेकिन लगातार यात्रा करने से शरीर और दिमाग दोनों पर असर पड़ता है।

नॉकआउट चरण में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार मेजबान भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हालांकि भारत कुछ समय पहले धर्मशाला में 2003 के बाद पहली बार विश्व कप मैच में न्यूजीलैंड को हराने में कामयाब रहा था,लेकिन 2019 के सेमीफाइनल में ब्लैक कैप्स से हार अभी भी दुखद है। जैसा कि लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा, टीमें 2019 के मैचअप से काफी अलग हैं और इसलिए जो टीम उस दिन अच्छा प्रदर्शन करेगी वह मैच जीतेगी। भारतीयों को औसत के नियम से भी सावधान रहना होगा, नौ मैचों में अजेय रहने के बाद, वे आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते हैं और यह सोचकर अहंकार नहीं कर सकते कि वे अपराजेय हैं। ऐसी कुछ चीजें हैं जिनसे उन्हें सावधान रहना होगा। उन्हें एक बार फिर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदें धूमिल हो जाएंगी।

न्यूज़ीलैंड लगातार पांच आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में सेमीफाइनलिस्ट न्यूजीलैंड दुर्भाग्य से अभी भी अपने पहले खिताब की तलाश में है।

वहीं आईसीसी आयोजनों की बात करे तब न्यूजीलैंड हमेशा ऊपर रहा है। वे पुरुषों के 50 ओवर के विश्व कप के पिछले 13 संस्करणों में से 9 में सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। उनके छोटे-छोटे खिलाड़ी मैदान पर बहुत सारा कौशल लेकर आते हैं और किसी भी टीम के लिए खतरा साबित होते हैं। बल्लेबाजी में रचिन रवींद्र ने 70.62 की शानदार औसत से 565 रन बनाकर बड़ी सफलता हासिल की है। डेरिल मिशेल ने मध्यक्रम को गति प्रदान की है और 418 रन बनाए हैं जबकि सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे धीरे-धीरे चमके हैं और अब तक 359 रन बनाए हैं। स्पिनर मिशेल सैंटनर अब तक उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने 16 विकेट लिए हैं। ट्रेंट बाउल्ट ने 13 का दावा किया है। टिम साउदी की पूर्ण फिटनेस में वापसी तेज आक्रमण के लिए एक बड़ा लाभ है, हालांकि मैट हेनरी के चोटिल होने से गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है।

वहीं हेनरी की चोट के कारण टीम असंतुलित है और उसके पास उचित पांचवें गेंदबाज का अभाव है। चोटों ने बल्लेबाजी इकाई को भी प्रभावित किया है, कप्तान केन विलियमसन फिटनेस के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि टिम साउदी भी फिटनेस के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बल्लेबाजी मुख्य चिंता का विषय है क्योंकि रचिन, मिशेल और कॉनवे के अलावा बाकी ने ज्यादा योगदान नहीं दिया है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, एस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), एसए यादव, आरए जड़ेजा, एम शमी, जेजे बुमरा, केएल यादव, मोहम्मद सिराज

न्यूजीलैंड = डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन (कप्तान), डीजे मिशेल, एमएस चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, टॉम लैथम (विकेटकीपर), मिशेल सेंटनर, टिम साउदी, एलएच फर्ग्यूसन, ट्रेंट बोल्ट

श्रीलंका टीम के पूर्व कप्तान का आरोप, श्रीलंका के क्रिकेट को बर्बाद कर रहे जय शाह

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह पर आरोप लगाकर विवाद की आग भड़का दी है। उनका कहना है कि श्रीलंका क्रिकेट को खत्म करने के लिए जय शाह ने अपनी प्रभावशाली स्थिति का उपयोग किया है।

हाल ही में कार्यक्रम के दौरान रणतुंगा ने चौंकाने वाला दावा कर कहा कि शाह ने अपने पिता के राजनीतिक संबंधों का फायदा उठाकर 2019 में बीसीसीआई के अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली की नियुक्ति की योजना बनाई। जब गांगुली ने शाह के दबाव का विरोध किया था तब उन्हें 2022 में अनौपचारिक रूप से बीसीसीआई अध्यक्ष पद से हटाया गया था। रणतुंगा ने कहा कि जय शाह श्रीलंका क्रिकेट चला रहे हैं। जय शाह के दबाव के कारण एसएलसी बर्बाद हो रही है। भारत में एक आदमी श्रीलंकाई क्रिकेट को बर्बाद कर रहा है। वह केवल अपने पिता के कारण शक्तिशाली हैं, जो भारत के गृह मंत्री हैं।

रणतुंगा ने तर्क देकर कहा कि जय शाह अभी एसीसी और बीसीसीआई में अपनी दोहरी भूमिका के कारण श्रीलंका क्रिकेट में हेरफेर कर रहे हैं। इसमें कथित तौर पर श्रीलंका क्रिकेट के भीतर प्रमुख पदों पर भारतीय अधिकारियों को रखना और अंतरराष्ट्रीय मैच कार्यक्रम तैयार करना शामिल है जो भारतीय टीमों को प्राथमिकता देते प्रतीत होते हैं।

रणतुंगा के आरोपों पर क्रिकेट फैंस ने भी जमकर कमेंट किए। कुछेक ने लिखा- कुछ लोग हैं, जिन्होंने शाह और एसीसी के खिलाफ बोलने में साहस दिखाया। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका क्रिकेट की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। यह निर्णय आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 में श्रीलंकाई पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद लिया गया है, जहां वे नौ मैचों में से केवल दो जीत हासिल करने में सफल रहे और केवल चार अंकों के साथ 8वें स्थान पर रहे।

कीवियों के खिलाफ भारतीय गेंदबाज शामी और बुमराह का बेहतर रिकॉर्ड

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया बुधवार को वनडे विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। वर्तमान खिलाड़ियों के संदर्भ में मोहम्मद शमी ने 50 ओवर के प्रारूप में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के लिए सबसे अधिक विकेट (30) लिए है। शमी ने कीवी टीम के खिलाफ 13 मैच खेले हैं। भारतीय तेज गेंदबाज ने 7 मेडन ओवर भी डाले और उनका इकॉनमी रेट 6.8 है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 विकेट के साथ कुलदीप यादव दूसरे स्थान पर हैं। कुलदीप ने कीवी टीम के खिलाफ 10 मैचों में हिस्सा लिया और उनका इकॉनमी रेट 5.74 है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 मैच खेलकर जसप्रीत बुमराह ने 14 विकेट हासिल किए। उनका इकॉनमी रेट 4.69 का है। कीवी टीम के खिलाफ 13 मैच खेलने के बाद 8 विकेट लेकर रवींद्र जड़ेजा चौथे स्थान पर हैं। जडेजा का इकॉनमी रेट 5.13 का है।

रोहित शर्मा की टीम ने वनडे विश्व कप 2023 में 18 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए लीग चरण का समापन किया। उनका नेट रन रेट +2.570 रहा। स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहने के बाद भारत कीवी टीम से भिड़ेगी जो अंक तालिका में चौथे स्थान पर रही। मेन इन ब्लू ने डच टीम पर 160 रनों की शानदार जीत के साथ लीग राउंड का समापन किया जिससे मौजूदा टूर्नामेंट में उनका अजेय रिकॉर्ड बरकरार रहा। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड पाकिस्तान और अफगानिस्तान को मुकाबले से बाहर कर चौथे स्थान पर रहा।

विराट को चाहिए बस 120 रन, 50वां शतक बनाकर टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 में विराट कोहली यदि 120 रन और बना लेते हैं तो उनके नाम एक नया रिकार्ड बन जाएगा। विराट अपने बल्ले से लगातार फैंस का दिल जीत रहे हैं। अपना संभवतःअंतिम वनडे वर्ल्डकप खेल रहे विराट अब तक टूर्नामेंट के 9 मैचों में 99.00 के औसत से 594 रन बना चुके है और रन बनाने वाले बैटरों में टॉप पर हैं। इसी वर्ल्डकप में सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले विराट के 50वें शतक पर सबकी नजर टिकी है। हर कोई चाहता है कि 'किंग कोहली' वर्ल्डकप जैसे बड़े टूर्नामेंट में यह 'बड़ा रिकॉर्ड' अपने नाम करें। सचिन के रिकॉर्ड को तोड़ने के अलावा इस वर्ल्डकप में विराट एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम पर कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें 120 रन की दरकार है। गौरतलब है कि वर्ल्डकप 2023 अब अंतिम चरण पर है और भारत, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं। बुधवार 15 नवंबर को सेमीफाइनल में मुंबई में भारतीय टीम का न्यूजीलैंड से मुकाबला होगा जबकि इसके अगले दिन यानी 16 नवंबर को दूसरे सेमीफाइनल में कोलकाता में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमों का मुकाबला होगा। फाइनल मैच रविवार, 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

भारतीय टीम और विराट कोहली की बात करें तो टूर्नामेंट में उनके पास अधिकतम दो मैच में टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने की स्थिति हैं। विराट अगर इन दो मैचों में 120 रन बनाने में सफल रहे तो वर्ल्डकप में रनों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे।

वर्ष 1996 से 2011 तक पांच वर्ल्डकप खेल चुके पोंटिंग ने वर्ल्डकप के 46 मैचों में अब तक 45।86 के औसत से 1743 रन बनाए हैं जिसमें पांच शतक हैं। अपना चौथा वर्ल्डकप खेल रहे विराट कोहली ने अब तक 35 मैचों में 58 के औसत से 1624 रन बनाए हैं। वर्ल्डकप 2023 के शेष दो मैचों या सेमीफाइनल मैच में ही 120 रन बनाते ही वे पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। यदि ऐसा हुआ तो वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष दोनों बैटर भारतीय हो जाएंगे। छह वर्ल्डकप खेल चुके सचिन के नाम पर वर्ल्डकप के 45 मैचों में 56.95 के औसत से सर्वाधिक 2278 रन (6 शतक) दर्ज हैं।

जर्मन फुटबॉल थॉमस मुलर ने भारतीय टीम के लिए अपना समर्थन दिखाया

मुंबई । बायर्न म्यूनिख और जर्मन फुटबॉल स्टार थॉमस मुलर ने टीम इंडिया को उनकी जर्सी के लिए धन्यवाद देकर न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मेन इन ब्लू के लिए अपना समर्थन दिखाया। विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को मेन इन ब्लू का सामना न्यूजीलैंड से होना है। मुलर टीम इंडिया का समर्थन कर रहे हैं और उन्होंने हाई-प्रोफाइल प्रदर्शन से पहले नीली जर्सी पहने हुए वीडियो साझा किया। यह जर्सी टीम इंडिया की ओर से विश्व कप विजेता को उपहार है और इस पर मुलर का नाम और 25 नंबर भी है।अपने ट्वीट में उन्होंने विराट कोहली का भी जिक्र किया और भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद उन्होंने जर्सी पहनी और मेन इन ब्लू को चीयर करते हुए कैमरे के सामने पोज दिया। बता दें कि टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाला भारत बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा।

कुलदीप और रविंद्र जडेजा से काफी कुछ सीखने को मिला : निदामानुरू

बेंगलुरू । विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद नीदरलैंड के बल्लेबाज तेजा निदामानुरू ने उम्मीद जाहिर की है कि कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा जैसे भारतीय स्पिनरों को खेलने के अनुभव से मिली सीख से उन्हें प्रदर्शन सुधारने में मदद मिलेगी। जून में आईसीसी क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करने वाले निदामानुरू ने भारत के खिलाफ 39 गेंद में 54 रन बनाए।उन्होंने कहा, 'यह एक सीख था कि मैं स्पिन को कैसे खेल पाता हूं। दबाव में अच्छा प्रदर्शन करना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि उन्हें बीच के ओवरों में स्पिनरों को खेलते समय दबाव का सामना करना सीखना था। उन्होंने कहा, जडेजा काफी सटीक गेंदबाजी कर रहा था। उसकी अच्छी गेंदों पर रन लेने से दबाव कम हुआ। कुलदीप विश्व स्तरीय गेंदबाज है और उसने काफी विकेट लिए हैं। मैं उसकी गेंदों को पढने की कोशिश कर रहा था। मैं उसकी ढीली गेंदों को पकड़ने की कोशिश में था। निदामानुरू ने कहा, भारत विश्वकप में बेहतरीन क्रिकेट खेल रहा है। हमारा उनसे कोई मुकाबला नहीं था। श्रेयस ने बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। हमारा सीखने का सिलसिला जारी रहेगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप : भारत की कमान संभालेंगे उत्तम सिंह, पूरी टीम पर डालें नजर

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली -प्रतिभाशाली फॉरवर्ड उत्तम सिंह पांच से 16 दिसंबर तक कुआलालम्पुर में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरूष जूनियर विश्व कप में भारत की कमान संभालेंगे। मौजूदा एशियाई चैम्पियन भारत को पूल सी में कनाडा, दक्षिण कोरिया और स्पेन के साथ रखा गया है।

भारत को पांच दिसंबर को कोरिया से पहला मैच खेलना है। भारतीय टीम सात दिसंबर को स्पेन से और नौ दिसंबर को कनाडा से खेलेगी। भारत पिछली बार टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहा था और कोच सी आर कुमार ने कहा है कि इस बार उनकी टीम पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास मजबूत टीम है। हम 2016 जूनियर विश्व कप विजेता टीम से प्रेरणा लेंगे। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ी हैं जो भुवनेश्वर में पिछला जूनियर विश्व कप खेल चुके हैं। वे नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे और साथी खिलाड़ियों के मेंटोर होंगे। हमारा लक्ष्य जूनियर विश्व कप जीतना है और हम इसके लिये कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।%

पूल ए में गत चैम्पियन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, चिली और मलेशिया है जबकि पूल बी में मिस्र , फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका हैं। पूल डी में बेल्जियम, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान हैं।

भारतीय टीम: गोलकीपर : मोहित एचएस, रणविजय सिंह यादव, डिफेंडर : शारदानंद तिवारी , अमनदीप लाकड़ा, रोहित, सुनील जोजो, आमिर अली, मिडफील्डर: विष्णुकांत सिंह, पूवन्ना सीबी, राजिंदर सिंह, अमनदीप, आदित्य सिंह , फॉरवर्ड: उत्तम सिंह (कप्तान), आदित्य लालागे, अराइजीत सिंह हुंडल, सौरभ आनंद कुशवाहा, सुदीप चिरमाको, बॉबी सिंह धामी , रिजर्व : सुखविंदर, सुनीत लाकड़ा

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय पर अब्दुल रज्जाक ने किया शर्मनाक कॉमेंट, सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना

मुंबई । पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उसके खिलाड़ी कभी भी कुछ भी बोल सकते हैं। इसका ताजा उदाहरण तब देखने में मिला, जब पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी अब्दुल रज्जाक ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विश्व कप 2023 में खराब प्रदर्शन और बोर्ड भी भूमिका की आलोचना कर बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन पर शर्मनाक कॉमेंट कर बैठे। हैरान करने वाली बात यह है कि मंच पर उनके साथ मौजूद शाहिद अफरीदी इस पर हंसकर ताली पीटते रहे। दरअसल, रज्जाक से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में कुप्रबंधन और उथल-पुथल के बारे में पूछा गया, जिसके कारण राष्ट्रीय टीम भारत में आईसीसी विश्व कप 2023 के लीग चरण से बाहर हो गई। रज्जाक ने पीसीबी के इरादों की आलोचना कर पूर्व मिस वर्ल्ड का उदाहरण दिया, जिसके बाद कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ताली पीटकर हंसते नजर आए। रज्जाक कहते हैं कि मैं यहां उनके (पीसीबी के) इरादे के बारे में बात कर रहा हूं। जब मैं खेल रहा था, तब मुझे पता था कि मेरे कप्तान यूनिस खान के इरादे अच्छे थे। मैंने उनसे आत्मविश्वास और साहस लिया और अल्लाह का शुक्र है कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सका। रज्जाक ने कहा, अगर आप सोचते हैं कि मैं एक अच्छे संस्कारी और गुणी बच्चे के लिए ऐश्वर्या (राय बच्चन) से शादी करूंगा, तब ऐसा कभी नहीं हो सकता। इसलिए आपको पहले अपने इरादे ठीक करना होगा। रज्जाक के साथ पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल और शाहिद अफरीदी भी बैठे थे और उन्होंने उनकी टिप्पणी की सराहना की। वे ताली पीटकर हंसते दिखे। अब्दुल रज्जाक के देश की टीम पाकिस्तान विश्व कप में बुरी तरह हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। उसे भारतीय क्रिकेट टीम ने एकतरफा पीटा, जबकि इसके बाद अफगानिस्तान ने हराते हुए शर्मसार कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में लाबुशेन को मिले मौका - रिकी पोंटिंग

कोलकाता । ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में बेहतर बल्लेबाजी कौशल के कारण मार्कस स्टोइनिस की जगह मार्नस लाबुशेन बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आराम के बाद ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई टीम में लौटने वाले हैं। इसकी वजह से सेमीफाइनल में लाबुशेन या स्टोइनिस में से एक को बाहर होना होगा। पोंटिंग ने कहा, मैं लाबुशेन को ही शामिल करता। उन्होंने भारत के मजबूत मध्यक्रम का उदाहरण देकर कहा, इस टूर्नामेंट में लाबुशेन ने खराब नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया के लिए टूर्नामेंट में सबसे महत्वपूर्ण मध्यक्रम की बल्लेबाजी है जो अभी तक सही नहीं हुई है। उन्हें इसका हल जल्दी निकालना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर विश्व कप जीतना है, तब 11वें से 40वें ओवर के बीच की समस्या का हल निकालना होगा। हमने इसी दौरान काफी विकेट गंवाए हैं। भारत ने इस दौरान सिर्फ 20 विकेट गंवाए हैं। लाबुशेन ने नीदरलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो शतक जमाये थे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार क्षेत्ररक्षण से भी ध्यान खींचा। पोंटिंग के सुर में सुर मिलाते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला शेन वाटसन ने कहा कि फ्लडलाइट में कठिन हालात का सामना करते हुए बल्लेबाजी में संतुलन के लिए लाबुशेन की जरूरत होगी।

एटीपी फाइनल्स में ज्वेरेव से हारे अलकाराज, मेदवेदेव ने रूबलेव को हराया

पिछले सत्र के आखिर में नंबर एक रहे कार्लोस अलकाराज एटीपी फाइनल्स में पदार्पण वर्ष में पहले मैच में दो बार के चैम्पियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से 7.6, 3.6, 4.6 से हार गए। शीर्ष आठ खिलाड़ियों के सत्र के इस आखिरी टूर्नामेंट में 20 वर्ष के अलकाराज पिछले साल पेट में चोट के कारण नहीं खेल सके थे। दूसरे मैच में दानिल मेदवेदेव ने अपने दोस्त आंद्रेइ रूबलेव को 6.4, 6.2 से मात दी। नोवाक जोकोविच और यानिक सिनेर रविवार को अपने अपने प्रारंभिक दौर के मैच जीत चुके हैं।

कोच राहुल द्रविड़ भारतीय टीम के प्रदर्शन से गदगद, बल्लेबाज जबरदस्त फार्म में

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम ने विश्व कप 2023 में अपने अभियान की शुरुआत करने से पहले खुद के लिए कुछ चुनौतियां रखी थीं। इन चुनौतियों में से एक अपने 9 मैच 9 अलग-अलग स्थानों पर खेलना था। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि हम लोगों ने विश्व कप से पहले खुद के लिए एक छोटी सी चुनौती तय की थी। 9 अलग-अलग शहरों में हजारों प्रशंसकों के सामने हम वास्तव में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते थे। मुझे लगता है बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले लड़कों ने इन मुकाबलों में बताया है कि वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

टीम विश्व कप के दौरान 9 अलग-अलग स्थानों पर, अपने प्रत्येक ग्रुप गेम के लिए एक नए स्थान पर खेलने वाली एकमात्र टीम थी। टीम ने विश्व कप में पहली बार सभी 9 मैच जीतकर लीग चरण को अजेय रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया। द्रविड़ बेंगलुरु में नीदरलैंड पर जबरदस्त जीत से वास्तव में खुश थे। उन्होंने कहा कि हमारे पास छह दिन की छुट्टी थी, इसकारण सेमीफाइनल से पहले खेल पाना वास्तव में अच्छा था। हमारे 5 बल्लेबाजों को खेलने का मौका मिला। कुछ लड़के आगे बढ़ रहे हैं और कुछ अच्छे शतक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि गेंद के साथ प्रयोग से टीम को फायदा हुआ। कोच द्रविड़ ने कहा कि बड़ा स्कोर बनाने के बाद हमें मौका मिला कि हमने गेंदबाजी में थोड़ा सा मिश्रण किया जिससे हमें सफलता मिली।

द्रविड़ ने अपनी बल्लेबाजी इकाई पर बहुत भरोसा दिखाया और विशेष रूप से अपने मध्यक्रम के काम से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारा मध्यक्रम शानदार रहा है। जाहिर है, शीर्ष क्रम को हर समय बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है और वह हमारे लिए बहुत सारे रन बना रहा है। जब आप संख्याओं के आधार पर लीडरबोर्ड को देखते हैं, तब आप कोहली को और शर्मा देखते हैं। वे शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। लेकिन मध्यक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि आप हमेशा दबाव की स्थिति में खेल रहे होते हैं।

द्रविड़ ने कहा कि मध्यक्रम में कभी-कभी 30 ओवर के बाद बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है जब गेंद नरम होती है, जब गेंद पुरानी होती है। विकेट भी धीमा हो जाता है। हमारे लिए इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और सूर्यकुमार यादव ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह हमें आत्मविश्वास देता है कि हमारे पास वह अनुभव है, हमारे पास क्षमता है और हमने उन्हें फॉर्म में भी रखा है और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए वास्तव में अच्छा खेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी जारी रखने के इच्छुक कमिंस, आईपीएल नीलामी में भी देंगे नाम

नई दिल्ली। पैट कमिंस ने विश्व कप के बाद भी आस्ट्रेलिया का वनडे कप्तान बने रहने की इच्छा जताई है। कमिंस को पहले टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी लेकिन आरोन फिंच के पिछले साल अचानक संन्यास लेने के बाद उन्हें वनडे कप्तान भी बनाया गया। शुरूआती दो मैच हारने के बाद लगातार सात जीत के साथ आस्ट्रेलिया को विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचाने वाले कमिंस ने कप्तानी बरकरार रखने का दावा पुख्ता कर लिया है। वनडे कप्तान के तौर पर भविष्य के बारे में पूछने पर 30 वर्ष के कमिंस ने कहा, ''बिल्कुल। हम इस पर बात करेंगे। मैं, एंड्रयू (मुख्य कोच) और जॉर्ज (चयनकर्ता) सभी। इस टूर्नामेंट के बाद फोकस टेस्ट क्रिकेट पर रहेगा। जैसा कि अतीत में होता आया है, सफेद गेंद के क्रिकेट से ध्यान हटाकर टेस्ट क्रिकेट पर फोकस चला जाता है।''

पिप्पा में क्रिप्टोग्राफर की भूमिका निभाएंगी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर उपन्यास द बर्निंग चैफीज पर आधारित फिल्म पिप्पा में नजर आएंगी। अभिनेत्री एक ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं, जहां एक महिला किरदार को युद्ध नाटकों में देखे जाने वाले पारंपरिक लिंग मानदंडों को चुनौती देते हुए एक अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है। मृणाल ने राधा नाम की एक मेडिकल छात्रा और क्रिप्टोग्राफर की भूमिका निभाई है, जो अपने भाई-बहनों के साथ युद्ध का एक अनिवार्य हिस्सा बन जाती है। अपनी भूमिका पर चर्चा करते हुए मृणाल ने साझा किया - राधा मेरे दिल के करीब एक चरित्र है। वह न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि बौद्धिक रूप से भी महिलाओं की लचीलापन और ताकत का प्रतिनिधित्व करती है। युद्ध के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल एक महिला चरित्र को देखना ताज़ा था। मैं क्रिप्टोग्राफी में अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रही हूं। उन्होंने कहा, पिप्पा एक अलग दृष्टिकोण दिखाती है, और मैं राधा की कहानी को जीवंत करने के लिए सम्मानित महसूस कर रही हूं। राजा मेनन द्वारा निर्देशित पिप्पा में ईशान खट्टर भी हैं।

कॉमेडी के बाद पहली बार राघव जुयाल ने 'किल' में किया निगेटिव रोल

एक्टर डांसर राघव जुयाल ने अपनी आने वाली फिल्म 'किल' के बारे में बातचीत की। फिल्म में राघव निगेटिव रोल करते हुए दिखाई देंगे। वैसे आमतौर पर राघव अपने डांस के अलावा अपनी होस्टिंग के लिए फेमस हैं। वो अपनी होस्टिंग से लोगों को खूब हंसाते हैं। ऐसे में उनका निगेटिव रोल करना उनके फैंस के लिए काफी नया होगा। इसपर राघव ने कहा, 'मैं एक्टर हूं और एक्टर को अपनी रेंज दिखाने के लिए हर तरह का रोल करना चाहिए। जब मैं कॉमेडी कर सकता हूं तो सीरियस और निगेटिव रोल भी कर सकता हूं।' राघव ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छी है। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद मैंने अपने ऊपर काम करना शुरू किया। फिल्म मेरे कैरेक्टर का नाम 'फणी भूषण' है। एक्टर ने बताया जब पहली बार मुझे बताया कि करण जौहर, गुनीत मोंगा कपूर जैसे प्रोड्यूसर्स के साथ काम कर रहा हूं। मैं खुशी से पागल हो गया था। इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने से पहले मैं गुनीत मोंगा कपूर और धर्मा की एक सीरीज कर रहा था। उसी बीच मुझे पता चला कि गुनीत मोंगा ने हमारे देश के लिए ऑस्कर जीत लिया है। उस समय मुझे जो खुशी हुई थी मैं बंया नहीं कर सकता हूं। बल्कि मैं तो खुशी के मारे मैं तो ढोल लेकर उन्हें एयरपोर्ट पर लेने गया था। मेरे लिए ये बहुत बड़ी बात है कि करण जौहर और गुनीत जैसे बड़े प्रोड्यूसर ने मुझपे इतना भरोसा किया। मुझे उस वक्त बहुत गर्व महसूस हुआ जब फिल्म 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' के जीतने पर अंग्रेजों ने स्टैंडिंग ओवेशन दिया। पूरा हॉल गोरे लोगों से भरा था और सबने एक साथ खड़े होकर ओवेशन दिया। ये सम्मान किसी व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि फिल्म के लिए था। सिनेमा को लेकर लोगों के अंदर जो प्यार है वो देखकर बहुत खुशी होती है। राघव ने बताया कि इस फिल्म के लिए नौ महीने तक मैंने अपने ऊपर काम किया। फिजिकल और मेंटल दोनों तरह से मैंने इसपर काम किया। मुझे अपने ऊपर फिजिकल वर्क करने की ज्यादा जरूरत थी। जब मुझे ज्यादा फर्क नहीं दिखा तो मैंने काम करना बंद कर दिया। जब शूट के दौरान सेट पर पहुंचा तो सारी चीजें अपने आप होती गई।

सच इज लाइफ फिल्म से इंटरनेशल डेब्यू की तैयारी में कीर्ति कुल्हारी

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी को इंडस्ट्री में एक दशक से अधिक समय हो गया है। अपने करियर में उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा ओटीटी पर भी वह कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। कीर्ति का कहना है कि अपनी बॉलीवुड यात्रा के लिए वह बेहद शुक्रगुजार हैं और अब इसके विस्तार की तरफ देख रही हैं। वह सच इज लाइफ फिल्म से इंटरनेशन डेब्यू की तैयारी में हैं। इसे लेकर कीर्ति ने प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री ने साझा की खुशी

कीर्ति का कहना है कि पिंक, फोर मोर शॉट्स प्लीज, क्रिमिनल जस्टिस और ह्यूमन जैसे प्रोजेक्ट के बाद उन्हें लगता है कि अब करियर को आगे बढ़ाने का यह सही वक्त है। कीर्ति ने एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान कहा, यह मुझे अपनी तरक्की जैसी लग रही है। मेरे लिए यह ग्रोथ है। अभिनेत्री का कहना है कि वह सच इज लाइफ को सिर्फ एक ऐसे प्रोजेक्ट के रूप में नहीं देखती हैं, जो उन्हें इंटरनेशनल स्तर पर मौका दे रहा है, बल्कि यह उन्हें करियर के इस मुकाम पर आत्मविश्वास देने वाला है।

नहीं हो रही चिंता!

कीर्ति कुल्हारी ने आगे कहा, बतौर एक्टर मैं क्या सोचती हूं और क्या करती हूं, सच इज लाइफ इस बात का भी एक सबूत है। मैं अब व्यापक स्तर पर काम करने के लिए तैयार हूं। मुझे इस बात की बिल्कुल घबराहट नहीं है कि इतने सारे लोग मुझे जज करेंगे। मुझे लगता है कि मैं यह फिल्म कर सकती हूं और इस तरह का प्रोजेक्ट करने का यह सही समय है।

अगले साल शुरू होगी शूटिंग

बता दें कि फिल्म का नाम सच इज लाइफ है और यह मुंशी परिवार के असल जीवन की कहानी पर आधारित होगी। हर्ष महादेश्वर फिल्म के निर्देशक हैं और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। अगले साल अप्रैल में कीर्ति की इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। इसकी शूटिंग कश्मीर, नई दिल्ली, न्यू ऑरलियन्स, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में की जाएगी।

इलैयाराजा की बायोपिक में धनुष, अक्टूबर 2024 में शुरू होगी शूटिंग

म्यूजिक कंपोजर इलैयाराजा पर बायोपिक बन रही है। इससे भी ज्यादा रोमांचक बात यह है कि तमिल सुपरस्टार धनुष स्क्रीन पर इनका किरदार निभाएंगे। इलैयाराजा ने भारतीय सिनेमा में नायकन, सदमा, थेवर मगन, आ रात्रि और कई अन्य प्रोजेक्ट्स में आइकोनिक साउंडट्रैक दिए हैं। अनटाइटल फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू होने वाली है और निर्माताओं का लक्ष्य फिल्म को साल 2025 के आसपास रिलीज करने का है। इलैयाराजा को इंडस्ट्री में 47 साल हो गए हैं। वह टॉप कंपोजर्स में से एक हैं। उन्होंने 7,000 से ज्यादा सॉन्ग कंपोज किए हैं और 1,000 से ज्यादा फिल्मों के लिए संगीत दिया है। इसके अलावा 20,000 से ज्यादा कॉन्सर्ट में परफॉर्म किया है। उनका निकनेम इसाइग्नानी है और उन्हें अक्सर प्यार से मेस्ट्रो कहा जाता है। यह उपाधि रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा, लंदन द्वारा प्रदान की जाती है। ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने भी इलैयाराजा के तत्वावधान में शुरुआत की। 1986 में जब वह उस्ताद से जुड़े तो वह उनके शिष्य थे। धनुष तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं, जिन्होंने रांझणा और अतरंगी रे जैसी अपनी फिल्मों से बॉलीवुड में भी फैंस बनाए। उन्होंने 46 फिल्मों में एक्टिंग की और 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (दो अभिनेता के रूप में और दो निर्माता के रूप में), 14 एसआईआईएमए अवॉर्ड शामिल हैं। नई फिल्म कॉनकेक्ट मीडिया और मर्कुरी के बीच कोलैबोरेशन का एक हिस्सा है, और अगले तीन सालों के लिए उनकी कई फिल्मों की सूची में से पहली फिल्म है।

एसोसिएशन पर कमेंट करते हुए, कनेक्टिकट मीडिया के वरुण माथुर ने कहा, मर्कुरी ग्लोबल एंटरटेनमेंट स्पेस में सबसे आइकोनिक नामों में से एक है और हमारे लिए एक अद्भुत पार्टनर रहे हैं। हम किसी अन्य के विपरीत म्यूजिक लेजेंड की बायोपिक से शुरू होने वाली कई मेगा-बजट फिल्मों का निर्माण करने के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर रोमांचित हैं। एक नेशनल स्टूडियो के रूप में मर्कुरी के साथ हमारी पार्टनरशिप हमें इस बेहद रोमांचक चरण के दौरान भारत और विश्व स्तर पर लाखों प्रशंसकों को मनोरंजक कंटेंट प्रदान करने के लिए एक शानदार स्थिति में रखती है। कनेक्टिकट मीडिया फिल्मों का स्टूडियो होगा और कनेक्टिकट मीडिया और मर्कुरी ग्रुप मिलकर फिल्मों का निर्माण करेंगे।

कॉफी विद करण 8 में आलिया के साथ पहुंचेंगी करीना

कॉफी विद करण का 8वां सीजन कई वजहों से चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच अब आलिया भट्ट और करीना कपूर शो में अगली गेस्ट बनकर पहुंचने वाली हैं। हाल ही में मेकर्स ने शो का नया प्रोमो जारी कर दिया है, जिसमें आलिया भट्ट ने करण जौहर के सामने शो को कंट्रोवर्शियल कहा है। वहीं करीना कपूर ने अमीषा पटेल पर बात करने से साफ इनकार कर दिया है। सामने आए नए प्रोमो में आलिया भट्ट ने कहा कि ये शो कंट्रोवर्शियल है। उन्होंने कहा, कंट्रोवर्शियल काउच, कंट्रोवर्शियल विदच। बातचीत में आलिया भट्ट, करण से सवाल करती हैं कि मैं और करीना कौन हैं। इसके जवाब में करण ने कन्फ्यूज होकर कहा, जेठानी या ननद, मुझे नहीं पता। इस पर करीना उनका मजाक उड़ाते हुए कहती हैं, तुम्हें पता होना चाहिए, तुमने कभी खुशी कभी गम बनाई है। जब करण ने अपना जवाब बदलकर कहा, क्या तुम आलिया की भाभी लगोगी, तो करीना ने चिढ़कर कहा, मैं किसी की भाभी नहीं हूं। बातचीत में आगे करण जौहर ने करीना से पूछा कि वो गदर 2 की सक्सेस पार्टी में क्यों नहीं गई। करीना ने करण के इस सवाल पर कुछ देर तक कोई रिएक्शन नहीं दिया। दरअसल, 2000 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म से करीना कपूर बॉलीवुड डेब्यू करना चाहती थीं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी, हालांकि डायरेक्टर राकेश रोशन और उनकी मां बबीता की अनबन होने से करीना ने फिल्म छोड़ दी थी। करीना के फिल्म छोड़ने के बाद अमीषा पटेल ने फिल्म से डेब्यू किया था। इसके बाद से ही खबरें आने लगीं कि कहो ना प्यार है की वजह से ही करीना कपूर और अमीषा पटेल के बीच अनबन है।

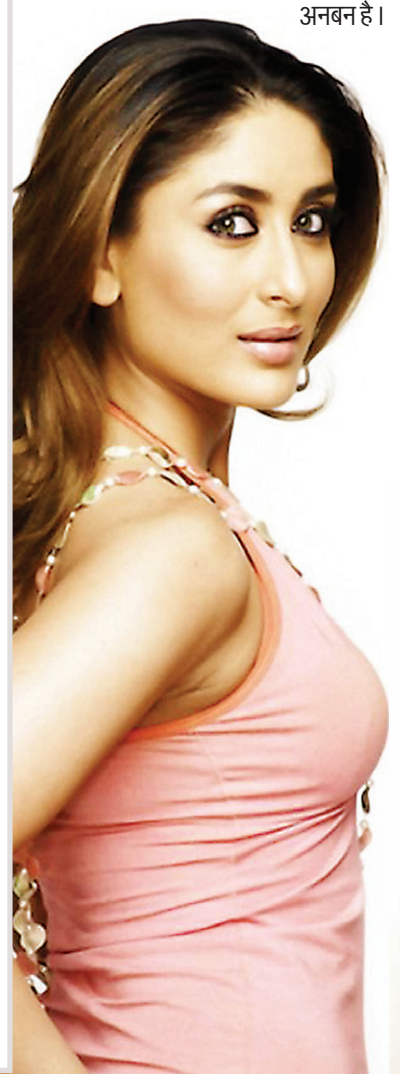

इस वजह से लेखिका से निर्माता बनीं ताहिरा कश्यप, निर्देशक ने इंटरव्यू में बताई वजह

बॉलीवुड इंडस्टी की जानी-मानी निर्देशक ताहिरा कश्यप फिल्मों से ज्यादा बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेखिका ताहिरा कश्यप ने फिल्म शर्माजी की बेटी का निर्देशन कर निर्माता के रूप में शुरूआत की है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में निर्देशक ने अपनी फिल्म के बारे में बात की, जिसे मामी फिल्म फेस्टिवल 2023 में सराहा गया था। बता दें कि ताहिरा कश्यप अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी हैं।

मामी फेस्टिवल में मिली स्टैंडिंग ओवेशन

हाल ही में एक मीडिया बातचीत में, ताहिरा कश्यप ने बताया कि इस फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जब दो बार मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल में पेश किया गया। निर्माता ने आगे बताया कि जब फिल्म को स्टैंडिंग ओवेशन मिला तो मेरा दिल खुशी से भर गया। खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें महिलाओं को प्रमुखता से दिखाया गया है।

महिलाओं पर आधारित हैं कहानी

ताहिरा कश्यप ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, मेरा फिल्म निर्माता बनने का एकमात्र कारण लोगों के दिलों तक पहुंचना था। मैं चाहती हूं कि इस स्थिति में हर कोई दयालु बने। सहानुभूति होनी चाहिए। शर्माजी की बेटी फिल्म महिलाओं पर आधारित फिल्म है, जो विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

निर्देशक ने कही यह बात

निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म के सभी किरदारों में उनका ही एक हिस्सा है। ताहिरा कश्यप ने कहा, फिल्म के सभी किरदारों में थोड़ा-बहुत मेरा अंश है। मैंने अपनी किशोरावस्था को जीया है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने फिल्म फेस्टिवल में फिल्म दिखाई, तो कुछ लड़के लडकियां मेरे पास आए, जो लगभग 19 वर्ष के होंगे। उन सभी ने अपना अनुभव साझा कर बताया कि उन्हें भी ऐसा ही लगता है। इस फिल्म को देख उन सभी ने तारीफ की।

आशिकी 3 में तारा सुतारिया के होने की अफवाहों पर मुकेश भट्ट ने लगाया विराम

कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया का पिछले काफी दिनों से साथ में लिया जा रहा है। दोनों को एक साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इसके साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि तारा सुतारिया और कार्तिक आर्यन की जोड़ी आशिकी 3 में काम करती नजर आएगी। जहां एक तरफ इन अफवाहों का बाजार गरम है, वहीं दूसरी ओर दोनों ही सितारे चुप्पी साधे बैठे हैं। कार्तिक आर्यन इंडस्ट्री के सबसे मशहूर अभिनेताओं में शुमार हैं। वह बैक टू बैक फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। कार्तिक को आशिकी 3 में भी मुख्य भूमिका निभानी है। हालांकि जहां तक मेल लीड तय है, वहीं अटकलें लगाई जा रही हैं कि तारा सुतारिया फिल्म में नजर आ सकती हैं। मुकेश भट्ट ने कहा, हर हफ्ते मैं एक नई मुख्य अभिनेत्री का नाम पढ़ता हूं, यह एक थका देने वाला मजाक बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि तारा सुतारिया की खबर झूठी है और उनके नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है।

मुकेश भट्ट ने बोला, यह बिल्कुल बकवास है। इस बात में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। उनके बारे में कोई विचार नहीं किया जा रहा है। क्या मैं तुम्हें सच बताऊं? मेरा संगीत तैयार होने से पहले इस भूमिका के लिए किसी लड़की के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। ये गाने पहली और दूसरी आशिकी के सितारे थे। इस फ्रेंचाइजी को किसी शुरुआत की जरूरत नहीं है, हम इस बार एक स्टार पाकर खुशी है। लेकिन बाकी सब पूरी तरह से संगीत पर निर्भर करता है।